स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, बुधवार
16 अप्रैल, 2025
वैशाख मास कृष्ण पक्ष 3
सं. 2082 वि.
वर्ष 78, अंक -234 पृष्ठ 12
संस्करण : नगर

मूल्य : 3 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net   web portal : swatantrabharat.net

श्रेयस अय्यर बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

बंगाल हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ!

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में नए वक्फ कानून को लेकर लेकर भड़की हिंसा के मामले में गृह मंत्रालय को शुरुआती जांच की जानकारी दी गई है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, हिंसा में कुछ बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता के संकेत मिले है। हालांकि हिंसा के बाद

प्रारंभिक जांच में बड़ा खुलासा

जंगीपुर, धुलियान, सुती और शमशेरगंज जैसे संवेदनशील इलाकों में बीएसएफ, सीआरपीएफ, राज्य सशस्त्र पुलिस और आरएएफ के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 48 घंटों में इन इलाकों में कोई नई हिंसा की घटना नहीं हुई है और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है।बता दें कि तनाव की खबरों के बीच बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी रवि गांधी ने भी प्रभावित इलाकों का दौरा किया और राज्य पुलिस के साथ मिलकर इलाके में गश्त बढ़ाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने की रणनीति पर चर्चा की। अब तक इस हिंसा के सिलसिले में कुल 210 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हिंसा के बाद स्थिति की जानकारी देते हुए बंगाल पुलिस ने बताया कि अब दुकानें खुल रही हैं और हिंसा की वजह से घर छोड़कर गए लोग वापस लौटने लगे हैं। इसी बीच, दक्षिण 24 परगना जिले के भांगर इलाके में भी वक्फ अधिनियम को लेकर सोमवार को हिंसा देखने को मिली। इंडियन सेक्युलर फ्रंट (आईएसएफ) के समर्थकों ने पुलिस के साथ झड़प की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। कुछ पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया गया और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचा। गौरतलब है कि पुलिस ने आईएसएफ समर्थकों को उनके नेता और विधायक नौशाद सिद्दीकी की रैली में शामिल होने से रोकने की कोशिश की, जिसके चलते ये झड़प हुई।

सीएम योगी ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर साधा निशाना

लातों के भूत बातों से कहां मानेंगे

हरदोई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को हरदोई पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। योगी ने बंगाल में हुए हिंसा को लेकर कहा

कहा दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट मिली है

कि लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। बंगाल जल रहा है और वहां की सीएम चुप हैं। उन्होंने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। उन्होंने कहा, हर दूसरे तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के मानेंगे नहीं। आप देख रहे होंगे कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं। दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। लेकिन सेक्युलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की छूट दे रखी है। पिछले एक सप्ताह से

मुर्शिदाबाद जल रहा है। सरकार चुप है। इस तरह की आरजकता पर लगाम लगनी चाहिए।
उन्होंने आगे कहा कि बंगाल जल रहा है। राज्य की मुख्यमंत्री चुप हैं। वह दंगाइयों को शांतिदूत कहती हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं? लेकिन धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। पिछले एक हफ्ते से पूरा मुर्शिदाबाद जल रहा है, लेकिन सरकार मौन है। ऐसी अराजकता पर लगाम लगनी चाहिए। सीएम योगी ने पश्चिम बंगाल के न्यायालय का आभार भी जताया। उन्होंने कहा, मैं वहां के न्यायालय को धन्यवाद दूंगा क्योंकि उन्होंने वहां पर केंद्रीय बलों को तैनात कर अल्पसंख्यकों हिंदुओं की सुरक्षा की व्यवस्था के लिए कदम उठाया है। आज केंद्रीय बल वहां तैनात है।

वक्फ कानून से रुकेगी जमीन की लूट

योगी ने कहा कि वक्फ कानून से जमीन की लूट रुकने वाली है, जिससे विपक्ष को परेशानी है। ऐसा इसलिए हैं कि गुर्गे खाली होकरज्जनता की जगह उन्हें ही न लूटने लग जाएं। विपक्ष जनता को गुमराह कर रहा है, लेकिन हमें संविधान पर विश्वास करना और विकास से जुड़ना है।

बांग्लादेश चले जाएं दंगाई

आदित्यनाथ ने दंगाइयों पर निशाना साधते हुए कहा, वे एक के बाद एक धमकियां दे रहे हैं और बांग्लादेश में जो हुआ उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश पसंद है, तो उन्हें बांग्लादेश ही चले जाना चाहिए। आप अभी भी भारत की धरती पर बोझ क्यों हैं?

मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं वक्फ कानून : रिजिजू

कोच्चि। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिनियम में संशोधन मुस्लिम समुदाय को लक्षित करने के लिए नहीं किया गया है, बल्कि इसका उद्देश्य पिछली गलतियों में सुधार करना है। रिजिजू

गलतियां सुधारना है मकसद

का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब विभिन्न मुस्लिम संगठन कानून में संशोधन करने को लेकर विरोध कर रहे हैं और पश्चिम बंगाल में हिंसक हो गए हैं।
रिजिजू ने कोच्चि में एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार का इरादा साफ है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत में किसी की जमीन को जबरन और एकतरफा छीनने का कोई प्रावधान न हो।
रिजिजू ने आगे कहा कि वक्फ कानून में संशोधन इसलिए किया गया क्योंकि इसके कुछ प्रावधानों ने वक्फ बोर्डों को अभूतपूर्व शक्ति और अधिकार दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद किसी भी भूमि को मनमाने तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह अतीत की गलतियों को सुधारने के लिए है।
बता दें कि लोकसभा और राज्यसभा में मैराथन मंथन के बाद, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच अप्रैल की रात को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अपनी मंजूरी दे दी। इस कानून को सरकार ने आठ अप्रैल को अधिसूचना जारी कर लागू कर दिया। सत्तारूढ़ एनडीए ने इसे अल्पसंख्यकों के लिए लाभकारी बताया है। वहीं, विपक्ष ने इस कानून को मुस्लिम विरोधी बताया है।

आज का मौसम

अधिकतम तापमान	- 37^0
न्यूनतम तापमान	- 23^0
सूर्योदय	- 05:42
सूर्यास्त	- 06:30

बादल छाये रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की सीएम ने निजी स्कूलों को चेताया

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि असामान्य रूप से फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है। गुप्ता ने कहा कि उनकी सरकार अनुचित वृद्धि के आरोपी स्कूलों को नोटिस भेज रही है। किसी भी स्कूल को अभिभावकों और बच्चों को परेशान करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें बच्चों को धमकाने और असामान्य रूप से फीस बढ़ाने का कोई अधिकार नहीं है।

सिद्धारमैया को मुडा केस में झटका

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण मामले में एक एमपी-एमएलए कोर्ट ने झटका दे दिया है और उनके खिलाफ लोकायुक्त पुलिस की जांच में उन्हें दी गई क्लीन चिट को स्वीकार करने के बजाय उसकी गहन जांच जारी रखने का आदेश दिया है। मंगलवार को जन प्रतिनिधियों के लिए बने विशेष अदालत ने लोकायुक्त पुलिस द्वारा प्रस्तुत बी रिपोर्ट पर अपना फैसला टाल दिया, जिसमें सिद्धारमैया को किसी भी तरह के गलत काम करने के आरोपों से मुक्त कर दिया गया था।

अयोध्या सहित 6 जिलों के बदले डीएम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने यूपी के नौकरशाहों में बड़ा बदलाव किया है। मंगलवार को अयोध्या, चंदौली, अमेठी, कनौज, इटावा एवं बंदायू के जिलाधिकारी सहित 16 आईएएस अधिकारियों का स्थानातंरण करते हुए उन्हें नयी तैनाती के आदेश दिए गये है। जानकारी के अनुसार अयोध्या के जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह को विशेष सचिव औद्योगिक विकास बनाते हुए निखिल टीकाराम फुण्डे को अयोध्या का डीएम बनाया है।

विस्तृत खबर पेज 3 पर...

बहराइच में सड़क हादसा : एक ही परिवार के छह की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बहराइच के पयागपुर क्षेत्र में मंगलवार दोपहर तेज रफ्तार डबल डेकर बस की चपेट में आने

वलीमा में जा रहे थे सभी 16 लोग

से ऑटो रिक्शा पर सवार दो मासूम बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गयी जबकि दस अन्य गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया हुजूरपुर क्षेत्र निवासी 16 लोग एक वलीमा में शामिल होने के लिये ऑटो रिक्शा पर सवार होकर जा रहे थे कि रास्ते में इमलिया के पास तेज रफ्तार बस ने ऑटो को ठोकर मार दी। इस हादसे में आटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गये और सभी यात्री गंभीर रुप से घायल हो गये। पुलिस ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से सभी घायलों को बहराइच मेडिकल कॉलेज भिजवाया जहां इलाज के दौरान सात लोगों की मौत हो गई जबकि चालक समेत 10 की हालत गंभीर बनी हुयी है। मृतकों में अजीम (12), फहद (05), मरियम (65), अमजद(45) और मुन्नी (45) और दो अन्य शामिल हैं। हादसा देख मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दुष्कर्म के मामलों में इलाहाबाद हाईकोर्ट की हालिया आपत्तिजनक टिप्पणियों पर सख्त रुख अपनाया। कोर्ट ने कहा कि ऐसी

दुष्कर्म मामले पर कहा था लड़की ने खुद न्यौता दिया

टिप्पणियां नहीं की जानी चाहिए थीं। ऐसा कहा ही क्यों गया? शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय के हाल के एक आदेश पर दुख जताया, जिसमें कोर्ट ने एक छात्रा से दुष्कर्म के आरोपी को जमानत दे दी और कहा कि महिला ने खुद ही मुसीबत को न्योता दिया। न्यायमूर्ति बीआर

गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की पीठ ने कहा, अब एक अन्य न्यायाधीश ने एक और आदेश दिया है। जमानत दी जा सकती है... लेकिन, यह कैसी बात हुई कि उसने खुद ही मुसीबत को आमंत्रित किया? ऐसी बातें कहते समय सावधानी बरतनी चाहिए। खासकर न्यायाधीशों को। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक अन्य आदेश के खिलाफ स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान आई। इसमें कहा गया था कि सिर्फ छाती पकड़ने और सलवार का नाड़ा खींचने को दुष्कर्म नहीं माना जा सकता। शीर्ष अदालत ने पहले ही इस विवादास्पद आदेश पर रोक लगा दी थी।

अस्पतालों से नवजातों की तस्करी पर रद्द हो लाइसेंस

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाल तस्करी को लेकर सख्त आदेश जारी किया। कोर्ट ने कहा कि अगर अस्पताल से नवजात गायब होते हैं तो अस्पताल का लाइसेंस रद्द कर दिया जाए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सभी निचली अदालतों को बाल तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई छह महीने में पूरी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने बाल तस्करी के मामलों से निपटने के तरीके को लेकर भी उत्तर प्रदेश सरकार की आलोचना की। ऐसे अपराध रोकने के लिए राज्यों को सख्त दिशा-निर्देश दिए। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि देशभर के हाईकोर्ट में बाल तस्करी के कितने मामले लंबित हैं, इसकी जानकारी दी जाए। इसके बाद छह महीने में मुकदमे को पूरा करने और दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने के निर्देश जारी किए जाएंगे

शेयर बाजार में रहा मजबूत उछाल

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में भी मजबूत उछाल दिखा। घरेलू सूचकांक इस महीने की शुरुआत में जवाबी टैरिफ के एलान के बाद हुए नुकसान की भरपाई लगभग कर चुके हैं। तीन दिन की छुट्टी के बाद मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांक बंपर बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 1,577.63 अंक चढ़कर 76,734.89 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 509.91 अंक मजबूत होकर 23,338.45 के स्तर पर पहुंच गया। इस तरह, दोनों सूचकांक 2 अप्रैल की अपनी क्लोजिंग के बाद एक बड़ी गिरावट से पार पाने में सफल रहे।

ईडी ने की रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में काराबारी और वायनाड से कांग्रेस प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। हालांकि, वाड्रा ने एजेंसी के समन राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान पहले भी ईडी के साथ घंटों बिताए हैं, हजारों पेज साझा किए हैं, लेकिन फिर भी एजेंसी उनके खिलाफ मामले उठा रही है। मैं न ही किसी दबाव में आने वाला हूं और न ही किसी से डरने वाला हूं। 56 साल के रॉबर्ट वाड्रा मध्य दिल्ली के सुजान सिंह पार्क स्थित अपने आवास से एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर स्थित ईडी मुख्यालय तक दो किलोमीटर पैदल गए। ईडी कार्यालय के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया, यह कुछ और नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिशोध है। जब भी मैं अल्पसंख्यकों के लिए बोलता हूं तो वे मुझे रोकने की कोशिश करते हैं, हमें कुचलने की कोशिश करते हैं। उन्होंने संसद में राहुल को भी रोकने की कोशिश की। यह एजेंसियों का दुरुपयोग है और यह राजनीतिक प्रतिशोध है। मैं पहले की तरह उनके साथ सहयोग करूंगा। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा को जमीन सौदा मामले में दूसरी बार तलब किया था।

'महागठबंधन की सरकार बनेगी बिहार में'

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेतातेजस्वी यादव ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव महागठबंधन मिलकर चुनाव लड़ेगी। जनता ने हमलोगों को अपना आशीष दे दिया है। तेजस्वी ने दावा किया कि इस बार एनडीए की सरकार नहीं बनने जा रही है। वहीं महागठबंधन में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा? इस सवाल पर तेजस्वी यादव ने कुछ नहीं कहा।

थोक महंगाई दर घटकर 2.05 प्रतिशत पर आई

नई दिल्ली। मार्च महीने में थोक मूल्य आधारित महंगाई दर घटकर 2.05 प्रतिशत रह गई। फरवरी में यह 2.38 प्रतिशत थी। मंगलवार को

यह चार महीने में सबसे कम

जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य पदार्थों की कीमतों में धीमी गति से वृद्धि के कारण भारत की थोक मुद्रास्फीति मार्च में चार महीने के निचले स्तर पर आ गई। हालांकि,

सालाना आधार पर थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है। मार्च 2024 में थोक महंगाई दर 0.26 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में कहा, मार्च 2025 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, खाद्य वस्तुओं, बिजली और कपड़ा विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

इस साल सामान्य से अधिक होगी बारिश

नई दिल्ली। मौसम विभाग का अनुमान है कि 2025 में भारत में सामान्य से अधिक मानसूनी बारिश हो सकती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मौसमी वर्षा के दीर्घावधि औसत के 105 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया

है। अधिकारियों ने मंगलवार को घोषणा की कि यह अनुमान 5 प्रतिशत के मॉडल त्रुटि मार्जिन के साथ है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल में आगे बढ़ना शुरू करता है और सितंबर के मध्य तक वापस चला जाता है। आईएमडी के अनुसार, इस वर्ष के पूर्वानुमान से पता चलता है कि देश के अधिकांश हिस्सों को अनुकूल वर्षा की स्थिति से लाभ होने की संभावना है, कुछ क्षेत्रों को छोड़कर। चार महीने के मानसून के मौसम के दौरान लद्दाख, पूर्वोत्तर और तमिलनाडु में सामान्य से कम बारिश होने की उम्मीद है। आईएमडी सामान्य वर्षा को 50 साल के औसत 87 सेमी (लगभग 35 इंच) के 96 प्रतिशत और 104 प्रतिशत के बीच परिभाषित करता है। इस सीमा से ऊपर की कोई भी मात्रा सामान्य से ऊपर मानी जाती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को कहा कि इस बार मानसून में भारत में सामान्य से अधिक बारिश होगी। आईएमडी ने मानसून के मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति बनने की संभावना को भी खारिज कर दिया। आईएमडी प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'भारत में चार महीने (जून से सितंबर) के मानसून के मौसम में सामान्य से अधिक बारिश होने की संभावना है और कुल वर्षा 87 सेंटीमीटर के दीर्घावधि औसत का 105 प्रतिशत रहने का अनुमान है।' उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मानसूनी बारिश से जुड़ी अल-नीनो स्थितियां इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है।

अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू

जम्मू। 38 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण सोमवार को पूरे देश में उत्साह के साथ शुरू हो गया है। जम्मू में स्थित पंजाब नेशनल बैंक की रिहाड़ी चुंगी शाखा समेत कई नामित बैंक शाखाओं में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। यह तीर्थ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। हर बार की तरह इस साल भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के भी व्यापक इंतेजाम किए गए हैं।

पूजा खेडकर की अग्रिम जमानत बढ़ी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी एवं गलत तरीके से ओबीसी और दिव्यांग श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ उठाने की आरोपी, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की पूर्व ट्रेनी अधिकारी पूजा खेडकर को गिरफ्तारी से दी गई सुरक्षा मंगलवार को 21 अप्रैल तक बढ़ा दी है। जस्टिस बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर के वकील की दलीलों पर गौर किया कि दिल्ली सरकार की प्रतिक्रिया पर उनका जवाब दाखिल कर दिया गया है, लेकिन यह रिकॉर्ड पर नहीं आया है।

तंगी से जूझ रहे कांबली की गावस्कर करेंगे मदद

मुंबई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर विनोद कांबली काफी अरसे से आर्थिक तंगी और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्हें दिसंबर 2024 में तबीयत खराब होने के कारण अस्तपाल में भर्ती होना पड़ा था। कांबली के मुश्किल वक्त में भारत के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने मदद का हाथ बढ़ाया है। गावस्कर के चैम्प्स फाउंडेशन से 53 वर्षीय कांबली को आर्थिक मदद मिलेगी।

समस्या : दुनिया के 100 प्रदूषित शहरों में से 74 भारत में

नई दिल्ली। हवा में मौजूद महीन कण और ट्रैफिक की आवाज दोनों मिलकर सेहत को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे ब्रेन स्ट्रोक का खतरा और बढ़ रहा है। स्वीडन के करोलिंस्का इंस्टीट्यूट के

वायु और ध्वनि प्रदूषण से स्ट्रोक का ज्यादा खतरा

एनवायर्नमेंटल मेडिसिन संस्थान का शोध जर्नल एनवायरनमेंट इंटरनेशनल में प्रकाशित हुआ है। वैज्ञानिकों ने यूरोपीय संघ और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशा-निर्देशों के आधार पर यह विश्लेषण किया है। इस रिसर्च में स्वीडन, डेनमार्क और फिनलैंड के करीब 1.37 लाख वयस्कों के डेटा को शामिल किया गया है। नतीजों से पता चला है कि प्रदूषण के महीन

कण पीएम 2.5 की मात्रा में प्रति घन मीटर 5 माइक्रोग्राम की बढ़त स्ट्रोक के खतरे को नौ फीसदी तक बढ़ा सकती है। इसी तरह, ट्रैफिक शोर में 11 डेसिबल की बढ़ोतरी से यह खतरा छह फीसदी तक बढ़ जाता है। जब दोनों कारक एक साथ मौजूद होते हैं तो खतरा और अधिक बढ़ जाता है। शांत इलाकों, जहां शोर 40 डेसिबल तक था, में भी पीएम 2.5 के बढ़ने से स्ट्रोक का खतरा छह फीसदी तक बढ़ा, जबकि अधिक शोर वाले क्षेत्रों (80 डेसिबल) में यह खतरा 11 फीसदी तक पहुंच गया।
शोध के निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए भी गंभीर चेतावनी हैं। भारत में वायु प्रदूषण और ट्रैफिक का शोर दोनों ही बड़ी समस्या हैं। दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में से 74 भारत में हैं। रिपोर्ट में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि बढ़ते प्रदूषण का असर सभी महानगरों पर पड़ रहा है। यहां तक कि कोलकाता, बंगलूरू और हैदराबाद जैसे शहर जहां भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियां कहीं ज्यादा अनुकूल हैं, ऐसे महानगरों में भी स्थिति चिंताजनक है।
जर्नल नेचर कम्युनिकेशन्स में प्रकाशित एक अन्य रिसर्च से पता चला है कि प्रदूषित हवा में थोड़े समय के लिए भी सांस लेने से हमारे सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है। इसकी वजह से भावनाओं को नियंत्रित करना मुश्किल हो सकता है।

भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए फिर खुला सऊदी हज पोर्टल

नई दिल्ली। सऊदी हज मंत्रालय ने मीना में वर्तमान में उपलब्धता के आधार पर 10 हजार तीर्थयात्रियों को शामिल करने के लिए संयुक्त हज

10 हजार लोगों को होगा फायदा

समूह ऑपरेटरों (सीएचजीओ) के लिए हज (नुसुक) पोर्टल को फिर से खोलने का फैसला किया है। ये जानकारी हज यात्रा को लेकर अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने मंगलवार को दी है। मंत्रालय की मानें तो सीएचजीओ को बिना समय गंवाए अपनी प्रक्रिया को पूरा करना होगा, जिसके निर्देश जारी हो चुके है। ये घटना ऐसे समय में हुई है जब हाल ही में टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में जानकारी आई थी।

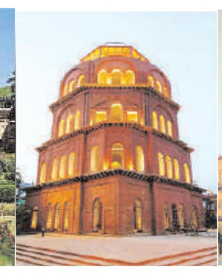
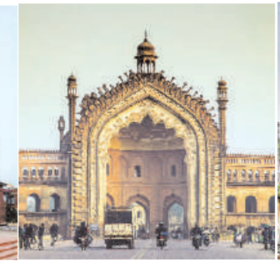

स्वतंत्र भारत
epaper : epaper.swatantrabharat.net web portal : epaper.swatantrabharat.net

संघर्ष कर रहे किसानों के हक में उठाई आवाज़

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सब्जी और फल व्यापार से गहराई से जुड़े राइन समाज ने अब किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का फैसला लिया है। ऑल इंडिया जमीअतुल राइन ने भारतीय किसान यूनियन (अवध राजू गुप्ता) से आधिकारिक रूप से जुड़कर न सिर्फ किसानों के संघर्ष को अपनाया, बल्कि फुटपाथों पर जीवन यापन कर रहे छोटे व्यापारियों की आवाज को भी नया आयाम दिया है। यह महत्वपूर्ण घोषणा लखनऊ स्थित गांधी भवन में एक विशाल जनसभा के दौरान हुई, जहां ऑल इंडिया जमीअतुल राईन के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद वसीम राईन के नेतृत्व में हजारों की संख्या में राईन समाज के पुरुष, महिलाएं, युवा, बुजुर्ग, सब्जी और फल विक्रेता बड़ी ऊर्जा के साथ उपस्थित हुए। वसीम राईन ने कहा, राईन समाज उत्तर प्रदेश में लाखों की तादाद में है और हमारा जीवन सब्जी और फल व्यापार से जुड़ा है। अब समय आ गया है कि हम एकजुट होकर अपने अधिकारों और सम्मानजनक जीवन के लिए संघर्ष करें। वसीम राइन ने सरकारों पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसान और छोटे व्यापारी दोनों को योजनाओं में केवल आंकड़ों तक सीमित कर दिया गया है। ÷हमारे समाज के लोग जो अपने सिर पर टोकरियां रखकर गलियों में सब्जी-फल बेचते हैं आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं।

आधा हुआ रालोद का सदस्यता शुल्क

सदस्यता से कहीं अधिक कुर्सी की चिंता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। दुनिया में हर चीज के दाम बढ़ रहे हैं। बीते तीन वर्षों में महंगाई के कारण खाने पीने के दामों में

छह माह यानी १५ अक्टूबर तक चलेगा

१५ नवम्बर तक पार्टी संगठन का चुनाव सम्पन्न होगा

लगभग दोगुना तक बृद्धि हो गयी है। लेकिन सत्तासीन भाजपा की सहयोगी राष्ट्रीय लोकदल में तीन साल बाद हो रही सदस्यता शुल्क को आधा कर दिया गया। इस मुख्य कारण सदस्यता को सस्ती कर पार्टी में अधिक से अधिक लोगों को जोड़ना।

अंबेडकर जयंती के पर्व पर रालोद ने अपना सदस्यता अभियान आरंभ कर दिया। यह अभियान छह माह यानी 15 अक्टूबर तक चलेगा। इस अभियान को सघन सदस्यता अभियान का नाम दिया गया है। इसके उपरांत 15 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक पार्टी संगठन का चुनाव सम्पन्न होगा। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर जिला एवं मंडल स्तर तक पदाधिकारी नियुक्त किये जायेंगे। इस बार पार्टी केहर नेता को कम से कम बीस सदस्य बनाने का टारगेट दिया गया है। इसके बाद ही उसे संगठन में कोई पद दिया जायेगा। खास बात यह है कि इस बार सदस्यता शुल्क को आधा यानी 20 से दस रुपए कर दिया गया है।

जबक इससे पूर्व 2022 में चले सदस्यता अभियान में पार्टी का मेंबर बनने के लिए शुल्क बीस रूपए रखी गयी थी। साथ ही 2013 से 2017 तक हुए सदस्यता अभियान में यह शुल्क दस रुपए ही थी। इससे पहले यह शुल्क पांच और उससे पूर्व दो रुपए थी। इस बार सदस्यता अभियान को लेकर नेताओं का लक्ष्य तो तय किया गया है लेकिन यूपी में कितने सदस्य बनाये जायेंगे इसका टारगेट नहीं तय किया गया है। सदस्यता अभियान के बाद पार्टी की नयी टीम गठित की जायेगी जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष से लेकर निचले स्तर तक का निर्वाचन होगा। इसके लिए जोड़ तोड़ भी आरंभ हो गया है। क्योंकि नयी टीम में 40 प्रतिशत तक नये नेताओं को जगह मिलना तय माना जा रहा है। इस बाबत रालोद के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व विधायक शिवकरन सिंह ने बताया कि इस बार नय टीम के गठन के लिए यशबीर सिंह को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। साथ ही पार्टी के साथ काफी संख्या में नेता पहले से ही जुड़े है इसलिए इस बार शुल्क को कम किया गया है। उन्होंने बताया कि रिकत चल रहे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के पद पर भी इस बार निर्वाचन होने की उम्मीद है। नयी टीम में सभी जाति धर्म वर्गों को उनकी आबादी अनुरूप भागीदारी दी जायेगी। यह नयी टीम 2028 तक के लिए सक्रिय रहेगी इसी टीम के सहारे आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रदेश के हर क्षेत्र में चुनाव मैदान में उतरेगी। रालोद की भागीदारी आज लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा एवं विधान परिषद में होने के साथ की पार्टी नेता केन्द्र एवं राज्य सरकार में मंत्री भी है, जो रिकार्ड है।

सामूहिक विवाह का आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। वैश्य समाज सेवा उत्तर प्रदेश एवं हिंदू महिला सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में शिमला पैलेस में सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया। जिसमें तीन जोड़ो ने एक दूसरे को अपना जीवनसाथी मानकर सात फेरे लिये। यह आयोजन वैश्य समाज सेवा के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र गुप्ता शिमला परिवार तथा हिंदू महिला सेवा समिति की अध्यक्ष आयुषी गुप्ता के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। वरिष्ठ समाजसेवी राजेश गुप्ता के साथ ही व्यापारी नेता व अखिल भारतीय उद्योग मंडल के अध्यक्ष संदीप बंसल व आदर्श व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय गुप्ता व अजय त्रिपाठी मुन्ना वर-वधू को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित रहें। जोड़े को दैनिक उपयोग हेतु सभी वस्तुएं भेंट स्वरूप दी गई। संचालन मंत्री रीतानाथ एवं उपाध्यक्ष निर्मला मिश्रा वंदना त्रिपाठी, उपाध्यक्ष शालिनी त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष पुष्पा गुप्ता, अशोक गुप्ता सरिता गुप्ता सहित कई लोग शामिल रहे।

विश्व कला दिवस पर कार्यक्रम

स्वतंत्र भारत लखनऊ। राजधानी स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के ललित कला एवं प्रदर्शन कला संकाय द्वारा लियोनार्डो द विंची के जन्म दिवस और विश्व कला दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के तहत कला वीथिका में विद्यार्थियों की कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसका उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की सराहना की और उनकी प्रतिभा को सराहा। कुलपति ने भविष्य में एक बड़े कला मेले के आयोजन का सुझाव देते हुए कहा कि इसमें अन्य विश्वविद्यालयों को भी आमंत्रित किया जाए और श्रेष्ठ कृतियों को पुरस्कृत किया जाए, जिससे कला के प्रति विद्यार्थियों का उत्साह और गहराई से विकसित हो सके।कार्यक्रम के दौरान प्रख्यात कला इतिहासकार एवं समीक्षक जॉनी एम.एल ने भारतीय कला इतिहास पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने आधुनिक समकालीन कला की बदलती प्रवृत्तियों और उनके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों पर गहन चर्चा की, जो विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक रही। कार्यक्रम के समापन पर संकाय के अधिष्ठाता प्रो. पी. राजीवनयन ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को कला और कला इतिहास के प्रति अधिक गंभीर और जागरूक रहने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रो. वी. के. सिंह, प्रो. अवनीश चंद्र मिश्र, प्रो. सी. के. दीक्षित, कुलसचिव रोहित सिंह, विभागीय शिक्षक डॉ. अवधेश प्रसाद मिश्र, डॉ. सुनीता शर्मा सहित कई अन्य शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सांसद खेल महाकुंभ-2025 का शुभारंभ 19 से

स्वतंत्र भारत लखनऊ। राजधानी में सांसद खेल महाकुंभ-2025 को सफ्लतापूर्वक आयोजित कराने के लिए मंगलवार को विकास भवन सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि सांसद खेल महाकुंभ-2025 का आयोजन केंद्रीय रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह की प्रेरणा से किया जा रहा है। इसका आयोजन 19 अप्रैल से 22 अप्रैल तक केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होगा। उद्घाटन समारोह 19 अप्रैल की सुबह 9:30 बजे प्रस्तावित है। खेल महाकुंभ में कुल 8 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, ताईक्वांडो, बास्केटबॉल, हॉकी और बॉक्सिंग शामिल हैं। प्रतियोगिताएं जूनियर और सीनियर वर्ग के पुरुष एवं महिला खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग आयोजित की जाएंगी। जूनियर वर्ग में नगर निगम क्षेत्र के कक्षा 9 से 12 तक

केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजन की तैयारियां पूरी

के छात्र-छात्राएं और सीनियर वर्ग में कक्षा 12 से उच्च कक्षाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर सकेंगे। दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए भी विशेष प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। जनपद स्तरीय प्रतियोगिता से पूर्व 12 और 13 अप्रैल को जोन स्तर की प्रतियोगिताएं कराई गई, जिसमें नगर निगम क्षेत्र को 8 जोनों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक जोन के विजेता खिलाड़ी जनपदीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस स्तर पर लगभग 2400 खिलाड़ियों की भागीदारी होगी। उद्घाटन समारोह में जोन स्तर के विजेता खिलाड़ियों द्वारा मार्च पास्ट आयोजित किया जाएगा। पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मलखंब, कलारीपयट्टू और योग का विशेष प्रदर्शन भी होगा। विभिन्न विद्यालयों और संस्थानों से करीब 20 हजार छात्र-छात्राएं इस आयोजन में भाग लेंगे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में दर्शकों की सुविधा के लिए विशेष तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। गर्मी को ध्यान में रखते हुए दर्शक दीर्घा में टेंट, पेयजल, ओआरएस और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। बैठक में जनप्रतिनिधियों ने सुझाव दिया कि खेल महाकुंभ का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर पर किया जाए। बैठक में विधायकगण मुकेश शर्मा, पवन सिंह चौहान, राम चंद्र प्रधान, ओ.पी. श्रीवास्तव, जयदेवी, अमरेश कुमार, रक्षा मंत्री के प्रतिनिधि दिवाकर त्रिपाठी, सांसद संजय सेठ के प्रतिनिधि अनुप पांडेय, विधायक सरोजनीनगर के प्रतिनिधि अखिलेश सिंह, जिलाधिकारी लखनऊ विशाख जी, मुख्य विकास अधिकारी अजय जैन सहित कई अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कई नेताओं ने थामा कांग्रेस का हाथ

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय पर मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं कांग्रेस जॉइनिंग इंचार्ज नितिन शर्मा के समक्ष कानपुर से सर्वेश जायसवाल, नवीन चतुर्वेदी, शैलेन्द्र शुक्ला, आदित्य मेहरोत्रा, आयुष सचान, लारेब हसन रिजवी, मानस शिरोमणि, आदर्श दुबे, सौरभ रावत, आयुष दुबे, नील रतन, आशुतोष त्रिपाठी सहित कई नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर अजय राय ने सभी सदस्यों के गले में कांग्रेस तिरंगा पट्टिका पहनाकर एवं सदस्यता कार्ड देकर उन्हें सदस्यता ग्रहण कराई ।

खबर एक नज़र

तीन दिवसीय संगीत महोत्सव का उद्घाटन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, स्टेशन रोड कैम्पस द्वारा तीन दिवसीय संगीत महोत्सव 'सी.एम.एस. गॉट टैलेन्ट' का भव्य उद्घाटन कानपुर रोड ऑडिटोरियम में हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि एवं यश भारती अवार्ड से सम्मानित अनुपमा राग ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में अनुपमा राग ने कहा कि गीत-संगीत समाज में एकता व शान्ति का संदेश प्रवाहित करने का बड़ा ही सशक्त माध्यम है। संगीत विशेषज्ञ एलेन मसीह, शिवम मिश्रा एवं आर.जे. प्रतीक ने उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम टास आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। प्रदेश के 13 जनपदों में अगले महीने में फाइलेरिया का संचरण जानने के लिए ट्रांसमिशन असेस्मेंट सर्वे (टास) होगा । इसी को लेकर जनपद के होटल में स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान और संस्था सी-कैंप के सहयोग से प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ ।प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक, संचारी रोग डॉ. मधु गैरोला ने कहा कि सरकार ने साल 2027 फाइलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा है । इसको लेकर हम सभी को एकजुट होकर प्रयास करना है जिससे कि तयशुदा समय पर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके । अपर निदेशक मलेरिया, डॉ. ए.के. चौधरी ने कहा कि टॉस गतिविधि से फाइलेरिया रोग का संचरण देखा जाता है । प्रदेश के 13 जनपदों में पहली बार टास होगा । इनमें प्री टास हो चुका है । पहली बार टास में जांच देश में बनी एंटीजन किट क्यू-फैट (फाइलेरिया एंटीजन टेस्ट) किट से की जाएगी। इसमें गेट्स फाउंडेशन सहयोग कर रहा है । छह सदस्यीय टीमें टास में काम करेंगीं । एक टीम में तीन स्वास्थ्य कार्यकर्ता, दो शिक्षक और एक चिकित्सा अधिकारी होंगे। प्रतिभागी के तौर पर 13 जनपदों के जिला मलेरिया अधिकारी, सहायक मलेरिया अधिकारी, लैब टेक्नीशियन, सहयोगी संस्था विश्व स्वास्थ्य संगठन, प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल (पीसीआई),पाथ,ग्लोबल हेल्थ स्ट्रेटजीस (जी एच एस),सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च(सीफॉर), और सी-कैंप के प्रतिनिधि मौजूद रहे ।

सड़क सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। नागरिकों में सुरक्षा पहले की सोच को बढ़ावा देने के लिए एसबीआई लाइफ ने लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर 1090 चौराहे पर हेलमेट इंस्टॉलेशन लगाया। उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के मुताबिक, 2024 में राज्य में 46,000 से ज्यादा सड़क हादसे हुए जिनमें 24,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। इनमें लखनऊ में ही 576 मौतें हुईं। इन चिंताजनक आंकड़ों को देखते हुए एसबीआई लाइफ ने सभी प्रमुख ट्रैफिक चौराहों पर हेलमेट भी बांटे। इन हेलमेटों को दोपहिया वाहन चलाने वालों और पीछे बैठने वालों दोनों को दिया गया। एमडी और सीईओ अमित झींगरन, लखनऊ पुलिस के डीसीपी क्राइम और डीसीपी महिला सुरक्षा कमलेश दीक्षित, डीसीपी ट्रैफिक प्रबल प्रताप सिंह, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह आईएएस, और एसबीआई लाइफ के चीफ ऑफ ब्रांड, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन और सीएसआर रवींद्र शर्मा शामिल रहे।

नौनिहालों के लिए बालवाटिका अभियान आज से

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार 16 अप्रैल से 'बालवाटिका अभियान' की शुरुआत करने जा रही है। यह अभियान 29 अप्रैल तक चलेगा और इसका उद्देश्य प्रदेश के को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों को बालवाटिका के रूप में विकसित कर पूर्व प्राथमिक शिक्षा को सशक्त बनाना है। यह अभियान न केवल बच्चों की शिक्षा की नींव को मजबूत करेगा, बल्कि समुदाय को भी सक्रिय रूप से जोड़ेगा। सरकार ने पूर्व प्राथमिक शिक्षा के लिए को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों को बालवाटिका कक्षा घोषित किया है। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा योजनाबद्ध तरीके से 3 से 6 वर्ष के बच्चों को निरंतर संसाधन विकास किया जा रहा है। इस नवाचार से 3-6 वर्ष के बच्चों को बालवाटिका भेजने के लिए माता-पिता और समुदाय को प्रेरित किया जायेगा। 5-6 वर्ष के बच्चों को स्कूल की कक्षा एक के लिए तैयार किया जायेगा। क्षेत्र के सभी 3 से 6 आयु वर्ग के बच्चों को बालवाटिका से जोड़ा जायेगा। 16-17 अप्रैल को जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में बच्चों के समर्थन से एक प्रभात फेरी का भी आयोजन किया जायेगा। 18 से 21 अप्रैल को अभियान में एक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जायेगा। इसी तरह 22, 23 अप्रैल को मध्य रोल प्ले एवं नाटक का आयोजन, जिसमें बच्चों के लिए रोचक कहानियों को सुनाया जायेगा। 24 व 25 अप्रैल को 3-6 वर्ष के बच्चों की उपस्थिति में अभिभावकों के साथ रंगोली, नृत्य, संगीत, गीत, कविताएं, एवं क्ले या मिट्टी से कुछ बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

लोक कलाओं के लिए 'सृजन' कार्यशाला शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान द्वारा ग्रीष्मकालीन 'सृजन' कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यशालाओं का उद्देश्य विलुप्तप्राय और लोक संस्कृति से जुड़ी कलाओं को पुनर्जीवित करना तथा युवाओं में रचनात्मकता, सांस्कृतिक चेतना को प्रोत्साहित करना है। बुंदेली चितेरी लोककला, देढिया नृत्य, मूंज गेंहू की डंठल से बनी चित्रकारी जैसी विधाओं की कार्यशालाएं प्रदेश में 15 से 25 अप्रैल तक होंगी। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि प्रथम चरण की शुरुआत 'बिजनौर, बाराबंकी' और 'संतकबीरनगर' से की गई है। बिजनौर में वर्धमान कॉलेज परिसर में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला में छात्र-छात्राओं, नवोदित चित्रकारों एवं कला में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को पारंपरिक एवं आधुनिक चित्रकला की विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। बाराबंकी में पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के सहयोग से 15 से 25 अप्रैल तक अवधी लोकगीतों पर आधारित कार्यशाला आयोजित हो रही है। इसी तरह संतकबीरनगर में दस दिवसीय लोक गायन कार्यशाला का शुभारंभ आज से हो गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के किसी भी विद्यालय या महाविद्यालय द्वारा कार्यशाला आयोजित कराने के लिए उत्तर प्रदेश लोक कला एवं जनजाति संस्कृति संस्थान से संपर्क किया जा सकता है।

स्कूल चलो अभियान को गति देने के उद्देश्य से शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य निर्धारित

स्वतंत्र भारत लखनऊ। सरोजनीनगर क्षेत्र अंतर्गत बंथरा स्थित बीआरसी परिसर में खंड शिक्षा अधिकारी आर.पी. यादव की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का उद्देश्य शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए कार्य योजनाओं को अंतिम रूप देना और विभागीय कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से लागू करना रहा। बैठक में निर्णय लिया गया कि न्याय पंचायत स्तर पर विभागीय सूचनाओं के समुचित आदान-प्रदान के लिए प्रत्येक पंचायत को एक टीवी आवंटित किया जाएगा, जिससे शिक्षक व शिक्षण संस्थानों तक शासन की सूचनाएं समयबद्ध रूप से पहुंच सकें। इसके अतिरिक्त यूनिक सपोर्ट सुपरविजन के तहत पंचायतों का आवंटन इस प्रकार किया जाएगा, जिससे हर दो माह में समस्त विद्यालयों का पर्यवेक्षण सुनिश्चित किया जा सके। खंड शिक्षा अधिकारी ने एआरपी को निर्देशित किया कि वे अपनी आवंटित न्याय पंचायतों के शिक्षक संकुलों से नियमित संवाद बनाकर शिक्षण-प्रशिक्षण से जुड़े मसलों का समाधान सुनिश्चित करें। स्कूल चलो अभियान को गति देने के उद्देश्य से शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके लिए ब्लॉक स्तर से उपलब्ध कराई गई गूगल शीट को प्रतिदिन अपडेट करना अनिवार्य होगा। कक्षा 8 से 9 में विद्यार्थियों के ट्रांजिशन को ट्रैक करने हेतु सभी पूर्व माध्यमिक व कंपोजिट विद्यालयों में ट्रांजिट रजिस्टर बनाए जाएंगे। साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर विकासखंड स्तर पर स्कूल चलो अभियान की संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। विकासखंड स्तर से तैयार कार्य योजना के आधार पर सपोर्टिव सुपरविजन प्रारंभ किया जाएगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और सतत निगरानी संभव हो सकेगी। बैठक में नव नियुक्त एआरपी ज्ञान प्रताप सिंह, भूपेश ओझा, सर्वेश गौतम, प्रतिमा मिश्रा और शन्नो राय ने प्रतिभाग किया।

जलाशयों के आवंटन 30 जून तक करा लें : संजय

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मत्स्य विकास मंत्री डा0 संजय कुमार निषाद ने मंगलवार को समीक्षा बैठक में कहा कि मछुआ समुदाय, मत्स्य पालन एवं मत्स्य व्यवसाय से जुड़ी योजनओं का प्रचार-प्रसार किया जाये । लाभार्थी चयन की प्रक्रिया एवं भुगतान के संबंध में शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाए। उन्होंने विभागीय जलाशयों के आवंटन को 30 जून तक पूरा कराने के भी निर्देश दिये। मत्स्य विकास मंत्री ने कहा कि कार्य के प्रति अधिकारियों और कर्मचारियों की जबाबदेही तय की जाये और अपनी जिम्मेदारियों और लक्ष्यों को समय पर पूरा न करने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट योजना, मत्स्य पालक कल्याण कोष एवं अन्य सभी योजनाओं का लाभ निष्पक्षता से पात्र लोगों को मिलता रहे। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग में संसाधनों को बढ़ाते हुए तकनीकि और आधुनिकता का समावेश किया जाये ताकि मत्स्य भी प्रथम स्थान पर आ सके। उन्होंने सहकारी समितियो के गठन, पट्टे प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मछुआ किसान क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना,निषाद राज बोट योजना, सघन मत्स्य पालन हेतु एरेशन सिस्टम की स्थापना के दिशा-निर्देश दिये। मत्स्य विभाग के प्रमुख सचिव के रविंद्र नायक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लोगों को योजनाओं का पूरा लाभ दिया जाए। ऐसा न करने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में महानिदेशक, मत्स्य, राजेश प्रकाश, निदेशक एम0एस0 रहमानी, मुख्य महाप्रबंधक मत्स्य विकास निगम सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे।

92.46 करोड़ से और चमकेगी अयोध्या

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पर्यटन विभाग ने अयोध्या में पर्यटन विकास एवं अवस्थापना सुविधाओं के उच्चीकरण के लिए 92.46 करोड़ रूपये की 16 परियोजनायें स्वीकृत की है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि तीर्थ विकास परिषद अयोध्या विकासखंड तारून में स्थित कम्हरिया बाबा मंदिर का पर्यटन विकास, अयोध्या में राम की पैढ़ी पर दर्शक दीर्घा एवं पर्यटन सुविधाओं का कार्य, अयोध्या में पावन नगरी से जुड़े मखोड़ा , भरतकुण्ड, श्रावण क्षेत्र, श्रृंगी ऋषि का आश्रम और दशरथ समाधि स्थल का सौन्दर्यीकरण कार्य तथा ठाकुर राम जानकी नई पंचायती मंदिर का सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा। विधानसभा मिल्कीपुर स्थित विकासखण्ड अमानीगंज के रामपट्टी में स्थित गहनाग बाबा धाम का पर्यटन विकास, सुच्चितागंज सोहावल का पर्यटन विकास, तुलसीदास का छावनी मंदिर का पर्यटन विकास, सरयू नदी के राजघाट के निकट एम्फीथिएटर एवं फूड कोर्ट का निर्माण, अयोध्या के साकेत सदन में पंचकोसी, चौदहकोसी एवं चौरासी कोसी परिक्रमा संग्रहालय एवं इण्टरप्रिटेशन सेंटर का निर्माण कराया जायेगा। साथ ही मसौदा के ग्राम अबानपुर सरोहा में ग्रामीण पर्यटन के अंतर्गत पर्यटन सुविधा केन्द्र का निर्माण किया जायेगा।

रोजगार मेले का आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। मुख्यमंत्री मिशन रोजगार योजना के तहत मंगलवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज में रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की पांच प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें कॉन्टिनेंटल ऑटोमोटिव कंपोनेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, मानेसर ड्ड(गुरुग्राम, हरियाणा), एग्लो इंडिया प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड, बवल (रेवाड़ी, हरियाणा), अडानी विंड, मुंद्रा (कच्छ, गुजरात), पेटीएम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और एजस फेडरल लाइफइंश्योरेंस, लखनऊ शामिल रहीं। रोजगार मेले में विभिन्न ट्रेड्स के प्रशिक्षित अभ्यर्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। सभी कंपनियों द्वारा ऑनस्पॉट साक्षात्कार की प्रक्रिया अपनाई गई। ट्रेनिंग, काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट ऑफ्सिर एम. ए. खाँ ने जानकारी दी कि चयन प्रक्रिया के उपरांत कुल 22 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को संबंधित कंपनियों द्वारा 13,000 रूपए से 21,000 रूपए प्रतिमाह सीटीसी वेतन के साथ अन्य लाभ भी दिए जाएंगे।

यह रोजगार मेला संस्थान में प्रशिक्षित युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार दिलाने की दिशा में एक प्रभावी कदम रहा, जिससे अभ्यर्थियों को न केवल नौकरी का अवसर मिला, बल्कि उन्हें कंपनियों के कामकाज और भविष्य की संभावनाओं से भी अवगत होने का अवसर प्राप्त हुआ।

डेढ़ करोड़ की सरकारी भूमि कब्जा मुक्त

स्वतंत्र भारत लखनऊ। मंगलवार को उपजिलाधिकारी सरोजनीनगर के आदेश पर ग्राम नटकुर में स्थित कुल 15 गाटों से अवैध अतिक्रमण हटाया गया। राजस्व विभाग और नगर निगम की संयुक्त टीम की उपस्थिति में यह कार्यवाही की गई, जिसमें गाटा संख्या 811 मि0 (क्षेत्रफ्ल बंजर), गाटा संख्या 814 (0.021 हेक्टेयर तालाब), गाटा संख्या 815 (0.418 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 816 (0.013 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 817 (0.164 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 818 (0.076 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 822 (0.051 हेक्टेयर ऊसर), गाटा संख्या 823 (0.051 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 1013 (0.076 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 1014 (0.006 हेक्टेयर नवीन परती), गाटा संख्या 1015 (0.11 हेक्टेयर ऊसर), गाटा संख्या 1024 (0.013 हेक्टेयर ऊसर), गाटा संख्या 1027 (0.228 हेक्टेयर) एवं गाटा संख्या 1028 (0.019 हेक्टेयर ऊसर) को अतिक्रमणमुक्त कराकर मौके पर नगर निगम का बोर्ड लगवाया गया। कुल मिलाकर 1.56 हेक्टेयर भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। यह भूमि राजस्व अभिलेखों में नगर निगम की दर्ज है, जिस पर अवैध कब्जा कर लिया गया था। उपजिलाधिकारी के आदेश के क्रम में की गई इस कार्रवाई के दौरान नायब तहसीलदार सरोजनीनगर विवेक सिंह, क्षेत्रीय लेखपाल विजय प्रताप बहादुर सिंह, नगर निगम के लेखपाल संदीप कुमार यादव एवं अनुपम मिश्रा की उपस्थिति रही। जिलाधिकारी के अनुसार अतिक्रमणमुक्त कराई गई भूमि का सरकारी मूल्यांकन 1 करोड़ 56 लाख रुपये आंका गया है, जबकि इसका बाजार मूल्य लगभग 6 करोड़ रुपये है।

स्वतंत्र भारत

निजी गार्डों के पहरे में लोकबंधु अस्पताल, भर्ती बंद

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। लोकबंधु अस्पताल को मंगलवार को निजी सुरक्षा गार्डों के हवाले कर दिया गया। सुरक्षा के तगड़े इंतजाम और नुकसान के आंकलन में अधिकारी जुटे रहे। इमरजेंसी में मरीजों का आना लगा रहा मगर किसी मरीज को भर्ती नहीं किया गया। मरीजों को दूसरे अस्पतालों का रास्ता बताया गया। ग्राउंड फ्लोर की ओपीडी ही चली। पहली मंजिल की ओपीडी बंद रही। करीब 1131 मरीज देखे गए। डॉक्टर और अन्य स्टॉफ मरीजों को दिक्कतें बता कर पल्ला झाड़ता रहा। अधिकारियों के मुताबिक स्थिति सामान्य होने में एक सप्ताह का समय लग सकता है।

सोमवार को देर रात अस्पताल में आग लगने के बाद ज्यादातर मरीजों को डिस्चार्ज कर दिया गया है। काफी संख्या में मरीजों ने स्वयं छुट्टी ले ली है। 300 बेड के अस्पताल में मंगलवार को गिनी चुनी ओपीडी का ही संचालन हो पाया। करीब 1131 मरीज देखे गए। औसतन रोज 2500 से अधिक मरीज देखे जाते हैं। पहली मंजिल और दूसरी मंजिल पूरी तरह बंद रहा। निजी सुरक्षा गार्डों का सख्त पहरा था। जले हुए हिस्से में किसी के जाने की इजाजत नहीं थी। सिर्फ इमरजेंसी में प्राथमिक इलाज देकर मरीजों को दूसरे अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल प्रशासन का दावा है कि इमरजेंसी के मरीजों के लिए 35 बेड आरक्षित हैं, लेकिन एक भी मरीज भर्ती नहीं किया गया। मरीजों को तीन दिन की ही दवा देने के निर्देश दिए गए हैं। ओपीडी में आने वाले मरीजों के खून के नमूने भूतल पर लिए गए। एक्सरे, अल्ट्रासाउंड समेत रेडियोलॉजी की अन्य जांचें नहीं हो सकीं। कई मरीज लौट गए तो कुछ निजी सेंटर चले गए। मरीजों को तीन ही दिन की दवा मिली।

बता दें कि सोमवार रात लोकबंधु अस्पताल में भीषण आग लग गई थी। छितवापुर के मरीज रामकुमार प्रजापति (61) की मौत हो थी। साथ ही अस्पताल में भर्ती सभी 225 मरीजों को बलरामपुर, सिविल, डफरिन, लोहिया व केजीएमयू में भर्ती कराया गया। बहुत से मरीजों को घर जाने की सलाह दी गई थी। आग की वजह से अस्पताल में काफी सामान जल गया।

बेड से लेकर दवाओं तक की किल्लत

अस्पताल में तमाम अव्यवस्थाएं फैल गई हैं। संसाधनों का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। बेड से लेकर दवाओं तक की किल्लत हो गई है। इरमजेसी में मरीजों को प्राथमिक इलाज उपलब्ध कराकर दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इलाज की स्थिति सामान्य होने में कम से कम एक सप्ताह का समय लग सकता है।

क्या है जरूरी अग्निशमन इंतजाम

कुछ सरकारी अस्पतालों में फायर एस्टिंग्यूशर लगे हैं। चिकित्सा विभाग के अफसर फायर एस्टिंग्यूशर को ही आग से बचाव के लिए पर्याप्त मान रहे हैं। जबकि दो तल वाले अस्पताल भवनों में छह सुरक्षा इंतजाम का मानक है। जिसमें ओवरहैड टैंक के साथ ही अन्य जरूरी उपकरणों का होना जरूरी है। 15 मीटर ऊंचाई वाले अस्पताल भवनों में अग्निशमन सुरक्षा के लिए बीस इंतजामों का मानक तय है। दो तल वाले अस्पताल भवन में छत पर दस हजार लीटर क्षमता की पानी टैंक होना चाहिए। सौ वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र में छह किग्रा का अग्निशमन यंत्र लगा हो और साढ़े चार सौ एलपीएम का टैरेस पंप की व्यवस्था होना जरूरी है। वहीं फायर अलार्म सिस्टम भी होना आवश्यक है।

अस्पताल में इन सुविधाओं का होना जरूरी

किसी भी अस्पताल में आग से निपटने के लिए जरूरी है कि वहां अग्नि कम्पार्टमेंटेशन, प्रर्याप्त अग्निशामक यंत्र, निकास मार्ग, निकासी योजना, अलार्म सिस्टम, पानी के फव्वारे, टैंक, स्मोक डिटेक्टर, फायर हाइड्रेंट, बेसमेंट में स्मोक आउटलेट और एग्ज इनलेट की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा बहुमंजिला इमारतों में वेंटिलेशन डक्ट होने चाहिए। समय-समय पर मॉक ड्रिल भी जरूरी है। जिससे कर्मचारी हमेशा जागरुक रहें। अस्पताल में आने वाले मरीजों के परिजनों को भी इसकी जानकारी देनी चाहिए। अस्पताल में रसोई घर है तो वहां प्रशिक्षित कर्मचारी जरूरी है। समय-समय पर यहां जांच भी होनी चाहिए।

वार्डों में बिखरा पड़ा मलबा, बेड, फर्नीचर व उपकरण खाक

आपरेशन टले, स्वास्थ्य महानिदेशक ने किया दौरा

आग के कारण मंगलवार को प्रस्तावित करीब 25 ऑपरेशन टल गए हैं। इनमें सुबह मोतियाबिंद, पैर-हाथ की छोटी गांठ, हॉर्निया, हाइड्रोसील समेत कई छोटे और गर्भवती की डिलीवरी के लिए ऑपरेशन किए जाने थे। घटना के बाद ओटी में ताला लगा रहा। माना जा रहा है कि अभी दो-तीन दिन और ऑपरेशन नहीं हो सकेंगे। स्वास्थ्य महानिदेशक ने किया दौरा स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. आरपीएस सुमन ने लोकबंधु पहुंचकर घटना स्थल का मुआयना किया। जले हुए वार्ड, आईसीयू आदि देखा। साथ ही ओपीडी, इमरजेंसी समेत मरीजों को मिल रही अन्य सुविधाओं को भी देखा। डॉ. सुमन के मुताबिक ओपीडी में 1400 मरीज देखे गए। सभी को इलाज देकर दवा दी गई। इमरजेंसी में 70 मरीज आए, जिनमें से तीन को उल्टी, दस्त और बुखार होने पर भर्ती किया गया, जबकि गंभीर मरीजों को दूसरे अस्पताल रेफर किया जा रहा है। बलरामपुर में मंगलवार को 15 मरीज भर्ती किये गये थे। इनमें दो मरीजों को केजीएमयू रेफर किया गया। सिविल अस्तपताल में 24 मरीज भर्ती किये गये थे। केजीएमयू में वर्तमान में 8 मरीज भर्ती हैं। सबका उपचार चल रहा है।

आईसीयू, स्त्री व बाल रोग में एंट्री बंद

फीमेल, आईसीयू, बाल रोग, गाइनी ओटी और वार्ड, हड्डी रोग, ईएनटी, दंत रोग समेत अन्य वार्ड पूरी तरह से बंद कर दिये गये हैं। मंगलवार को ओपीडी और इमरजेंसी में आने वाले बाल रोग, आईसीयू, महिला वार्ड के मरीज आने पर उन्हें शुरुआती इलाज दिया गया। मरीजों के इलाज संबंधी दस्तावेज, दवाएं, पैथोलॉजी जांच में इस्तेमाल होने वाले रसायन, किट व उपकरण आदि फुंक गए हैं। महिला एवं प्रसूति विभाग (फीमेल वार्ड) और आईसीयू में भारी नुकसान हुआ है। चारों तरफ आग से नुकसान का आंकलन किया जा रहा है। सेना के रिटायर जवानों ने पूरे तल पर पहरा लगा दिया है। किसी को जाने की परमीशन नहीं है। वार्ड की फॉल्स सीलिंग, बिजली के तार, फर्नीचर सब जल का राख हो गया है। इसके अलावा गाइनी ओटी, बाल रोग व दूसरे विभाग के शीशे, खिड़की, दरवाजे सब ध्वस्त हैं। वार्डों में जला हुआ मलबा और सामान बिखरा है।

धुआं निकलने का रास्ता तक नहीं, फायर एनओसी भी डेड

लोकबंधु अस्पताल प्रशासन ने मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। आग लगने के बाद जब फायर ब्रिगेड टीम पहुंची तो उसे धुएं से परेशानी का सामना करना पड़ा। धुआं निकलने का रास्ता तक नहीं था, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया। फायर एनओसी भी खत्म हो चुकी थी। 25 जनवरी को ही अस्पताल की फायर एनओसी समाप्त हो गई थी। ऐसे में करीब तीन महीने से बिना एनओसी अस्पताल में मरीजों का इलाज जारी था। मानकों के हिसाब से अस्पताल में आग से बचाव के संसाधन भी नहीं थे। यही वजह है कि आग लगते ही कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। आग पर समय रहते काबू नहीं पाया गया, जिससे पूरा अस्पताल उसकी चपेट में आ गया और मरीजों की जान पर बन आई। अस्पताल के मुख्य प्रवेश गेट के पास लोहे का बड़ा बैरियर लगाया गया है। गेट के बगल में पार्किंग है। बैरियर लगाने का मकसद वाहनों को भीतर जाने से रोकना है। हालांकि, बैरियर लगाते समय यह नहीं सोचा गया कि अगर अस्पताल में आग लगती है तो फायर ब्रिगेड के वाहन वहां से कैसे प्रवेश करेंगे। बैरियर की वजह से ही फायर ब्रिगेड के वाहन मुख्य गेट से प्रवेश नहीं कर पाए। एक वाहन तो काफी देर तक फंसा रहा। प्रशासन ने अस्पताल प्रबंधन से बैरियर लगाने को लेकर सवाल किए हैं।

जिला प्रशासन भी करेगा मामले की जांच

लोकबंधु अस्पताल में सोमवार देर रात लगी भीषण आग के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी विशाख जी. ने मंगलवार को घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय विशेष टीम गठित कर दी है। यह टीम घटना के कारणों और जिम्मेदारियों की गहराई से जांच करेगी। जांच टीम की अगुवाई अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) राकेश सिंह करेंगे। इसमें पुलिस विभाग से एडीसीपी साउथ, अग्निशमन विभाग से मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ), विद्युत सुरक्षा निदेशालय से एक वरिष्ठ अभियंता तथा स्वास्थ्य विभाग से अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एडिशनल सीएमओ) को शामिल किया गया है। टीम को जल्द से जल्द जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी विशाख जी. स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी की। उनके साथ मंडलायुक्त रोशन जैकब भी मौके पर मौजूद रहीं। दोनों अधिकारियों ने रात में ही स्थिति का जायजा लिया और तत्काल प्रभाव से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करने के निर्देश दिए।

पांच सदस्यीय कमेटी गठित, दो हफ्ते में आयेगी रिपोर्ट

लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय में आग लगने की घटना की जांच के निर्देश जारी हुए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर प्रमुख सचिव की ओर से जांच के लिए पत्र जारी किया गया है। डिप्टी सीएम का कहना है कि इस प्रकरण में यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसे लेकर भी जांच कमेटी अपने सुझाव प्रस्तुत करेगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि सोमवार रात लोकबंधु राजनारायण संयुक्त चिकित्सालय में लगी आग के मद्देनजर पांच सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया है। प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य पार्थसारथी सेन शर्मा को दिए गए निर्देश के क्रम में यह जांच कमेटी आग लगने के प्राथमिक कारण, किसी भी प्रकार की लापरवाही या दोष की पहचान (यदि कोई हो तो) एवं भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं के बचाव हेतु प्रभावी कदम उठाए जाने संबंधित अपनी रिपोर्ट 15 दिवस में उपलब्ध कराएगी। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि इस कमेटी के अध्यक्ष चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक होंगे। सदस्यों में विद्युत सुरक्षा निदेशालय के निदेशक, चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर निदेशक, अग्निशमन विभाग द्वारा नामित अधिकारी एवं चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं (विद्युत) के अपर निदेशक को शामिल किया गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद अगली कार्रवाई की जाएगी।

निजी अस्पताल पहुंचे गंभीर मरीज

लोकबंधु अस्पताल में भर्ती बंद होने से मरीजों ने निजी अस्पतालों का सहारा लिया। सरोजनी नगर की निर्मला देवी अपने बच्चे को लेकर अस्पताल सुबह पहुंची। बच्चे को उल्टी-दस्त की शिकायत थी। सुरक्षा गार्डों ने उन्हें जब सारी बात बताई तो वह निजी अस्पताल चलीं गईं। आलमबाग से सुशील कुमार सड़क दुर्घटना में घायल हो गये। परिजन उन्हें लोकबंधु अस्पताल लेकर पहुंचे तो उन्हें केजीएमयू का रास्ता दिखाया गया। सरोजनी नगर के बदाली खेड़ा निवासी सुशीला देवी अपनी आठ साल की बेटी परी को लेकर इमरजेंसी में दोपहर 12 बजे के बाद पहुंचीं। सुशीला ने बताया कि दो दिन से बेटी को उल्टी, दस्त की समस्या थी। इमरजेंसी में डॉक्टर ने देखकर उसे इंजेक्शन और दवाएं दीं, लेकिन भर्ती नहीं किया। बेटी को लेकर वह कुर्सी पर ही बैठी रहीं। बाद में जगह न होने की बात कह कर वापस कर दिया। ऐसे ही सरोजनी नगर की अंकित मिश्रा को पेट दर्द था। ओपीडी में उन्हें दवाएं दी गई। इमरजेंसी गईं लेकिन भर्ती नहीं किया गया।

खबर एक नज़र

11 आईपीएस अफसरों के तबादले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार रात 11 आईपीएस अफसरों के तबादले किए हैं। इस क्रम में आईपीएस नीलाब्जा चौधरी को अपर पुलिस महानिरीक्षक एटीएस लखनऊ से अपर पुलिस महानिदेशक सीआईडी लखनऊ बनाया गया। वहीं आईपीएस अजय कुमार मिश्रा को पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट गाजियाबाद से पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज परिक्षेत्र प्रयागराज बनाया गया। पुलिस कमिश्नरेट आगरा के पुलिस आयुक्त जे रविन्द्र गौड़ को पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद बनाया गया। आईपीएस दीपक कुमार को पुलिस महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र से पुलिस आयुक्त पुलिस कमिश्नरेट आगरा बनाया बनाया गया। आईपीएस प्रेम कुमार गौतम को पुलिस महानिदेशक प्रयागराज परिक्षेत्र से पुलिस महानिरीक्षक एटीएस लखनऊ बनाया गया। शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय को पुलिस महानिरीक्षकध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा को पुलिस उप महानिरीक्षक आगरा परिक्षेत्र आगरा बनाया गया। बुलंदशहर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा की कमान सौंपी गई। बाराबंकी के पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलंदशहर बनाया गया। आईपीएस प्रेम चंद्र को पुलिस अधीक्षक उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ से सेनानायक 6वीं वाहिनी पीएसी मेरठ बनाया गया। बागपत के पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय को बाराबंकी पुलिस अधीक्षक की जिम्मेदारी दी गई। वहीं सेनानायक 6वीं वाहिनी पीएसी मेरठ आईपीएस सूरज कुमार राय को पुलिस अधीक्षक बागपत बनाया गया।

कई पीसीएस अधिकारी स्थानांतरित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने मंगलवार को कई पीसीएस अधिकारियों का स्थानातंरण करते हुए उन्हें नयी तैनाती के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार सुधीर कुमार को एसडीएम अलीगढ़ से नगर मजिस्ट्रेट , संभल , कुशीनगर के एसडीएम विकास चंद्र को संभल का उपजिलाधिकारी, तथा बस्ती के एसडीएम आशुतोष तिवारी को भी संभल का उपजिलाधिकारी बनाया गया है।

आउटसोर्स परिचालकों का होगा पारस्परिक तबादला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। प्रदेश सरकार ने परिवहन निगम में कार्यरत आउटसोर्स परिचालकों को बड़ी राहत दी है। अब आउटसोर्सिंग के माध्यम से नियुक्त परिचालकों का पारस्परिक स्थानांतरण संभव होगा। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिचालकों को जहां नियुक्त किया जाता है, वहीं पर सेवा देनी होती है।

अयोध्या सहित 6 जिलों के बदले डीएम

स्वतंत्र भारत ब्यूरो,लखनऊ। प्रदेश सरकार ने यूपी के नौकरशाहों में बड़ा बदलाव किया है। मंगलवार को अयोध्या, चंदौली, अमेठी, कनौज, इटावा एवं बंदायू के जिलाधिकारी सहित 16 आईएएस अधिकारियों का स्थानातंरण करते हुए उन्हें नयी तैनाती के आदेश दिए गये है। जानकारी के अनुसार अयोध्या के जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह को विशेष सचिव औद्योगिक विकास बनाते हुए निखिल टीकाराम फुण्डे को अयोध्या का डीएम बनाया है। इसी तरह नगर आयुक्त प्रयागराज चन्द्र मोहन गर्ग को डीएम चंदौली, सीलम सांई तेजा को सीडीओ जौनपुर से नगर आयुक्त प्रयागराज बनाया गया है। मृणाली अविनाश जोशी को संयुक्त मजिस्ट्रेट गोरखपुर से सीडीओ जौनपुर, डीएम अमेठी को निशा को निदेशक आयुष मिशन, नगर आयुक्त सहारनपुर संजय चौहान को डीएम अमेठी तथा शिपू गिरि विशेष सचिव उच्च शिक्षा को नगर आयुक्त सहारनपुर के पद पर स्थानातंरित किया गया है। इसी तरह निदेशक आयुष मिशन महेन्द्र वर्मा को सचिव रेरा, अवनीश कुमार राय को डीएम इटावा से जिलाधिकारी बंदायू, सुभ्रांत कुमार शुक्ला को डीएम कन्नौज से जिलाधिकारी इटावा, आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के विशेष सचिव मुख्यमंत्री से डीएम कन्नौज, निधि श्रीवास्तव को बंदायू डीएम से विशेष सचिव उच्च शिक्षा के पद पर स्थानातंरित किया गया है। साथ ही संदीप भागिया को सीडीओ मुजफ्फरनगर से अपर आयुक्त राज्य कर गौतमबुद्ध नगर, कंडाकर कमल किशोर देश भूषण को संयुक्त मजिस्ट्रेट से सीडीओ मुजफ्फरनगर तथा प्रतीक्षारत चल रहे राज कुमार एक को विशेष सचिव ऊर्जा बनाया गया है। गौर तलब है कि बीती रात भी नौ आईएएस अधिकारी का स्थानातंरण किया गया था।

पार्षदों के हंगामे के बीच बजट पर लगी मुहर

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। नगर निगम की सदन की बैठक में मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नगर निगम का वार्षिक बजट प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। नगर निगम की कार्यकारिणी समिति द्वारा पूर्व में अनुमोदित इस बजट को लेकर सदन में गहन चर्चा हुई, जिसमें पार्षदों और अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही। बजट में शहर के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए कई अहम फैसले लिए गए हैं।इस वर्ष के बजट की सबसे उल्लेखनीय बात यह रही कि महापौर सुषमा खरकवाल और नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह ने स्वयं की निधियों में कटौती कर दी है। विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से पार्षदों की निधि को 150 लाख रुपये से बढ़ाकर 210 लाख रुपये प्रति वार्ड कर दिया गया है। इससे प्रत्येक वार्ड में सड़कों, नालियों, स्कूलों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के कार्यों को बल मिलेगा।

नगर निगम में 4,30,453.60 लाख का बजट पास

पार्षद विकास निधि को किसी भी मद में कर सकेंगे खर्च

पार्षदों की विकास निधि को अलग-अलग मदों में बांटा गया है। जिसमें प्रति वार्ड मार्गों के मरम्मत एवं नवीनीकरण के लिए 150 लाख रुपये, प्रति वार्ड पैच के लिए 10 लाख रुपये, प्रति वार्ड क्रॉसिंग एवं पुलिया मरम्मत के लिए 10 लख रुपये, चूना, फॉगिंग, कीटनाशक दवाओं हेतु प्रति वार्ड 05 लाख रुपये, प्रति वार्ड हत्थू ठेला क्रय व मरम्मत के लिए 5 लाख रुपये, इलेक्ट्रॉनिक रेफ्रिजरेटर (कॉफिन) ई-रिक्शा 10 लाख प्रति वार्ड, मार्ग प्रकाश व्यवस्था के लिए प्रति वार्ड 10 लाख रुपये, पार्कों के अनुरक्षण व मरम्मत के लिए 10 लाख रुपये खर्च कर सकते हैं।

शहरी सुविधाओं पर जोर, पारदर्शिता को प्राथमिकता

बजट में सफाई व्यवस्था, जल निकासी, स्कूलों के जीर्णोद्धार, पार्कों की देखरेख और डिजिटलीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा यूजर चार्ज में बदलाव करते हुए इसे गृहकर से लिंक किया गया है, जिससे वसूली पारदर्शी और आसान होगी। इससे नगर निगम की आय में भी वृद्धि होगी और नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिलेंगी। इस बार नगर निगम का कुल बजट गत वर्ष की अवशेष धनराशि को जोड़ते हुए कुल 4,30,453.60 लाख रुपये रखा गया है। कुल व्यय 3,30,786.05 लाख रुपये प्रस्तावित किया गया है। इससे नगर निगम के पास परियोजनाओं के लिए समुचित वित्तीय संसाधन उपलब्ध होंगे।

जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता

नगर निगम ने इस बजट में गरीबों के लिए निःशुल्क अंतिम संस्कार योजना, श्मशान घाटों के जीर्णोद्धार, पार्कों की मरम्मत और सौंदर्यीकरण तथा सरकारी स्कूलों की अवस्थापना सुधार पर जोर दिया है। इसके तहत श्मशान घाटों के लिए बजट को 10 लाख से बढ़ाकर 100 लाख रुपये और पार्कों के लिए 200 लाख से बढ़ाकर 600 लाख रुपये कर दिया गया है। स्कूलों के लिए भी पहले की तुलना में पांच गुना अधिक राशि (500 लाख रुपये) का प्रावधान किया गया है।

डिजिटलीकरण को मिलेगा बढ़ावा

नगर निगम ने ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए ई-ऑफिस और कंप्यूटरीकरण के मद में पहले से निर्धारित राशि को बढ़ाकर 400 लाख रुपये कर दिया है। इससे नागरिक सेवाओं में पारदर्शिता और गति दोनों आएंगी।

बैठक में वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

सदन की बैठक में महापौर सुषमा खरकवाल, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, कार्यकारिणी उपाध्यक्ष गिरीश गुप्ता, पार्षदगण, समस्त अपर नगर आयुक्त, मुख्य वित्त अधिकारी, सीटीएओ, जोनल अधिकारी, जीएम जलकल, मुख्य अभियंता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पार्षद निधि व अन्य मुद्दों पर भिड़े पार्षद

नगर निगम मुख्यालय में बजट को लेकर हुई बैठक में जमकर हंगामा हुआ। बैठक के दौरान पार्षद निधि सहित अन्य मुद्दों पर भारी बहस और तीखी तकरार देखने को मिली। हंगामे को देखते हुए सदन की कार्यवाही को दो बार 10-10 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। सदन शुरू होने से पहले ही महापौर समर्थक और विरोधी बीजेपी पार्षदों के बीच तनातनी खुलकर सामने आ गई। पार्षदों में खेमेबंदी साफ नजर आ रही थी। इस दौरान बीजेपी पार्षद दल के उपनेता सुशील तिवारी मम्मी ने दोनों पक्षों को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन किसी ने भी पीछे हटने को तैयार नहीं दिखा।

आखिर कब तक मरीजों की जान से खेलता रहेगा सरकारी अमला

लोकबंधु अस्पताल में आग, अब बयानबाजी नहीं पुख्ता इंतजाम की जरूरत

स्वतंत्र भारत, ब्यूरो, लखनऊ। सूबे की राजधानी लखनऊ। यह वह स्थान है जहां पर पूरे सूबे की तकदीर लिखी जाती है। लेकिन जब इस स्थान पर लापरवाही की इंतहा होने लगे तो अन्य क्षेत्रों का क्या हाल होगा सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। झांसी को याद करिये। कितने बच्चे असमय मौत के काल में समा गये इसकी गिनती बताने में रूह कांप जाती है। मगर जिम्मेदारों ने क्या भूमिका निभाई। जांच कमेटी, मुआवजा, एक दो अफसर व कर्मचारियों का तबादला, अस्पतालों में दो-चार दिन अफसरों की चहलकदमी, इसके बाद मामला फिर ठंडे बस्ते में।

अब लोकबंधु अस्पताल में आग लगी है। सीएम ने संज्ञान लिया तो मौके पर अधिकारियों की गाड़ियों के सायरन बज रहे हैं। नुकसान का आंकलन हो रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने जांच कमेटी बना दी है। अफसर मौके का मुआयना कर स्वास्थ्य सेवाओं को पटरी पर लाने की कवायद में जुटे हैं। इसके बाद क्या होगा यह अतीत खुद बता रहा है। अग्निशमन विभाग की मानें तो राजधानी के कई अस्पताल खतरे में हैं। शहर के 906 अस्पतालों में से केवल 301 में ही अग्नि सुरक्षा उपाय हैं और उनके पास अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र हैं। हालांकि यह रिपोर्ट पिछले साल झांसी अस्पताल में हादसे की समय की है मगर क्या इस रिपोर्ट के बाद आलाधिकारियों ने अस्पतालों में अग्निशमन यंत्रों की जांच-पड़ताल की। अगर नहीं की तो उसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। अब चूंकि गर्मी भी शुरू हो गई है इसलिए हर अस्पताल के आसपास कम से कम एक दमकल गाड़ी 24 घंटे खड़ी रखनी चाहिए ताकि तत्काल आग बुझाई जा सके। गर्मी के कारण पुराने तार पिघलकर आपस में चिपक जाते हैं जिससे आग लगने की आशंका बढ़ जाती है। अतः अस्पतालों में हीट प्रूफ और वाटर प्रूफ वायरिंग होनी चाहिए। जिसकी समय-समय जांच करते रहना चाहिए। गैस सिलेंडरों में जरा भी लीकेज होने का अंदेशा हो, तो तुरंत बदल देना चाहिए। अस्पताल के हर कमरे में एक अग्निशामक यंत्र अवश्य रखा होना चाहिए, जिसे इस्तेमाल करने की जानकारी अस्पताल के हर स्टॉफ को होनी चाहिए। मरीजों के प्रत्येक वार्ड में एक इमरजेंसी बटन होना चाहिए, जिसका सीधा कनेक्शन फायर ब्रिगेड के कंट्रोल रूम से होना चाहिए, ताकि आपातकालीन स्थिति में मरीजों की जान बचाई जा सके। प्रत्येक अस्पताल में फायर सेफ्टी पर खास ध्यान देना होगा। अस्पताल स्टॉफ को यह समझाना होगा कि आग लगने पर क्या किया जा सकता है। लापरवाही की वजह से अगर अस्पताल में आग लगी, हो तो कड़ी कार्रवाई जरूरी है, ताकि भविष्य में ऐसी घटना न हो।

अटल पेंशन योजना में यूपी अव्वल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। कई योजनाओं एवं पैदावार में यूपी ने देश में टाप कर चुका है । इसी कड़ी में अटल पेंशन योजना में भी यूपी ने बेहतर प्रदर्शन किया है। 2015 में शुरू की गई इस योजना में बीते वित्तीय वर्ष में लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करते हुए लक्ष्य के सापेक्ष 104.22 प्रतिशत नामांकन हुए। प्रदेश में 1 करोड़ 18 लाख से अधिक लोग इस योजना का लाभ ले रहे हैं। यूपी को इस योजना की नोडल एजेंसी पीएफआरडीए से अवार्ड ऑफ अल्टीमेटम लीडर मिल चुका है। अटल पेंशन योजना की जारी की गई वार्षिक रिपोर्ट में बताया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूरे देश में 56 लाख से अधिक नामांकन हुए हैं, जिसमें यूपी का योगदान महत्वपूर्ण है। दिसंबर 2024 तक योजना में यूपी ने 15, 32,989 लोगों का नामांकन किया है। जो कि 14,70,880 नामांकन के लक्ष्य के सापेक्ष 104.22 प्रतिशत है। वर्तमान में यूपी में 1 करोड़ 18 लाख से अधिक लोग इस योजना में नामांकित हैं। जबकि राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना के तहत अब तक 7 करोड़ से अधिक लोगों का नामांकन हो चुका है। यूपी ने वर्ष 2023-24 में भी योजना के अंतर्गत लक्ष्य से अधिक नामांकन किया था। योजना की नोडल एजेंसी पीएफआरडीए ने यूपी को अवार्ड ऑफ अल्टीमेटम लीडर से सम्मानित किया था। योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए यूपी सरकार ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता शिविरों का संचालन करती है। साथ ही नामांकन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए बैंकों के साथ समन्वय सुनिश्चित किया गया है। इसी कारण योजना में महिलाओं और युवाओं की भागीदारी में वृद्धि हुई है।

गत वित्तीय वर्ष में लक्ष्य से अधिक नामांकन

सब्जी व फूलों की खेती में आयेगा बदलाव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यान विभाग के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ने जा रही है। उद्यान विभाग बाराबंकी में इंडो-डच प्रोजेक्ट की स्थापना करेगा। यह उत्तर प्रदेश में नीदरलैंड के सहयोग से पहला सेंटर आफ एक्सीलेंस स्थापित होगा।

उद्यान, कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि यह परियोजना बाराबंकी के त्रिवेदीगंज के सोनिकपुर गांव में प्रस्तावित है, जिसके लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा रही है। बाराबंकी में लगभग सात हेक्टेयर भूमि में इंडो-डच तकनीक से सब्जी और फूलों का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित होने जा रहा है। यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस उद्यान के क्षेत्र में राज्य के किसानों को समृद्धि लाने में सहायक होगा। उन्होंने बताया कि यह किसानों को वैश्विक स्तर की तकनीक प्रदान करेगा और उनकी आमदनी में भी वृद्धि करेगा। यह सब्जी और फूलों की खेती का इंडो डच सेंटर आफ एक्सीलेंस सुल्तानपुर हाईवे पर स्थित होगा, जिससे रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, लखनऊ सहित पूरे प्रदेश के किसान लाभान्वित होंगे। नीदरलैंड (टच) के एक्सपर्ट जोप वैन बालेंन ने बताया कि प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण कर मिट्टी, पानी, जलवायु तथा निर्यात का अध्ययन कर लिया है। इस प्रोजेक्ट से हाई-वॉल्यूम क्रॉप्स जैसे टमाटर, कलर्ड शिमला मिर्च, खीरा एवं विविध फूलों की उन्नत खेती की जा सकेगी। बैठक में उद्यान विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. राजीव वर्मा, जिला उद्यान अधिकारी बाराबंकी सहित वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बाराबंकी में स्थापित होगा सेंटर आफ एक्सीलेंस

‘अंबेडकर के सपनों का भारत’ विषय पर विचार गोष्ठी

स्वतंत्र भारत लखनऊ। शिया पीजी कॉलेज में मंगलवार को ‘अम्बेडकर के सपनों का भारत’ विषय पर एक विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने की। इस अवसर पर उपस्थित वक्ताओं और प्रतिभागियों ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके विचारों व योगदान पर विस्तार से चर्चा की। विचारगोष्ठी में डॉ. अंबेडकर के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, सामाजिक न्याय की स्थापना और समानता आधारित समाज के निर्माण की दिशा में किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला गया। मौलाना यासूब अब्बास ने अपने वक्तव्य में कहा कि डॉ. अंबेडकर का सपना तभी साकार होगा जब देश का हर वर्ग शिक्षित होगा। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत साक्षरता ही डॉ. अंबेडकर के भारत की बुनियाद हो सकती है। उन्होंने घोषणा की कि शिया पीजी कॉलेज के प्रत्येक विभाग में डॉ. अंबेडकर की शिक्षाओं पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि छात्रों को उनके संवैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके। गौतम राणे सागर ने कहा कि बाबा साहब एक ऐसा समाज स्थापित करना चाहते थे जो शिक्षित, जागरूक और न्यायप्रिय हो। उन्होंने शिक्षा को सामाजिक बदलाव की नींव माना। डॉ. अंबेडकर ने न सिर्फसामाजिक न्याय के लिए संघर्ष किया बल्कि श्रमिकों के अधिकारों की भी रक्षा की। वे चाहते थे कि देश का कोई भी नागरिक अन्याय का शिकार न हो। उन्होंने भ्रष्टाचार को विकास में सबसे बड़ा बाधक बताया।

विद्यांत पीजी कॉलेज के प्रो. ध्रुव त्रिपाठी ने कहा कि डॉ. अंबेडकर और महात्मा गांधी दोनों की विचारधाराओं का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना था। प्रो. नरेंद्र सिंह ने कहा कि भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समान मतदान का अधिकार मिलना डॉ. अंबेडकर की ही देन है, जिससे लोकतंत्र की वास्तविक नींव मजबूत हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया और डॉ. अंबेडकर के विचारों को वर्तमान समय में प्रासंगिक बताया।

गोल्ड मेडल जीता विवान ने

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। आईएमए ओपन नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 का आयोजन नोएडा इंदौर स्टेडियम में संपन्न हुआ। जिसमें विवान पांडे ने 10 वर्ष आयु वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर अपने परिवार व गांव का नाम रोशन किया। इस खेल के लिए बच्चों को उनके पिता ज्ञानेंद्र पांडे माता श्रुति पांडे ने प्रोत्साहित किया। इससे पहले विवान ने 9 वर्ष आयु वर्ग में भी नेशनल लेवल पर गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। सुलतानपुर धनपतगंज के रहने वाले विवान ने अपने जिले का नाम रोशन किया।

लीला सिनेमा रोड और नॉवेल्टी चौक के पास लगा रहा जाम

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। लीला सिनेमा रोड और नॉवेल्टी चौराहा पर मंगलवार को लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। दोनों ही स्थानों पर लोगों ने खुद ही पहल कर किसी तरह वाहनों को निकाला। इस दौरान लोगों को लगभग आधा घंटा जाम से जूझना पड़ा। लीला सिनेमा रोड पर दोपहर में संकरे मार्ग पर आमने-सामने दो कारों के आने के कारण जाम लग गया। कुछ ही देर में यह जाम क्राइस्ट चर्च स्कूल मार्ग तक पहुंच गया। स्थिति यह हो गई कि बाइक सवार तो दूर पैदल चलने वाले भी उधर से नहीं निकल पा रहे थे। लगभग आधा घंटा तक यहां जाम की स्थिति बनी रही। जाम में फंसे कुछ लोगों ने खुद ही स्थिति संभाली और वाहनों को निकाला, तब जाकर जाम खत्म हुआ। उधर, शाम को नॉवेल्टी चौराहे पर एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ में वाहनों के आमने-सामने आने और लालबाग रोड पर सड़क तक कार डेकोरेटरों की फैली दुकान के कारण जाम लग गया। यहां भी लगभग आधा घंटा जाम लगा रहा।

बाबा साहेब की 134वीं जयंती पर भव्य भंडारे का आयोजन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। पंजाब नेशनल बैंक लखनऊ द्वारा भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पर गोमतीनगर स्थित भीमराव अम्बेडकर पार्क में मनाई गई एवं भव्य भंडारे का आयोजन भी किया गया। श्री आर के सिंह मंडल प्रमुख और उप महाप्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक लखनऊ मंडल , अशोक कुमार अग्रवाल संयुक्त महामंत्री पंजाब नेशनल बैंक स्टाफ़ यूनियन उत्तर प्रदेश , विनोद कुमार अनुसूचित जाति जनजाति एसोसिएशन के उप महामंत्री ने भीमराव अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दी।

कार्यालय, अयोध्या विकास प्राधिकरण, अयोध्या

पत्रांक :- 02/अयो0वि0प्रा0/2025-26 दिनांक - 15/04/2025

संशोधित

पंजीकरण/नीलामी की सूचना

गुप्तारघाट दुकान, कौशलपुरी आवासीय योजना फेज-1, फेज-2 में आवासीय भूखण्ड एवं दुकान/वैभव काम्पलेक्स व्यवसायिक योजना में दुकान तथा लायडगेट व्यवसायिक योजना में भूखण्ड की नीलामी के लिए दिनांक 10.01.2025 को पंजीकरण खोला गया था। उक्त पंजीकरण की तिथि दिनांक 15.04.2025 तक बढ़ायी जा रही है। उक्त योजनाओं की नीलामी में समलित होने के इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर आवेदन कर सकते हैं। नीलामी दिनांक 18.04.2025 को नियत की गयी थी, अवकाश होने के कारण नीलामी की दिनांक-19.04.2025 अपरान्ह 11.00 बजे प्राधिकरण कार्यालय में सम्पादित की जायेगी।

सचिव

अदालती सूचना ता. पेशी 25.04.2024 हेतु संदर्शित करने की सूचना(साधारण प्रारुप) न्यायालय सिविल जज जू.डि. पुवायां शाहजहांपुर वाद सं. 185 वर्ष 2024 हरजंग सिंह बनाम प्रकाश कौर बनाम प्रकाश कौर पुत्री भगत सिंह नि.ग्रा. कजरा, पर. खुटार तह. पुवायां जिला शाहजहांपुर...प्रतिवादी चूंकि उपरिनिमांकित हरजंग सिंह वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफहेतु संदर्शित करने के लिए सन् 2025 ई.के माह 04 के 25 दिवस को दस बजे के पूर्वान्ह में स्वंया या सम्येक रूपेण अनादिष्ट अपने अभिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। आज सन् 2025 के माह 04 के 15 दिवस को मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से जारी किया गया। **न्यायालय के आदेशानुसार वाद लिपिक सिविल जज जूनियर डिवीजन पुवायां-शाहजहांपुर।**

सी.आर.-92/**D-CN**

कार्यालय ग्रा0पं0-दांदूपुर वि0ख0-हैदरगढ़ जनपद- बाराबंकी

पत्रांक– मेमो/ग्रा.पं.मनरेगा/राज्य वित्त/15 वां वित्त/2025–26 दिनांक 15.04.2025

वार्षिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत दांदूपुर, विकास खण्ड–हैदरगढ़ में मनरेगा/राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग एवं स्वच्छ भारत मिशन, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन फेज–2 (एस. एल. डब्लू. एम) योजना व मुख्यमंत्री ग्राम पंचायत प्रोत्साहन राशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य विज्ञान भवन सेंटर, स्मार्ट क्लासेज एवं जल प्रबंधन आदि समस्त योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आंगनवाडी केंद्र, अंतेष्टि स्थल, पंचायत भवन निर्माण, सामुदायिक शौचालय, कायाकल्प, ओपन जिम सामग्री, हयूम पाइप, पुस्तकालय स्थापना, मनरेगा से खेल का मैदान का निर्माण, अमृत सरोवर सौंदर्यीकरण, सीमेंटेड बेंच, अन्नपूर्णा गोदाम निर्माण, हैंडपम्प मरम्मत, पाइप पेयजल मरम्मत, हैंडपंप रिबोर, आफिस स्थापना, नाली निर्माण, खंडजा निर्माण व मरम्मत, इंटरलॉकिंग कार्य, सिटीजन इंफार्मेशन बोर्ड, सीसी रोड निर्माण/मरम्मत, घूर सफाई, पटरी भराई, स्कूल में जल निकासी व मिट्टी पटाई कार्य, समुदायिक शौचालय में सफाई हेतु साम्रगी, आफिस स्टेशनरी इत्यादि शासन द्वारा निर्धारित अन्य कार्यों हेतु निर्माण साम्रगी, जैसे ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा खंजड़ ईंट, ईट गिट्टी, सीमेंट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, बायरिंग साम्रगी, दरवाजा, लोहा, सरिया, अलमारी, इंटरलॉकिंग ईंट, ट्रैक्टर ट्राली, स्टेशनरी सामग्री, झूला स्कूल में, टाइल्स, पुट्टी, व्हाइट सीमेंट, चूना, खिड़की, पल्ला, रूम पाइप, लोहे का गेट, कुर्सी मेज, कम्यूटर, एसेसरीज, प्रिंटर, फॉगिंग मशीन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हैडपम्प की सामग्री, सेनीटाइजर, रिक्शा ट्राली, सोलर पैनल व बैटरी, सी.सी.टी.वी. कैमरा व ऐसेसरीज, पेयजल पाइप सामग्री, इत्यादि की पूर्ति हेतु निविदा वित्तीय वर्ष सत्र 2025–26 के लिए आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा **दिनांक 16.04.2025 से 22.04.2025 तक** कार्यालय ग्राम पंचायत–दांदूपुर में अपनी निविदा वांछित प्रपत्र के साथ बंद लिफाफे में रखकर जमा कर सकते है। निविदा **दिनांक 23.04.2025** को कमेटी द्वारा अपराह्न 01 बजे खोली जायेगी। समस्त निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव के पास निहित होगा। ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

नियम/शर्तें

1. आपूर्तिकर्ता का फर्म जीएसटी पंजीकृत होनी चाहिए। जिसके बैंक डिटेल के साथ प्रमाणित छायाप्रति संलग्न होनी चाहिए।
2. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु आपूर्ति आदेश ग्राम पंचायत द्वारा दिया जाएगा। समय से आपूर्ति ना कर पाने या विलंब करने पर आदेश निरस्त कर अन्य किसी फर्म को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतंत्र होगी।
3. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी रूप से गुणवत्ता प्रमाणित होने व मापन के उपरांत ही किया जायेगा।
4. ग्राम पंचायत वार्षिक कार्य योजना में पड़े अलग–अलग कार्यों के अनुसार फर्मों द्वारा अलग अलग कोटेशन देय होगा।
5. आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि उपयुक्त फर्म किसी प्रकार से प्रधान, सचिव, ब्लॉक प्रमुख, या अन्य उच्च पद पर पदस्थ जनप्रतिनिधि या उनके रिश्तेदारों से सम्बंधित नहीं है।
6. निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
7. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खोला जायेगा।
8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
9. आपूर्ति की गई सामग्री का भुगतान आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से क्रेडिट किया जायेगा।

श्रीमती राजकुमारी
ग्राम प्रधान

उदय प्रकाश शुक्ला
ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत दांदूपुर, विकास खंड–हैदरगढ़, जनपद–बाराबंकी

अदालती सूचना ता.पेशी 21.04.2025 सम्मन तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5) न्यायालय सिविल जज जू.डि. कोर्ट सं. 18 शाहजहांपुर मूलवाद सं. 363 वर्ष 2023 स्टेट बैंक आफ इंडिया शाखा नवादा इंदेपुर बनाम श्रीमती रीना यादव बनाम श्रीमती रीना यादव पत्नी राकेश कुमार यादव नि.मो. दिलाजाक निकट दुर्गा होटल पर. व तह. सदर जिला शाहजहांपुर...प्रतिवादिनी हरगाह बैंक आफ इंडिया शाखा नवादा इंदेपुर वादी उपरोक्त ने आपके नाम एक नालिश दायर वावत बसूली धनराशि के दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 04 सन् 2025 ई.ववक्त 10 बजे दिन के असलीन या मार्फत वकील जो मुकदमें की कार्रवाई से वाकिफ किया गया हो हाजिर हो और जवाबदेही दावा की करे। आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिन पर आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मुसामत और फैसला होगा। मेरे दस्तखत व मोहर अदालत से आज वतारीख 15 माह 04 सन् 2025 ई.में जारी किया गया। **न्यायालय के आदेशानुसार मुंसरिम सिविल जज जू.डि. कोर्ट संख्या 18 शाहजहांपुर।**

सी.आर.-92/**D-CN**

आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहजहांपुर में विभिन्न स्ववित्त पोषित संकायों में निश्चित मानदेय पर शासनादेश सं0 196/सत्तर-2-97/85/197 दिनांक 11.11.97 के अनुसार प्रवक्ताओं की आवश्यकता है। विवरण इस प्रकार है।

स्नातक स्तर पर

1. ड्राइंग एण्ड पेंटिंग-1
2. राजनीति शास्त्र-1
3. गृहविज्ञान-1

उपरोक्त पदों हेतु यू.जी.सी. मानक (पी.जी. 55 प्रतिशत एवं नेट अथवा पीएच.डी. धारकों को यू.जी.सी. की वर्ष 2009 की सूचनानुसार छूट) के अनुसार शैक्षिक अर्हता धारक अभ्यर्थियों/ अभ्यर्थिनियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। योग्य अर्हताधारी अभ्यर्थी 21 दिन के अंदर सचिव/प्रबंधक आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहजहांपुर के पक्ष में रू. 300 का बैंक ड्राफ्ट एवं दो फोटो व शैक्षिक प्रमाण पत्रों की दो-दो प्रमाणित प्रतियों सहित प्रार्थना पत्र पंजीकृत डाक से प्रेषित करें। नियुक्ति में महिलाओं को वरीयता दी जायेगी। **अमितेश अमित सचिव/प्रबंधक आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय शाहजहांपुर मो. 09889387899, 09455126899**

सी.आर.-92/**D-**

इश्तार
श्रीमान सिविल जज जू.डि. पश्चिमी महोदय हरदोई
प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 372 इण्डियन सक्सेशन एक्ट
प्रा. वाद सं. नम्बर 9/25
श्रीमती माधुरी
बनाम
जायदाद मृतक संजय कुमार आदि ... विपक्षी

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि जायदाद मृतक संजय कुमार ने प्राप्त कर उत्तराधिकार प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है और उक्त प्रार्थना पत्र जो सुनवाई हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 20/05/2025 नियत है।
अतः जिस किसी को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र बावत जायदाद मृतक संजय कुमार की बावत जो कुछ उजर हो इस न्यायालय में दिनांक 20/05/25 प्रस्तुत करे अन्यथा बाद में कोई उत्तर नहीं सुना जायेगा।
नियत तिथि-20/05/2025

आज्ञा से
मुन्सरिम
हरदोई

सी.आर.-91/**D-CN**

न्यायालय जनपद न्यायाधीश गोरखपुर

प्रकीर्ण वाद संख्या- 99/2025

कुसमावती उम्र करीब 61 वर्ष पत्नी स्व0 बहाऊ निवासी मौजा-दुबौली बारी टोला, पोस्ट-नेटा सुरहुरवा, थाना व तहसील व जिला-महराजगंज।

आवेदिका

प्रार्थनापत्र अन्तर्गत धारा 10 गार्जियन एण्ड वार्ड्स एक्ट वास्ते नियुक्त होने गार्जियन बावत् शिवा गौतम (नाबालिग) पुत्र स्वर्गीय धर्मेन्द्र निवासी मौजा-सिक्टौर, तप्पा-मराछी चन्दौर, परगना-हवेली, तहसील-सदर, जिला-गोरखपुर।
(1) नाबालिग का नाम, लिंग, धर्म, जन्मतिथि व स्थाई पता- (1) शिवा गौतम, पुरुष, हिन्दू जन्मतिथि-30.11.2015 निवासी ग्राम-सिक्टौर, तप्पा-मराछी चन्दौर, परगना-हवेली, तहसील सदर, जिला-गोरखपुर।

- जियातः-

नाम खातेदार	आराजी नं0	रकबा
फौजदार पुत्र गया	123	0.280 हे0
फौजदार पुत्र गया	1462ख	0.1290 हे0
फौजदारी पुत्र गया	150	0.1670 हे0

(ii) मौजा-मानीराम, तप्पा-मराछी चन्दौर, परगना-हवेली, तहसील सदर, जिला-गोरखपुर में स्थित आराजियात का विवरण :-

नाम खातेदार	आराजी नं0	रकबा
फौजदार पुत्र गया	517	0.9020 हे0
फौजदार पुत्र गया	427	0.2590 हे0
फौजदारी पुत्र गया	690	0.1700 हे0

(4) नाम व पता व निवास स्थान जोकि नाबालिग का गार्जियन नियुक्त होना चाहता है जिसके देखरेख में नाबालिग रहता है व परवरिश पाता है।
(4) कुसमावती पत्नी स्व0 बहाऊ निवासी ग्राम-दुबौली बारी टोला पोस्ट-नेटा सुरहुरवा, थाना व तहसील व जिला-महराजगंज। (नाबालिग की सगी नानी)
(5) नाबालिग के रिश्तेदार, पट्टीदार का नाम व पता-
(i) ऊषा पत्नी मुसई
निवासी ग्राम-सिक्टौर तप्पा-मराछी चन्दौर, परगना-हवेली, तहसील सदर, जिला-गोरखपुर (नाबालिग का पट्टीदारी की दादी)
(ii) मीना देवी पत्नी संजय
निवासी ग्राम-सिक्टौर, तप्पा-मराछी चन्दौर, परगना-हवेली, तहसील सदर, जिला-गोरखपुर। (नाबालिग के पट्टीदारी की दादी)
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हेतु दर्शित करने के लिये तारीख 06.05.2025 को 10.30 ए.एम. वास्ते आपत्ति निस्तारण में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिया जाता है उपसंजात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जायेगा।
यह आज मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय जनपद
न्यायाधीश गोरखपुर

सी.आर.-90/**D-CN**

न्यायालय जनपद न्यायाधीश, गोरखपुर

प्रकीर्ण वाद संख्या-570/2024

1. लक्ष्मीकान्त गुप्ता उम्र करीब 47 वर्ष पुत्र स्व0 केदार नाथ गुप्ता
2. श्रीकान्त गुप्ता उम्र करीब 33 वर्ष पुत्र स्व0 केदार नाथ गुप्ता

निवासीगण 62 एल नथमलपुर केशवपुरम कालोनी, पो0 गोरखनाथ, तहसील सदर, जिला गोरखपुर।

3. सुधा गुप्ता उम्र करीब 42 वर्ष पुत्री स्व0 केदारनाथ गुप्ता पत्नी रामतेज निवासिनी खंदरा, पो0 चिलमा बाजार, चैनपुर जिला बस्ती।
4. कंचन गुप्ता उम्र करीब 34 वर्ष पुत्री स्व0 केदार नाथ गुप्ता पत्नी श्री स्वपनिल गहलोद, निवासिनी मकान नंबर 62 एल केशवपुरम कालोनी गोरखनाथ नथमलपुर पोस्ट-गोरखनाथ मंदिर, तहसील सदर, जिला गोरखपुर।

आवेदकगण

अन्तर्गत धारा 278 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम बावत बनाने लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन लाकर नं0 44 भारतीय स्टेट बैंक अलीनगर शाखा जिला गोरखपुर एवं लाकर नं0 186 भारतीय स्टेट बैंक, बैंक रोड, गोरखपुर।
4. यह कि लाकर के सामानों को प्राप्त करने के सन्दर्भ में निम्न ब्यौरा आवेदकगण प्रस्तुत करते हैं :-
अ. मृतकगण की मृत्यु की तारीख समय व स्थान।
मृतक केदारनाथ गुप्ता का देहान्त दिनांक 13.09.2020 को हुआ है एवं मृतका लालदेई देवी का देहान्त दिनांक 12.03.2010 को हुआ है।
ब. मृतक के दो नजदीक रिश्तेदार का नाम व पता।
1. रामसमुझ पुत्र रामरतन उम्र लगभग 54 वर्ष निवासी दुर्गापुर पो0 दुर्गापुर, तहसील फरेन्दा, जिला- महराजगंज
(मृतक के साढ़ू)
2.रामसेवक पुत्र रामवृक्ष उम्र 50 वर्ष निवासी हरपुर पो0 सैजर महदेवा तहसील फरेन्दा जिला महराजगंज ।
(मृतक के साढ़ू के पुत्र)
अतः श्रीमान जी से प्रार्थना है कि भारतीय स्टेट बैंक शाखा अलीनगर जिला गोरखपुर के लाकर नं0 44 तथा भारतीय स्टेट बैंक मुख्य शाखी बैंक रोड, गोरखपुर के लाकर नं0 186 में रखे गये सामानों की सूची बनवाकर उक्त सामानों को आवेदिका सं0 3 सुधा गुप्ता के पक्ष में दिये जाने के सन्दर्भ में लेटर आफ एडमिनिस्ट्रेशन बनाये जाने के बावत आदेश निर्गत करने की कृपा की जाय।
अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरुद्ध हेतु दर्शित करने के लिये तारीख 02.05.2025 को 10.30 ए.एम. वास्ते सुनवाई में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिया जाता है उपसंजात हो यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो आवेदन की सुनवाई और उसका निपटारा एकपक्षीय रूप से किया जायेगा।
यह आज मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय जनपद
न्यायाधीश, गोरखपुर

सी.आर.-90/**D-CN**

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना

शादी से पहले मेरा नाम अंजू वाजपेई पुत्री दुर्गा प्रसाद वाजपेई था। अब मेरा नाम अंजू वाजपेई पत्नी सुभाष त्रिवेदी हो गया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। अंजू वाजपेई पत्नी सुभाष त्रिवेदी नि.ग्रा. व पो. कुटमरा जिला अमेठी।

सी.आर.-92/**D-33**

सूचना

मैंने अपना नाम MANOJ KUMAR YADAV से बदलकर MANOJ KUMAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/o-DAULAT RAM VILLAGE-PARETHIYA, SAFEDABAD PO-SAFEDABAD DIST-BARABANKI-225003 (U.P)

सी.आर.-89/**L-25**

सूचना

मैंने अपना नाम MOHAMMAD ASGHAR से बदलकर MOHD ASGHAR रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/o-MOHD ATHAR ADD-318 LLA PAKDIYA ANOOPGANJ SAADATGANJ, DIST-BARABANKI-225206 (U.P)

सी.आर.-89/**L-25**

सूचना

मेरे पुत्र के स्कूल के रिकार्ड में त्रुटिवश नाम AVNISH SINGH अंकित है। सही नाम AVINASH SINGH है। भविष्य में सही नाम से जाना व पहचाना जाए। अजय सिंह पुत्र परमहंस सिंह, नि.- छोटा भरवारा, विज्ञान खण्ड, गोमतीनगर, लखनऊ।

सी.आर.-87/**L-30**

बेदखली

मैं शिव सिंह पुत्र सियाराम निवासी ग्राम भूड़ा तहसील मोहम्मदी जिला खीरी ने अपने पुत्र दिलीप व उसकी पत्नी सुनीता को उनके कुकृत्यों के चलते दिनांक 15.04.2025 से अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है उनके किसी कृत्य व लेन-देन से मेरे व मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नहीं होगा।

सी.आर.-88/**D-42**

सूचना

मैं अवन्तिका सिंह पुत्री राघवेन्द्र सिंह निवासी ग्राम ढखौरा तहसील मोहम्मदी जिला खीरी का पूर्व आधार में नीतिका सिंह नाम व 15.04.2004 जन्मतिथि दर्ज थी, जो गलत है। अवन्तिका सिंह व 01.07.2003 नाम व जन्मतिथि सही है जो आधार में दर्ज है।

सी.आर.-88/**D-30**

कार्यालय नगर पंचायत, नगरा (बलिया)

पत्रांकः– 18(ii)/नं0पं0नगरा/2025–26 दिनांक 15.04.2025

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की वित्तीय वर्ष 2025–26 मे राज्य सेक्टर के सीवरेज एवं निकासी योजना के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से नगर पंचायत नगरा में कराये जाने वाले कार्यों हेतु समस्त पंजीकृत ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं/फर्म/निर्माताओं जिनका आयकर/जी०एस०टी० में पंजीकृत हो तो प्रतिशत दरों में अधोलिखित विवरण के अनुसार ऑनलाईन निविदा आमंतित्र किया जाता है। कार्य योजना से सम्बन्धित किसी भी जानकारी/शर्त आदि किसी भी कार्य दिवस को 10:00 बजे से 5:00 बजे तक देखा जा सकता है। यदि उक्त टेण्डर तिथि को अवकाश घोषित होता है तो अगले कार्य दिवस को समस्त कार्यवाही की जायेगी। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

क्र. स.	कार्य का विवरण	निविदाओं की ऑन–लाईन उपलब्धता	ऑन–लाईन निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि	मूल अभिलेख (निविदा सूचना के अनुसार) जमा करने की अन्तिम तिथि समय व स्थान	वित्तीय ई–टेण्डरिंग निविदा खोलने की तिथि व स्थान
1	ई–निविदा पोर्टल www.etender.up.nic.in पर अपलोडेड कुल 08 अद्द लाटों की निविदा विवरण www.etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।	दिनांक– 16.04.2025 से	दिनांक– 07.05.2025 तक	दिनांक–08.05.2025 समय 11.00 बजे तक कार्यालय नगर पंचायत नगरा, बलिया	दिनांक–08.05.2025 अपरान्ह 12.00 बजे कार्यालय नगर पंचायत नगरा, बलिया में खोला जायेगा।

नोट– निविदा आमंत्रणकर्ता को आई.टी.बी. के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धिपत्र जारी किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा, सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें। अधिक जानकारी के लिए कृपया ई–निविदा वेबसाईट www.etender.up.nic.in पर लॉगिन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत नगरा
बलिया

अध्यक्ष
नगर पंचायत नगरा
बलिया

कार्यालय ग्रा0पं0–थानपुर, वि0 ख0–हैदरगढ़,जनपद–बाराबंकी

पत्रांक– मेमो/ग्रा.पं.मनरेगा/राज्य वित्त/15 वां वित्त/2025–26 दिनांक 15.04.2025

वार्षिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत दांदूपुर, विकास खण्ड–हैदरगढ़ में मनरेगा/राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग एवं स्वच्छ भारत मिशन, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन फेज–2 (एस. एल. डब्लू. एम) योजना व मुख्यमंत्री ग्राम पंचायत प्रोत्साहन राशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य विज्ञान भवन सेंटर, स्मार्ट क्लासेज एवं जल प्रबंधन आदि समस्त योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आंगनवाडी केंद्र, अंतेष्टि स्थल, पंचायत भवन निर्माण, सामुदायिक शौचालय, कायाकल्प, ओपन जिम सामग्री, हयूम पाइप, पुस्तकालय स्थापना, मनरेगा से खेल का मैदान का निर्माण, अमृत सरोवर सौंदर्यीकरण, सीमेंटेड बेंच, अन्नपूर्णा गोदाम निर्माण, हैंडपम्प मरम्मत, पाइप पेयजल मरम्मत, हैंडपंप रिबोर, आफिस स्थापना, नाली निर्माण, खंडजा निर्माण व मरम्मत, इंटरलॉकिंग कार्य, सिटीजन इंफार्मेशन बोर्ड, सीसी रोड निर्माण/मरम्मत, घूर सफाई, पटरी भराई, स्कूल में जल निकासी व मिट्टी पटाई कार्य, समुदायिक शौचालय में सफाई हेतु साम्रगी, आफिस स्टेशनरी इत्यादि शासन द्वारा निर्धारित अन्य कार्यों हेतु निर्माण साम्रगी, जैसे ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा खंजड़ ईंट, ईट गिट्टी, सीमेंट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, बायरिंग साम्रगी, दरवाजा, लोहा, सरिया, अलमारी, इंटरलॉकिंग ईंट, ट्रैक्टर ट्राली, स्टेशनरी सामग्री, झूला स्कूल में, टाइल्स, पुट्टी, व्हाइट सीमेंट, चूना, खिड़की, पल्ला, रूम पाइप, लोहे का गेट, कुर्सी मेज, कम्यूटर, एसेसरीज, प्रिंटर, फॉगिंग मशीन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हैडपम्प की सामग्री, सेनीटाइजर, रिक्शा ट्राली, सोलर पैनल व बैटरी, सी.सी.टी.वी. कैमरा व ऐसेसरीज, पेयजल पाइप सामग्री, इत्यादि की पूर्ति हेतु निविदा वित्तीय वर्ष सत्र 2025–26 के लिए आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा **दिनांक 16.04.2025 से 22.04.2025 तक** कार्यालय ग्राम पंचायत–थानपुर में अपनी निविदा वांछित प्रपत्र के साथ बंद लिफाफे में रखकर जमा कर सकते है। निविदा **दिनांक 23.04.2025** को कमेटी द्वारा अपराह्न 03 बजे खोली जायेगी। समस्त निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव के पास निहित होगा। ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

नियम/शर्तें

1. आपूर्तिकर्ता का फर्म जीएसटी पंजीकृत होनी चाहिए। जिसके बैंक डिटेल के साथ प्रमाणित छायाप्रति संलग्न होनी चाहिए।
2. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु आपूर्ति आदेश ग्राम पंचायत द्वारा दिया जाएगा। समय से आपूर्ति ना कर पाने या विलंब करने पर आदेश निरस्त कर अन्य किसी फर्म को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतंत्र होगी।
3. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी रूप से गुणवत्ता प्रमाणित होने व मापन के उपरांत ही किया जायेगा।
4. ग्राम पंचायत वार्षिक कार्य योजना में पड़े अलग–अलग कार्यों के अनुसार फर्मों द्वारा अलग अलग कोटेशन देय होगा।
5. आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि उपयुक्त फर्म किसी प्रकार से प्रधान, सचिव, ब्लॉक प्रमुख, या अन्य उच्च पद पर पदस्थ जनप्रतिनिधि या उनके रिश्तेदारों से सम्बंधित नहीं है।
6. निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
7. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खोला जायेगा।
8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
9. आपूर्ति की गई सामग्री का भुगतान आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से क्रेडिट किया जायेगा।

श्रीमती विद्यावती
ग्राम प्रधान

उदय प्रकाश शुक्ला
ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत थानपुर, विकास खंड–हैदरगढ़, जनपद–बाराबंकी

घरों की रेकी कर चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

-स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। राजधानी में रेकी कर घरों में चोरी करने वाले गिरोह का चिनहट पुलिस ने भंडाफोड़ करते हुए चार चोरों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी किए गए लाखों के कीमती जेवर और दो लाख 49 हजार रुपये नगद बरामद हुए हैं। पूछताछ में आरोपियों की पहचान इंदिरानगर निवासी सूरज वर्मा, आकाश यादव, श्याम सुंदर और महानगर निवासी मोहम्मद शमीम के रूप में हुई। डीसीपी पूर्व शशांक सिंह ने बताया कि 17 मार्च को चिनहट निवासी रोहित कुमार के घर में बेखौफ चोरों ने धावा बोल लाखों के कीमती जेवर और नगदी उड़ा दी थी। पुलिस उनकी तहरीर पर केस दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही थी। चिनहट थाना प्रभारी भरत पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम और सर्विलांस टीम आरोपियों की खोजबीन में जुटी थी। इसी दौरान घटनास्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान हुई और पुलिस टीम ने उन्हें धर-दबोचा। पूछताछ में उन्होंने रोहित के यहां चोरी करने की बात कबूल की और उनके कब्जे से चोरी किए गए गहने व नगदी भी बरामद हुई। आरोपियों ने बताया कि वह रेकी कर घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देते हैं।

वैवाहिक समरोह में नगदी और जेवर भरा बैग ले उड़े चोर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत स्थित रिसोर्ट में आयोजित एक वैवाहिक समारोह में जयमाल के दौरान महिला का बैग चोरी हो गया। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रमोद कुमार सिंह निवासी बंशी नगर ,हरदोई अपनी पत्नी टीना सिंह के साथ वैवाहिक समारोह में शामिल होने सुशांत गोल्फ सिटी कोतवाली क्षेत्र के रिसॉर्ट में आए हुए थे। जय माल कार्यक्रम के दौरान टीना सिंह अपना पर्स स्टेज के सामने लगे सोफे पर रखकर फोटो खिंचवा रही थीं। इसी दौरान पर्स चोरी हो गया, पुलिस जांच में पता चला कि एक 10 वर्षीय बच्चा उनका पर्स लेकर फरार हो गया है। पर्स में रियल मी कंपनी का मोबाइल फोन, लगभग 2 लाख रुपए नकद और कमरे की चाबियां थीं। घटना रात करीब 12:15 बजे की है। पीड़िता के पति प्रमोद कुमार सिंह ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। सुशांत गोल्फ सिटी थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर चोर की तलाश शुरू कर दी है।

प्लाट दिलाने के नाम पर 64 लाख की ठगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। बीकेटी कोतवाली में रियल एस्टेट फर्म संचालक और उसके साथियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हुआ। आरोपितों ने प्लाट दिलाने का झांसा देकर रुपये लिए। जमीन मांगने पर बंधक बना कर मारपीट की गई। रुदही निवासी अजय सिंह ने प्लॉट खरीदने के लिए दीपक कुमार मौर्या से सम्पर्क किया था। जो खुद को एक रियल एस्टेट फर्म का संचालक बताता है। आरोपित ने पिता राम नारायण, पत्नी सुर्जा और मां कमला के साथ मिल कर साजिश रची थी। दीपक ने अजय सिंह को बीकेटी में ही एक जमीन दिखाई। जिसका सौदा कराने के बदले करीब 64 लाख रुपये लिए। समय पर रजिस्ट्री नहीं हुई। पूछताछ करने पर दीपक कुमार ने अजय सिंह को बंधक बना कर पीटा। किसी तरह से बंधनमुक्त होकर घर पहुंचे पीड़ित ने पत्नी को आपबीती बताई। इस मामले में अजय सिंह की पत्नी शिल्पी सिंह ने कई बार तहरीर दी। मुकदमा दर्ज नहीं होने पर डीसीपी उत्तरी गोपाल कृष्ण चौधरी से मिल कर शिकायत की। जिनके निर्देश पर बीकेटी कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया।

डीलरशिप का झांसा दे व्यापारी से साढ़े पांच लाख की ठगी

विभूतिखंड थाना क्षेत्र में जालसाजों ने व्यापारी को बोतलबंदी पानी सप्लाई की डीलरशिप दिलाने का झांसा देकर साढ़े पांच लाख रुपए ऐंठ लिये। समय बीतने के साथ ही जब व्यापारी को डीलरशिप नहीं मिली तो उन्होंने रकम लौटाने का तकादा किया। इस पर आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता की। पीड़ित ने थाने पहुंचकर पुलिस को आपबीती सुनाई। पुलिस उसकी तहरीर पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। खलीलाबाद निवासी मार्कंडेय उपाध्याय के मुताबिक, विभूतिखंड में सैंटली कम्पनी के सुपर स्टॉकिस्ट का दफ्तर है, जो आक्सीनीर के नाम से बोलतबंद पानी का व्यापार करती है। मई 2024 में मार्कंडेय ने पानी की सप्लाई के लिए करीब पांच लाख 51 हजार रुपये दिए थे। पीड़ित के मुताबिक, आरोपितों ने बोतल की सप्लाई नहीं की। विरोध करेन पर धमकी दी गई। इंस्पेक्टर सुनील सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

नौकरानी ने की अधिवक्ता के घर चोरी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। हजरतगंज कोतवाली में अधिवक्ता ने नौकरानी पर परिवार के साथ मिल कर सामान चोरी करने का मुकदमा दर्ज कराया। आरोपित ने अधिवक्ता की पत्नी पर चाकू से भी हमला किया था। अधिवक्ता ने इस वारदात का मुकदमा दर्ज कराया। इसके बाद आरोपितों ने कथित दरोगा से फोन करके अधिवक्ता को भी धमकी दी। वजीरहसन रोड निवासी चरणप्रीत सिंह बग्गा ने तीन माह पूर्व घरेलु काम के लिए मुस्कान को नौकरी पर रखा था। 12 अप्रैल को मुस्कान परिवार के सदस्यों को लेकर पिछले हिस्से से घर में दाखिल हुई। करीब 50 हजार रुपये का सामान और 20 हजार रुपये नगद चोरी कर लिए। इसके बाद मुस्कान कमरे में दाखिल हुई। जहां चरणप्रीत की पत्नी सो रही थी। आरोपित ने अधिवक्ता की पत्नी पर चाकू से हमला किया। विरोध करने पर गाली देते हुए भाग गई। जिसके बाद चरणप्रीत सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया।

मुकदमा वापस लेने के लिए धमकाया

पीड़ित के मुताबिक, 13 अप्रैल को अनजान नम्बर से कॉल आई। फोन करने वाले ने दरोगा धीरेंद्र प्रताप के तौर पर परिचय देते हुए धमकी दी। चरणप्रीत के मुताबिक मुस्कान और उसके परिवार के कहने पर कॉल कर धमकी दी गई है। इंस्पेक्टर हजरतगंज विक्रम सिंह ने बताया कि अधिवक्ता की तहरीर दो मुकदमे दर्ज कर जांच की जा रही है।

खबर एक नजर

भाई के घर चोरी में बहन गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस ने भाई के घर चोरी करने वाली बहन को गिरफ्तार किया है और बहनोई की तलाश की जा रही है। पकड़ी गयी महिला के कब्जे से चोरी किये हुए गहने व अन्य सामान बरामद हुए हैं। गोसाईगंज इंस्पेक्टर बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि नौ अप्रैल की रात अमित कुमार के घर में चोरी हो गयी थी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही थी। तफ्तीश के दौरान घटनास्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर अमित का सगा बहनोई वीरेंद्र कुमार नजर आया। इस पर पुलिस ने सोमवार रात उसके घर छापेमारी की, जिसमें वीरेंद्र फरार हो गया। वहीं अमित की बहन मोहन देवी को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की तो उसने भाई के यहां पति से चोरी करवाने की बात कबूल की। मोहन देवी ने बताया कि उसका अमित के यहां आना-जाना रहता था और वह वहां की हर गतिविधि से वाकिफ थी। इसकी जानकारी उसने पति को दी और उसने मौका पाकर घर से हाथ साफ कर दिया। पुलिस के मुताबिक, चोरी की साजिश में शामिल मोहन देवी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और उसके पति वीरेंद्र की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। पुलिस का दावा है कि वीरेंद्र को भी जल्द ही गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज जाएगा।

तीन गाड़ियों में भिड़ंत, तीन घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। सीतापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। बीकेटी और सैरपुर थाना क्षेत्र के बॉर्डर के पास सरकपुर सरैया गांव के सामने तीन गाड़ियों की आपस में भिड़ंत हो गयी। एक स्कॉर्पियो ड्राइवर ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिया। इस वजह से स्कॉर्पियो के पीछे से आ रही कार उससे टकरा गई। कार के पीछे से पिकअप आ रही थी, जिसने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार और पिकअप चालक समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही सैरपुर और बख्शी का तालाब थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को पहले नजदीकी निजी अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने के कारण तीनों को ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। सैरपुर थानाध्यक्ष मनोज कोरी ने बताया कि यह बीकेटी थाना क्षेत्र का मामला है। बक्शी का तालाब थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया थाना क्षेत्र के विश्रामम स्कूल में प्रधानाध्यापिका लवली मिश्रा घायल हुई हैं। वहीं उनका ड्राइवर प्रमोद भी घायल हुआ है है। पिकअप चालक का नाम अज्ञात बताया है। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लग गया। बीकेटी और सैरपुर थाना पुलिस ने यातायात को सुचारू किया। पुलिस फरार स्कॉर्पियो चालक की तलाश कर रही है।

प्रेमीयुगल ने खाया विषाक्त पदार्थ, मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। मथुरा रेलवे जंक्शन के द्वितीय प्रवेश द्वार के बाहर टीन शेड में मंगलवार को युवक और युवती ने एक साथ विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। उनके मुंह से झाग निकलता दिखाई दिया तो आसपास के लोगों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076 पर सूचना दी। एंबुलेंस चालक ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जीआरपी प्रभारी निरीक्षक यादराम सिंह ने बताया कि रेलवे स्टेशन के गेट नंबर दो के पास माल गोदाम बना हुआ है। यहीं पर टीन शेड के नीचे मंगलवार सुबह 10 बजे एक प्रेमी युगल ने विषाक्त पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर दोनों तड़पने लगे। युवक और युवती की गंभीर हालत देखकर कुछ लोगों ने 112 पर फोन करके एंबुलेंस को बुलाया। मौके पर पहुंचे एंबुलेंस कर्मी ने तड़प रहे युवक और युवती से उनके नाम पूछे। युवक ने अपना महेंद्र और युवती ने निशा निवासी छतरपुर बताया। एंबुलेंस कर्मी ने दोनों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ जिला अस्पताल पहुंच गई। जीआरपी ने घटनास्थल हाईवे थाना क्षेत्र में होने की बात कहकर हाईवे पुलिस को सूचना दे दी। वही, हाईवे पुलिस में उनका क्षेत्र नहीं होने की कहकर कार्रवाई करने से मना कर दिया। ऐसे में करीब एक घंटे तक दोनों शव अस्पताल के बेड पर ही पड़े रहे। इसके बाद जीआरपी थाना प्रभारी यादराम ने मामले से एसपी सिटी को अवगत कराया है।

अवैध असलहों के साथ तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। एसटीएफ ने आगरा कमिश्नरेट के थाना रकाबगंज क्षेत्र से मंगलवार को अवैध असलहों के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से प्रतिबन्धित 9 एमएम की पिस्टल समेत आधा दर्जन असलहे और कारतूस बरामद हुए है। एसटीएफ टीम के मुताबिक आगरा से गिरफ्तार हथैनी ,चिकसाना भरतपुर राजस्थान निवासी कृष्णा उर्फ करतार उर्फ कृष्ण अवतार ने पूछताछ में बताया कि वर्ष 2016 में उसके दोस्त राजू का झगड़ा कपिल से हुआ था। उसने मारपीट की रिपोर्ट राजस्थान में दर्ज कराई थी जिसमें सुलह समझौता हो गया। वर्ष 2017 में योगी सरपंच पर जानलेवा हमला हुआ। उसने बताया कि 12 जुलाई 2023 को अमोली टोल प्लाजा के पास पुलिस अभिरक्षा में कुलदीप उर्फ कुमरदीप जगीना की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी,जिसमें उसने शूटरों को असलहे उपलब्ध कराये थे। इस मामले में उसे एसटीएफ द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल जाने के बाद आर्थिक तंगी के कारण उसने ग्राम हाथिया जनपद मथुरा से अवैध पिस्टल और तमन्चे खरीदकर उसे बेंचने का काम शुरु कर दिया। उसने बताया कि पिस्टल पर 15 से 20 हजार और तमन्चों पर 3 से 4 हजार रुपये का मुनाफा हो जाता है। पकड़े गये असलहा तस्कर को आगरा के रकाबगंज थाने में दाखिल किया है। उसके खिलाफ आगरा के विभिन्न थानों में 9 मुकदमे दर्ज है।

मकान की शटरिंग गिरने से मजदूर घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। नाका थाना क्षेत्र के राजेंद्रनगर में मंगलवार को एक निर्माणाधीन मकान की शटरिंग गिर जाने से एक मजदूर घायल हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मजदूर को हॉस्पिटल में भर्ती कराया। नाका इंस्पेक्टर के मुताबिक, राजेंद्र नगर महाकाल मंदिर के पास एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था। मंगलवार शाम करीब चार बजे शटरिंग अचानकर भरभराकर गिर गयी। काम कर रहे अन्य मजदूर खुद को बचा ले गए, लेकिन बाजाखाला निवासी 34 वर्षीय विपिन भाग नहीं पाया और उसकी चपेट में आकर घायल हो गया। मजदूर के मलबे में दबने से हड़कंप मच गया।

सड़क हादसों के नाम रहा मंगलवार, 11 की मौत

हाथरस में तीन, कानपुर में तीन की गई जान, तीनों स्थानों पर 15 गंभीर रूप से घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। यूपी में सड़क हादसे थम नहीं रहे है, मंगलवार को अलग-अलग जिलों में बहराइच में पांच, हाथरस में तीन और कानपुर में तीन शिक्षिकाओं समेत चालक की हादसों में जान चली गई। 11 काल के गाल में समा गये जबकि 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। पहला हादसा बहराइच का है। यहां जिले के गोंडा-बहराइच मार्ग पर पयागपुर थाना की खूंटेहना चौकी के गांव कटेला के पास मंगलवार की दोपहर हुई दुर्घटना के मृतकों की शिनाख्त हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के पांच लोगों में दो बच्चें, दो महिलाएं और एक पुरुष है। यह सभी ऑटो से एक रिश्तेदार के यहां वलीमा कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। इस दुर्घटना में 11 लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

अपर पुलिस अधीक्षक के मुताबिक हाथरस में मंगलवार को एक कार अलीगढ़ से फिरोजाबाद की ओर जा रही थी। जैसे ही बस महौं गांव के पास पहुंची उसी दौरान बेकाबू कार ने बाइक और स्कूटी में टकर मार दी। हादसे में बाइक सवार विशाखा पट्टनम में तैनात नौसेना जवान सुमित (22) और उसके भाई अमित (24) की मौत हो गई। दोनों भाई ननिहाल चिरगांव से अपने गांव मुरसान कोतवाली क्षेत्र के पदू जा रहे थे। वहीं, कार की टक्कर से स्कूटी सवार शिव कॉलोनी सिकंद्राराऊ निवासी योगेश कुमार (55) की भी मौत हो गई। उनका बेटा निमेष और फिरोजाबाद निवासी विजय घायल हैं, जिनकी हालत नाजुक होने पर अलीगढ़ रेफर किया गया है। सीएचसी प्रभारी डॉ प्रशांत कुमार ने बताया कि एम्बुलेंस से तीन लोग यहां पर आये थे, जिसमें दो लोग मृत थे। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भेज दिया था। वहीं, मृत युवकों के बारें में पुलिस को सूचना दी गई थी। तीसरा हादसा कानपुर का है। यहां बिठूर थाना क्षेत्र के नारामऊ के पास मंगलवार को बस और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दो महिला अध्यापिकाओं समेत तीन की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। रोज की तरह मंगलवार को अध्यापिकाओं को कार उन्नाव छोड़ने के लिए जा रही थी। नारामऊ के पास कार चालक विशाल द्विवेदी ने सीएनजी भरवाने के लिए जैसे ही हाईवे के पास बने कट से गाड़ी मोड़ी। तभी बगल में चल रही बाइक से टकरा गई। टक्कर लगते ही कार विपरीत दिशा की तरफ घूम गई। इसी दौरान सामने से आ रही एक निजी बस से टकरा गई। हादसे में कार चालक विशाल द्विवेदी, अध्यापिकाएं आकांक्षा मिश्रा, अंजुला मिश्रा और ऋचा अग्निहोत्री कार के अंदर ही फंस गई। बाइक सवार बिल्हौर स्थित एक सरकारी स्कूल में अध्यापक है, वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार का शीशा तोड़कर अध्यापिकाओं और चालक को बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने आकांक्षा मिश्रा (33), अंजुला मिश्रा को मृत घोषित कर दिया, जबकि चालक विशाल की इलाज के दौरान मौत हो गई और कल्याणपुर निवासी ऋचा अग्रिहोत्री की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं बहराइच जिले के पयागपुर क्षेत्र में बस की चपेट में आये ऑटो रिक्शा में सवार दो मासूम समेत पांच की मौत हो गई यह सभी वलीमें से वापस लौट रहे थे।

सड़क सुरक्षा के दावे फेल

सड़क हादसों में आए दिन जा रही हैं जानें यूपी के अलावा अन्य राज्यों में सड़क हादसों पर अंकुश लगाने के लिए सरकारों ने अनगिनत योजनाएं शुरू की, लेकिन योजनाओं की लेट लतीफी, अव्यवस्था, सड़क पर वाहनों की बढ़ती भीड़ और बेतरतीब रफ्तार ने जिन्दगी को खिलौना बना दिया है। आए दिन किसी न किसी राज्य के जिलों में सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या में गिरावट नहीं, बल्कि इजाफा होता नजर आ रहा है।

तीन दिन पहले राजस्थान राज्य के जयपुर के मनोहरपुर दौसा हाईवे पर राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज क्षेत्र स्थित मुसाहिबगंज निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर 32 वर्षीय अभिषेक सिंह, उनकी 30 वर्षीय पत्नी प्रियांशी छह माह की बेटी श्री, 65 वर्षीय पिता सत्यप्रकाश व 63 वर्षीय उनकी मां रमादेवी की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह परिवार के साथ कार में सवार होकर सभी लोग खाटू श्याम मंदिर दर्शन करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान गलत दिशा से आ रहे ट्रेलर से कार की टक्कर हो गई और दोनों वाहन सड़क किनारे खंती में जा गिरी। सड़क पर चलने वाले अधिकतर लोग कामकाजी होते हैं और उन पर बहुत जिम्मेदारियां होती हैं। उनके न होने का दंश घर-परिवार तो भुगतता ही है, समाज को भी अपूर्णीय क्षति होती है। साल-दो साल के आंकड़ों पर गौर करें तो लगातार सड़क हादसों में मरने वालों की संख्या बढ़ी है। इन हादसों के लिए संबंधित विभाग या फिर पुलिस की कहीं न कहीं बेहद लापरवाही नजर आ रही है। तीन दिन के भीतर जिस तरह से एक दर्जन से हुई मौतों से लोग डर महसूस कर रहे हैं।

जिंदगी से आहत महिला ने दी जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी के बीबीडी थाना क्षेत्र में जिंदगी से आहत एक महिला ने फंदे से लटक कर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक, संजीवनी हाउस में देवेंद्र भाटिया 40 वर्षीय पत्नी सुषमा भाटिया और एक बेटे व एक बेटी के साथ रहते हैं। मंगलवार सुबह सुषमा ने कमरे में दुपट्टे के सहारे छत के पंखे से फांसी लगा ली। यह देख परिवार में हड़कंम मच गया। देवेंद्र ने लोगों की मदद से सुषमा को नीचे उतारा और आनन-फानन में हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद डॉक्टरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की, लेकिन खुदकुशी के कारणों का पता नहीं चल सका और न ही पुलिस को कोई सुसाइड नोट मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

पार्क में टहल रही महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

गोमतीनगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक 75 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गयी। वह यूपी दर्शन पार्क में टहल रही थी। अचानक बाहर आकर सड़क किनारे लेट गयी। उसे बेहोशी की हालत में सड़क किनारे लोगों ने पुड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में महिला को राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया। गोमतीनगर इंस्पेक्टर राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मृतका की शिनाख्त का काफी प्रयास किया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद साफ होगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

बेकाबू कार ने तीन को रौंदा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। अलीगंज थाना क्षेत्र के कपूरथला चौराहे पर मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार बिना नंबर प्लेट की कार ने तीन लोगों को रौंद दिया। घटना में हसनगंज के बाबूगंज निवासी सफाईकर्मी राहुल वाल्मीकि कार के नीचे ही दब गए। इसके बाद कार सड़क किनारे लगे पोल में फंसकर रुक गई। मौके पर मौजूद लोगों ने कड़ी मशक्त के बाद कार के नीचे से सफाईकर्मी को बाहर निकालकर उसे ट्रामा सेंटर भेजा। टक्कर लगने से स्कूटी सवार स्थानीय निवासी रामकुमार और उनकी 10 वर्षीय बेटी अस्मिता भी घायल हो गयी, जिसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बाबूगंज निवासी मनीष ने बताया कि उनका भाई राहुल नगर निगम में लगी कार्यदायी संस्था में सफाईकर्मी का काम करता है। मंगलवार की सुबह 7:30 बजे वह भारतेंदु हरिश्चंद्र वार्ड में सफाई करने जा रहा था। वह कपूरथला चौराहे पर खड़ा था। इसी बीच तेज रफ्तार काले रंग की बिना नंबर एसयूवी कार ने उसे टक्कर मार दी। इसी बीच स्कूटी से सड़क पार कर रहे कपूरथला चौराहे के पास रहने वाले रामुकमार अपनी बेटी अस्मिता को छोड़ने स्कूल जा रहे थे। उन्हें भी कार ने टक्कर मारी। इसके बाद सड़क किनारे लगे खंभों से टकरा कर कार रुक गई। राहुल कार के नीचे ही फंस गए। आसपास मौजूद राहगीरों और दुकानदारों ने उन्हें बाहर निकालकर निजी अस्पताल भेजा जहां से हालत गंभीर होने के चलते उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया, जबकि अस्मिता और रामकुमार को निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर विनोद तिवारी ने बताया कि मनीष की तहरीर पर अज्ञात कार चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर चालक की तलाश की जा रही है।

अस्पताल ले जाने के बहाने भागा आरोपी चालक

घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि कार 21-22 साल का कोई लड़का चला रहा था। कार खंभों में फंसने के बाद वह नीचे उतरा और घायल को अस्पताल ले जाने की बात कहने लगा। इस दौरान भीड़ बढ़ी तो उसका फायदा उठाकर घटना स्थल से फरार हो गया। ट्रामा सेंटर में भर्ती राहुल के सिर, दोनों पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं।

टक्कर मार वैन को घसीटता ले गया पिकप

सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में किसान पथ अंडर पास के पास तेज रफ्तार पिकअप डाला ने मंगलवार दोपहर सड़क किनारे खड़ी बंजारों की कार में वैन में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वैन, डाला में फंस गई और करीब 200 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे के समय वैन में कोई सवार नहीं था। इस लिए कोई घायल नहीं हुआ। वैन मालिक चंद्र हास ने बताया कि वह मुरादाबाद के रहने वाले हैं। यहां सड़क किनारे फुटपाथ पर जड़ी बूटियां बेचते हैं। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया और पुलिस को कोई तहरीर नहीं दी।

पिता और भाई के हत्यारे ने खुद को गोली से उड़ाया

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। सुल्तानपुर जिले के कूरेभार थाना अंतर्गत सहरी गांव में दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने वाले आरोपित अजय यादव ने मंगलवार को तमंचे से कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को घटनास्थल के पास से 9 एमएम और 32 एमएम के खोखे मिले हैं। आरोपित ने पिता और भाई की गोली मारकर हत्या करने के बाद आत्मघाती कदम उठाया। लहूलुहान अवस्था में पुलिस ने हत्यारोपी को जिला अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच में जुट गई है। फिलहाल, आत्मघाती कदम उठाए जाने के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। ध्यान रहे कि 13 अप्रैल को देर शाम कूरेभार थाना अंतर्गत जूड़ा पट्टी गांव निवासी पूर्व प्रधान सत्य प्रकाश यादव और उनके पिता काशीराम यादव की छोटे भाई अजय यादव ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पिता और भाई की हत्या करने के बाद हत्यारोपी वहां से भाग निकला था। दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने अजय यादव की पत्नी सुनीता यादव समेत अयोध्या के इनायतनगर निवासी रिश्तेदार अमरबहादुर यादव और बीकापुर निवासी अरविंद यादव को गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। इन लोगों पर पुलिस टीम पर हमला करने और हत्यारोपी को पनाह देने का आरोप था। सूत्रों की मानें तो मंगलवार सुबह घर से कुछ ही दूरी पर नहर के समीप अजय की बुलेट लावारिश हालत में खड़ी मिली। इस पर परिजनों ने पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए वहां बुलाया लिया था। परिजनों का कहना है कि थाने से आए पुलिसकर्मी बुलेट लेकर चले गए थे, लेकिन अजय का कहीं सुराग नहीं मिल सका था। करीब लगभग 72 घंटे से पुलिस हत्यारोपी की तलाश कर रही थी। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस गांव में दबिश डाल रही थी, अभियुक्त घर के अंदर ही था। पुलिस से घिरता देख खुद ही कनपटी पर पिस्टल से फायर कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त को मेडिकल कॉलेज भेजते हुए जांच पड़ताल में जुटी है।

बेखौफ चोरों ने बोला कई दुकानों में धावा

स्वतंत्र भारत सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में बीती रात बेखौफ चोरों ने एक इलेक्ट्रिकल दुकान एक अंग्रेजी शराब दुकान एक परचून दुकान व कैफे को अपना निशाना बनाकर लाखों का सामान और नगदी बटोर ले गये। मंगलवार सुबह जानकारी होने पर पीड़ितों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस सीसीटीवी कैमरों के सहारे चोरों का सुराग लगा रही है। सरोजनीनगर के हाइडिल अमौसी रेलवे स्टेशन रोड पर हनुमान पुरी गली नंबर .6 के पास रहने वाले विनय राजपूत की रोड के किनारे ही सिद्धि विनायक नाम से इलेक्ट्रिकल सामान की दुकान है। दुकान के पीछे ही वह परिवार सहित घर में रहते हैं। विनय के मुताबिक सोमवार रात करीब 9रू30 बजे दुकान बंद कर घर चले गए। मंगलवार सुबह करीब 5 बजे उनकी मां विमला घर से निकल कर दुकान तरफ टहलते हुए पहुंची तो दुकान का सटर टूटा मिला। उसे देख उनके होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत घर पहुंचकर बेटे विनय को इसकी जानकारी दी। बाद में दुकान पहुंचकर विनय ने देखा तो दुकान के अंदर गल्ला टूटा होने के साथ ही उसमें रखे करीब 50 हजार रुपये गायब मिले।

10 जिलों को ईमेल से मिली बम की धमकी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। बीते दिनों उत्तर प्रदेश के करीब 10 जिलों के कलेक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल पर भेजी गई है। ईमेल मिलते ही इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। आनन-फानन में पुलिस डॉग स्क्वाड एंटी टेररिस्ट टीम समेत भारी पुलिस बल कलेक्ट्रेट पहुंचा और जांच पड़ताल की गई कहीं कोई परिसर व कार्यालय में कोई भी बम जैसा या फिर बिस्फोटक सामग्री नहीं मिली तब जाकर पुलिस प्रशासन ने राहत की सांश ली। उधर, बम मिलने की अफवाह पर कलेक्ट्रेट में तैनात अधिकारी और कर्मचारी सभी बाहर निकल आए। साइबर सेल व अन्य टीमें ई-मेल भेजने वाले की तलाश में जुटी हुई है। हालांकि माना जा रहा है कि 17 अप्रैल को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघ चालक मोहन भागवत पांच दिन के अलीगढ़ प्रवास पर आ रहे हैं। संभावना है कि किसी अराजक तत्व ने ऐसा किया है। पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुट गई है। इससे पहले नौ जनवरी को एएमयू केंपस को उड़ाने की धमकी भी ईमेल पर ही मिली थी, जबकि इससे पहले रेलवे स्टेशन को बम से उड़ने की धमकी के बाद हाई अलर्ट जारी किया गया था।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंचालक मोहन भागवत के आगमन को लेकर शाम 4ः00 बजे से कलक्ट्रेट में पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक होनी थी। यह भी माना जा रहा है कि पुलिस प्रशासनिक अफसर बम के बहाने मॉक ड्रिल कर सुरक्षा व्यवस्था को परखने का भी काम कर रहे हैं। अलीगढ़ के साथ ही बाराबंकी व चंदौली में जिलाधिकारी कार्यालय में बम की सूचना मिली है। वहीं सूचना है कि यूपी के 10 जिलों को धमकी मिली है।

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मामले में एफआईआर दर्ज

अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल मिलने के बाद मामले में मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई है। रविवार को भेजे गए ईमेल में मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने के साथ ही सुरक्षा बढ़ाने की हिदायत दी गई थी।ईमेल मिलने के बाद व्यापक सर्च अभियान चलाया गया था और सतर्कता बढ़ा दी गई थी। हालांकि, सर्च अभियान में कुछ भी नहीं मिला था फिर भी मामले को गंभीरता से लेते हुए राम जन्मभूमि ट्रस्ट कार्यालय के अकाउंट ऑफिसर महेश कुमार ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।बता दें कि अयोध्या में हर रोज देश भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। सुरक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसके लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आ रहा है।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

टीबी की रोकथाम

टीबी यानी क्षय रोग इस समय दुनिया की कई घातक बीमारियों में एक बन चुका है। इससे सबसे प्रभावित देशों में भारत भी आता है। विश्व के कुल टीबी मामलों में 26 प्रतिशत यहीं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2020 में भारत में इसके करीब 18 लाख रोगी थे जो 2024 में बढ़कर 24 लाख हो गए। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी यह रिपोर्ट बहुत चौंकाने वाली है, जिसमें कहा गया है कि टीबी ने 2023 में दुनिया की सबसे संक्रामक बीमारी का दर्जा फिर हासिल कर लिया है. संगठन के अनुसार भारत में हर तीन मिनट में दो लोगों की जान इसी से जाती है। हालांकि यह भी अच्छी बात है कि सरकार इस खतरे को लेकर पूरी तरह सचेत है। वैश्विक लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक भारत को क्षय रोग मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है. सरकार ने राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीइपी) के तहत मुफ्त जांच और इलाज की सुविधा उपलब्ध करायी है. टीबी मरीजों की मासिक पोषण सहायता भी बढ़ायी गयी है. टीबी आमतौर पर फेफड़ों को प्रभावित करती है, पर यह शरीर के अन्य हिस्सों को भी प्रभावित कर सकती है. टीबी के मरीज के बोलने, खांसने या छींकने के दौरान मुंह या नाक से निकले ड्रॉपलेट्स से स्वस्थ व्यक्ति भी संक्रमित हो सकता है. पौष्टिक आहार की कमी, एचआइवी संक्रमण, धूम्रपान, शराब का सेवन, डायबिटीज और कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र टीबी के कारण हैं. उचित देखभाल और समय पर इलाज से टीबी के खिलाफ लड़ाई जीती जा सकती है. 2023 में टीबी से दुनिया में 12.5 लाख लोगों की मौत हुई. उस साल भारत में टीबी से हुई मौत का आंकड़ा 3.20 लाख था. 2023 में टीबी की रोकथाम और देखभाल में वैश्विक वित्तपोषण में कमी आयी. अमेरिका द्वारा वित्तीय मदद घटाने तथा दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध, संघर्ष और उथल-पुथल का नतीजा गरीब देश टीबी के बढ़ते बोझ के रूप में भुगत रहे हैं. एक रिपोर्ट, 2024 के मुताबिक, 2015 से 2023 के बीच भारत में टीबी के मामलों में 17.7 फीसदी की गिरावट देखी गयी, जो वैश्विक औसत 8.3 की तुलना में दोगुने से भी अधिक है।

'नीला ड्रम'

कुछ वर्षों पहले बिहार के अपराध जगत में 'ऊपर से छह इंच छोटा कर देने' का डायलॉग काफी चर्चित रहा था। ये किसी को सिर काट लेने की धमकी का इशारा था। अब यूपी में 'नीला ड्रम' की धमकी काफी लोकप्रिय हो रही है। इसका मतलब भी जान लेने की धमकी है। हुआ यह था कि कुछ दिनों पहले मेरठ में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की बेहद निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी और शव को एक नीले ड्रम में ठूंस दिया था। यह सनसनीखेज खबर आने के बाद 'नीला ड्रम' कुछ इस तरह मशहूर हो गया कि अन्य शहरों की कुछ महिलाओं द्वारा भी अपने पतियों को 'नीला ड्रम' की धमकियां देने की खबरें मीडिया में आने लगी हैं। ये धमकी अब पति-पत्नी के झगड़े तक ही सीमित नहीं रही है। लखनऊ के एक ऑटो ड्राइवर ने किराए के विवाद में एक महिला सिपाही को यह कह कर धमकाया कि 'ज्यादा हेकड़ी दिखाओगी तो नीले ड्रम में मिलोगी।' ये बात और है कि सवारी के रूप में ऑटो में बैठी महिला द्वारा अपनी पहचान बताने पर वह भागने की कोशिश में पकड़ा गया। ऐसे में यह जरूर लगता है कि 'नीला ड्रम' अपराध की मानसिकता को अप्रत्यक्ष रूप से ग्लैमराइज जरूर कर रहा है। इसके प्रभाव में भी आकर अपराध की ओर रुझान रखने वाले कुछ पुरुष-महिलाएं हत्या तक को अंजाम देकर 'नायक-नायिका' होने की आपराधिक संतुष्टि का सुख लेने की कोशिश कर सकते हैं। हालांकि ऐसा करना उनकी जिंदगी को भी तबाह ही करेगा लेकिन परपीड़क आपराधिक दिमाग इसकी चिंता ही कब करता है। ज्यादातर अपराध 'बहादुरी की शान' महसूस करने के लिए ही किए जाते हैं। यही बात 'नीले ड्रम' के निगेटिव डायलॉग के पीछे भी है जो एक तरह से खून बहाने के लिए उकसाता ही है।

काँव-काँव

◆◆◆

कांग्रेस के समय देश ब्लैक आऊट में रहा- मोदी
अब पूरा ब्लैक अंदर है, कहीं ब्लैक आऊट नहीं!

अरब सागर में पकड़ी गयी करोड़ों रुपये की ड्रग्स
रोजमर्रा इस्तेमाल की चीज़ वापस आ रही है!

सलमान की कार को बम से उड़ाने की धमकी
वैज्ञानिक पानी से जहाज उड़ाने मे जुटे हैं!

भगोड़ा मेहुल चौकसी बेल्जियम में गिरफ्तार
भारत से सुरक्षित भगाने वालों का भी कम

बाबा साहब के नाम पर जीरो पावर्टी अभियान
अस्सी करोड़ लोग मुफ्त अनाज पर जिंदा रहेंगे!

नीतीश सरकार के महत्वाकांक्षी गंगा पथ में दरार
बिहार में भ्रष्टाचार का सिस्टम बिल्कुल पुख्ता है!

◆◆◆

कांग्रेस को चाहिए एक और इंदिरा

-प्रभु चावला

गुजरात की भीषण गर्मी में, दो कद्दावर कांग्रेसियों- महात्मा गांधी और सरदार वल्लभभाई पटेल, के गृहराज्य में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एक बार फिर एकत्र हुई. गांधी टोपी और सफेद कुर्ता-पाजामे में करीब 150 वरिष्ठ और मध्यम श्रेणी के पार्टी कार्यकर्ता अहमदाबाद में आयोजित कॉन्क्लेव में बैठे, जो प्रतीकात्मक होने के साथ आत्ममंथन और रणनीतिक पहल का भी अवसर था. कांग्रेस के अस्तित्व से जुड़ा यह शहर फिर पार्टी द्वारा अपनी जड़ें तलाशने की कोशिश का गवाह बना. यह अवसर सत्तारूढ़ भाजपा का विकल्प बनने के लिए रणनीति पेश करने का नहीं, बल्कि पार्टी की लुप्त होती प्रासंगिकता को वापस लाने और गांधी परिवार की कमजोर होती विरासत को मजबूती देने का था. इस आयोजन की टाइमिंग भी महत्वपूर्ण थी। यह पटेल की 150 वीं जयंती और महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का सौवां साल है. हालांकि 'न्यायपथ : संकल्प, समर्पण और संघर्ष' जैसे नारों के बावजूद कांग्रेस के अस्तित्व से जुड़े प्रश्न अनुत्तरित ही रहे. जैसे 2025 में कांग्रेस का मुद्दा क्या है? पार्टी का नेतृत्व कौन कर रहा है? और क्या गांधी परिवार के रहते हुए भी या इनके बगैर पार्टी का अस्तित्व बना रहेगा? पिछले करीब चार दशकों से कांग्रेस विश्वसनीय राजनीतिक विकल्प बनने के बजाय गांधी परिवार के वंशवादी आभामंडल को बनाये रखने का मंच भर रह गयी है. कभी इंदिरा गांधी कांग्रेस का पर्याय थीं. आज पार्टी बिखर गयी है, इसकी वैचारिकता भ्रांत और संगठन खोखला है. अहमदाबाद की बैठक में राहुल गांधी प्रभावी रहे. वर्ष 2014 से ही वह कांग्रेस के राजनीतिक संघर्ष का चेहरा बने हुए हैं. पर उनके दिशानिर्देश में भी कांग्रेस की छवि एक अनिच्छुक, अनियमित और अस्पष्ट राजनीतिक पार्टी की है. सम्मेलन में सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और राज्य स्तरीय नेताओं की मौजूदगी रही, पर उनकी सामूहिक गंभीरता भी पार्टी की हताशा को छिपाने में विफल रही. जोश दिखाने के बजाय कांग्रेस नेता घिसी-पिटी बातें करते और लंबे प्रस्ताव पारित करते दिखायी पड़े. गुजरात के अहमदाबाद को कांग्रेस ने 64 साल बाद एक महत्वपूर्ण राजनीतिक आयोजन के लिए चुना. मोदी और सरदार पटेल के गृहराज्य में अपनी खोयी हुई

राजनीतिक जमीन हासिल करने की कांग्रेस की प्रतीकात्मकता स्पष्ट थी. जिला इकाइयों को ताकतवर बनाने, धार्मिक ध्रुवीकरण पर अंकुश लगाने और एकता कायम रखने की पटेल की विरासत पर हुई बहस ने बताया कि पार्टी किस तरह विखंडित है. आंतरिक रूप से पार्टी में भारी गुटबंदी है, जमीनी स्तर पर नेतृत्व का अभाव है और नेतृत्व केंद्रीकृत है. सम्मेलन में जिला प्रमुखों के बीच शक्ति के विकेंद्रीकरण की बात कही गयी, पर संदेह है कि इस पर अमल होगा. नियुक्तियां अब भी राहुल गांधी के नजदीकियों द्वारा किये जाने की उम्मीद है. काबिलियत और जनाधार पर अब भी बाहुबल, पैसे और परिवार के प्रति निष्ठा को तरजीह मिलती है. पार्टी के लोकतांत्रिक संस्कार दिखावे के लिए ही ज्यादा हैं. कांग्रेस की परेशानी सिर्फ ढांचागत नहीं है, मनोवैज्ञानिक भी है. संसद में आज तीन गांधी हैं-सोनिया गांधी राज्यसभा में तथा राहुल और प्रियंका लोकसभा में. इनका चुनावी अस्तित्व अपने व्यक्तिगत जनाधार के बजाय केरल जैसे राज्यों में पार्टी की मशीनरी तथा सपा जैसे सहयोगियों पर ज्यादा निर्भर है. कभी मतदाताओं को अपनी तरफ आकर्षित करने वाला गांधी परिवार आज राजनीतिक जिम्मेदारी ज्यादा लगता है. राहुल गांधी का नेतृत्व विरोधाभासी है. वह भाजपा के बहुसंख्यकवाद, संघ की सांस्कृतिक योजना तथा मोदी के प्रधानमंत्री काल में बढ़ती आर्थिक असमानता पर दृढ़ता से अपनी बात रखते हैं. उनकी भारत जोड़ो तथा भारत जोड़ो न्याय यात्राओं ने कांग्रेस को नयी ऊर्जा दी है. पर व्यावहारिक नेतृत्व के मामले में- यानी गठबंधन बनाने, गुटबंदी और विवाद खत्म करने व संगठन का जज्बा बनाये रखने की बात आती है, उनका रिकॉर्ड विचित्र है. संपूर्ण गैरभाजपाई विपक्ष का नेतृत्व करने की उनकी अनिच्छा से भी मोदी और उनके विचारों के विकल्प की संभावना को नुकसान पहुंचा है. 'इंडिया' गठबंधन में भी कांग्रेस का नेतृत्व मजबूत नहीं है. द्रमुक और राजद जैसे दल राहुल को पसंद करते हैं, पर ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल और अखिलेश जैसे क्षत्रप कांग्रेस को बहुत तरजीह नहीं देते. बीते साल राहुल गांधी को मिला नेता विपक्ष का दर्जा एक बड़ा अवसर था, पर सीट वितरण विवाद और क्षेत्रीय वर्चस्व जैसे मुद्दों से कांग्रेस और उनके सहयोगियों के बीच का अविश्वास ही सामने आया. वैचारिक रूप से राहुल गांधी सामाजिक न्याय, बेरोजगारी और कल्याणकारी लोकप्रियतावाद पर जोर दे रहे हैं. जाति जनगणना पर उनका जोर देना और ओबीसी, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजातियों को आकर्षित करने के लिए आरक्षण की सीमा को 50 फीसदी से ऊपर ले जाने का वादा करना ऐसे विषय हैं, जिनकी कांग्रेस हमेशा उपेक्षा करती आयी है. राहुल की इस रणनीति के मिश्रित नतीजे आये हैं. कर्नाटक और तेलंगाना में पार्टी को जीत मिली, पर दूसरे राज्यों में वह सफल नहीं हो पायी. वर्ष 2014 से 2024 के बीच इसे सिर्फ नौ राज्यों में जीत मिली, जबकि इस दौरान इसने 25 राज्यों में सत्ता गंवा दी. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली 52 सीटों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिलीं, जो बताती है कि पार्टी के लिए सब कुछ खत्म नहीं हुआ है. कुल 21.2 प्रतिशत राष्ट्रीय वोट शेयर के साथ यह अब भी अखिल भारतीय राजनीतिक पार्टी बनी हुई है. ज्यादातर क्षेत्रीय पार्टियों के विपरीत, हिंदी प्रदेशों, पूर्वोत्तर, दक्षिण भारत और मध्य भारत के हिस्सों में इसकी मौजूदगी है. पर अखिल भारतीय उपस्थिति से चुनाव नहीं जीते जाते. इसके लिए करिश्मा, स्पष्टता और निरंतरता जरूरी है. कांग्रेस को पुनर्जीवित करने के लिए नया नेतृत्व मॉडल चाहिए,जहां क्षेत्रीय नेताओं के फलने-फूलने की जगह हो और जहां यह स्वीकारा जाता हो कि गांधी परिवार भारत की विपक्षी राजनीति की धुरी नहीं हैं. राहुल गांधी या तो फुल टाइम नेता की भूमिका निभायें या नयी प्रतिभा को जिम्मेदारी सौंपें. कांग्रेस को एक और इंदिरा गांधी की जरूरत है. वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए अवसर और चेतावनी, दोनों होंगे. उसमें विफल होने पर उसे स्थायी तौर पर भारतीय राजनीति में सहायक की भूमिका में सिमट जाना होगा. अगर कांग्रेस अपने अस्तित्व के प्रति गंभीर है, तो उसे प्रतीकात्मक बदलाव से ज्यादा कुछ करना होगा. उसे नेतृत्व का विकेंद्रीकरण करना होगा, साहसी वैचारिक एजेंडा तैयार करना होगा और विश्वसनीय राष्ट्रीय गठबंधन बनाना होगा।

प्रेमचंद की कहानियां

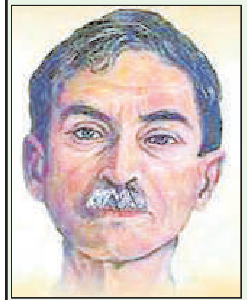

कजाकी

मैं रोते ही रोते सो गया। सवेरे ज्यों ही आंखें खुलीं, मैंने अम्मां जी से कहा-कजाकी को बुलवा दो। अम्मां ने कहा-आदमी गया है, बेटा! कजाकी आता होगा। मैं खुश होकर खेलने लगा। मुझे मालूम था कि अम्मां जी जो बात कहती हैं, उसे पूरा जरूर करती हैं। उन्होंने सवेरे ही एक हरकारे को भेज दिया था। दस बजे जब मैं मुन्नू को लिये हुए घर आया, तो मालूम हुआ कि कजाकी अपने घर पर नहीं मिला। वह रात को भी घर न गया था। उसकी स्त्री रो रही थी कि न जाने कहां चले गये। उसे भय था कि वह कहीं भाग गया है।

बालकों का हृदय कितना कोमल होता है, इसका अनुमान दूसरा नहीं कर सकता। उनमें अपने भावों को व्यक्त करने के लिए शब्द नहीं होते। उन्हें यह भी ज्ञात नहीं होता कि कौन-सी बात उन्हें विकल कर रही है, कौन-सा कांटा उनके हृदय में खटक रहा है, क्यों बार-बार उन्हें रोना आता है, क्यों वे मन मारे बैठे रहते हैं, क्यों खेलने में जी नहीं लगता? मेरी भी यही दशा थी। कभी घर में आता, कभी बाहर जाता, कभी सड़क पर जा पहुंचता। आंखें कजाकी को ढूंढ़ रही थीं। वह कहां चला गया? कहीं भाग तो नहीं गया ?

तीसरे पहर को मैं खोया हुआ-सा सड़क पर खड़ा था। सहसा मैंने कजाकी को एक गली में देखा। हां, यह कजाकी ही था। मैं उसकी ओर चिल्लाता हुआ दौड़ा; पर गली में उसका पता न था, न जाने किधर गायब हो गया। मैंने गली के इस सिरे से उस सिरे तक देखा; मगर कहीं कजाकी की गंध तक न मिली।

घर जाकर मैंने अम्मां जी से यह बात कही। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

◆◆◆

दानशक्ति प्रिय बोलिबो, धीरज उचित विचार।
ये गुण सीखे ना मिलें, स्वाभाविक हैं चार।।

मनुष्य के अंदर कुछ गुण स्वयं से उत्पन्न होते हैं। जैसे दान करना, मीठी बातें करना, लोगों की सेवा करना, समय पर सही-गलत का निर्णय लेना। इसे कहीं और से नहीं सिखा जा सकता।

◆◆◆

खबरों के शोर में इंसानियत की आवाजें

- डॉ. वर्तिका

तेईस साल का बेटा अपने माता-पिता और 20 साल की बहन की हत्या करता है, फिर सुबह की सैर पर निकल जाता है. घर लौटने पर वह एक कहानी गढ़ता है. पुलिस को फोन करता है और कहता है कि उसकी गैरमौजूदगी में किसी ने उसके घर में इतनी भयंकर वारदात कर दी है. दिल्ली पुलिस जांच में जुटती है और कुछ ही घंटों बाद इस नतीजे पर पहुंचती है कि इन हत्याओं को अंजाम देने वाला खुद यही युवक था. नौ जुलाई, 2024 को दिल्ली की गीता कॉलोनी के पास 38 साल के एक व्यक्ति को 100 दुर्लभ और संरक्षित कछुए के बच्चों के साथ गिरफ्तार किया गया।

तेईस साल का बेटा अपने माता-पिता और 20 साल की बहन की हत्या करता है, फिर सुबह की सैर पर निकल जाता है. घर लौटने पर वह एक कहानी गढ़ता है. पुलिस को फोन करता है और कहता है कि उसकी गैरमौजूदगी में किसी ने उसके घर में इतनी भयंकर वारदात कर दी है. दिल्ली पुलिस जांच में जुटती है और कुछ ही घंटों बाद इस नतीजे पर पहुंचती है कि इन हत्याओं को अंजाम देने वाला खुद यही युवक था. नौ जुलाई, 2024 को दिल्ली की गीता कॉलोनी के पास 38 साल के एक व्यक्ति को 100 दुर्लभ और संरक्षित कछुए के बच्चों के साथ गिरफ्तार किया गया. ये सारे कछुए एक बैग में ठूंसे हुए थे और एक दोपहिया वाहन पर ले जाये जा रहे थे. जब पुलिस ने वाहन को रोका, तो एक बड़े काले रंग के बैग में बहुत सारे कछुए ठुंसे हुए थे. पुलिस ने इन कछुओं को तुरंत एक पुलिस स्टेशन में ले जाकर पानी से भरी बाल्टियों में रखा. छोटे-छोटे उन कछुओं को बाद में कड़कड़डुमा अदालत में जज के सामने पेश किया गया. आरोपी को भी अदालत में पेश किया गया. पुलिस ने देखा कि इतने दिनों से बैग में बंद रहने के कारण कछुओं की हालत बदतर थी. पुलिस ने उन्हें तुरंत पानी में रखा और उनके लिए पानी, बीज और फल का इंतजाम किया. शाम को उन कछुओं को असोला भट्टी वन्यजीव अभयारण्य ले जाया गया. इस तरह से उन कछुओं को बचा लिया गया और इस कहानी का सुखद अंत हुआ। सोलह जनवरी, 2022 को शुरू हुई सच्ची और संजीदा कहानियों के इस पिटारे का नाम है- 'किस्सा खाकी का'. यह देश के किसी भी पुलिस विभाग की पहली पॉडकास्ट सीरीज है, जिसका संचालन और प्रस्तुतिकरण दिल्ली पुलिस करती है. कहानियां लोगों को जोड़ने का काम करती हैं, यह बात पुलिस ने भी समझी. वर्ष 2022 में जब 'किस्सा खाकी का' की शुरुआत को मंजूरी दी गयी, तब किसी को भी इस बात का इल्म नहीं था कि देखते ही देखते कहानियों का यह पिटारा पुलिस स्टाफ के मनोबल को इस कदर बढ़ाएगा और लोगों के दिलों में जगह बनाने लगेगा. अब तक हुए तमाम अंकों में हर बार किसी ऐसे किस्से को चुना गया, जो किसी अपराध के सुलझने या फिर मानवीयता से जुड़ा हुआ था. दिल्ली पुलिस अपने सोशल मीडिया के विविध मंचों पर हर रविवार को दोपहर दो बजे एक नयी कहानी रिलीज करती है. आकाशवाणी भी अब इन पॉडकास्ट को अपने मंच पर सुनाने लगी है. दिल्ली पुलिस ने अपने मुख्यालय में 'किस्सा खाकी का' एक सेल्फी पॉइंट बना दिया है, ताकि स्टाफ यहां पर अपनी तस्वीरें ले सके और प्रेरित हो सके. आवाज की उम्र चेहरे की उम्र से ज्यादा लंबी होती है. 'तिनका-तिनका जेल रेडियो' जेलों की आवाजों को आगे लाने का काम एक लंबे समय से कर रहा है. 'किस्सा खाकी का' और 'तिनका-तिनका जेल रेडियो', ये दोनों पॉडकास्ट भारत के अनूठे और नवीन पॉडकास्ट हैं. मार्च महीने में 'तिनका जेल' पॉडकास्ट ने अपने 99 अंक पूरे किये. इन दोनों

पॉडकास्ट की सफलता की कुंजी इनके नयेपन, सकारात्मकता और गतिमयता में है. कंटेंट खालिस हो, तो वह हौले-हौले अपनी जगह बनाने की आश्वस्ति देता ही है. यही वजह है कि शॉट्स की भीड़ और मसालेदार खबरों के शोर में इंसानियत की आवाजें उठने लगी हैं. आवाजों की ये कोशिशें इस अंधेरे संसार में दीया बन रही हैं. लेकिन यह मानना होगा कि जिस तेजी से झूठ वायरल होता है, मनोरंजन और मसाला बिकता है, उतने ही धीमे ढंग से जिंदगी की नर्माहट स्वीकारी जाती है. जेल और पुलिस, दोनों का परिचय अंधेरे से है. दोनों के साथ पारंपरिक तौर से नकारात्मकता की छवियां जुड़ी हैं. अंग्रेजों के जमाने से चली आ रही इन क्रूर छवियों को तोड़ना चुनौती है. दूसरे, समाज जिस आसानी से बाजारी प्रचार से मिली खबरों को पलकों में बिठाता है, वैसा उन कहानियों के साथ नहीं होता, जिनसे सिर्फ संवेदना जुड़ी होती है. दुनिया शायद ऐसे ही चलती है. बहरहाल, समय की गुल्लक में ऐसी कहानियों का जमा होना तिनका भर उम्मीद को बड़ा विस्तार तो देता ही है. लेकिन सच्ची और संजीदा कहानियों की कुछ सीमाएं भी होती हैं. मसालेदार स्वाद का आदी हो चुका दर्शक-श्रोता कई बार सीधी-सादी कहानियों का ज्यादा स्वाद नहीं ले पाता. जिस तरह से दूरदर्शन की छवि को उसके सरकारीपन से जोड़ कर दर्शक उसके पक्ष को कई बार नजरअंदाज करके शोर भरे चैनलों को तरजीह देने लगता है, ठीक वैसे ही बिना हंगामे के अपनी बात कहते 'किस्सा खाकी का' और 'तिनका जेल रेडियो' जैसे पॉडकास्ट वायरल नहीं होते. लेकिन इससे इन पॉडकास्ट के वजूद के होने की वजह कम नहीं होती. सेहतमंद कंटेंट और सेहतमंद खाना एक उम्र और समझदारी के बाद ही जिंदगी में शामिल हो पाता है।

प्रेरक प्रसंग

सत्कार और तिरस्कार

एक थका मांदा शिल्पकार लंबी यात्रा के बाद किसी छायादार वृक्ष के नीचे विश्राम के लिये बैठ गया। अचानक उसे सामने एक पत्थर का टुकड़ा पड़ा दिखाई दिया। उसने उस सुंदर पत्थर के टुकड़े को उठा लिया, सामने रखा और औजारों के थैले से छेनी-हथौड़ी निकालकर उसे तराशने के लिए जैसे ही पहली चोट की, पत्थर जोर से चिल्ला पड़ा, उफ मुझे मत मारो। दूसरी बार वह रोने लगा, मत मारो मुझे, मत मारो... मत मारो। शिल्पकार ने उस पत्थर को छोड़ दिया, अपनी पसंद का एक अन्य टुकड़ा उठाया और उसे हथौड़ी से तराशने लगा। वह टुकड़ा चुपचाप वार सहता गया और देखते ही देखते उसमे से एक एक देवी की मूर्ती उभर आई। मूर्ती वहीं पेड़ के नीचे रख वह अपनी राह पकड़ आगे चला गया। कुछ वर्षों बाद उस शिल्पकार को फिर से उसी पुराने रास्ते से गुजरना पड़ा, जहां पिछली बार विश्राम किया था। उस स्थान पर पहुंचा तो देखा कि वहां उस मूर्ती की पूजा अर्चना हो रही है, जो उसने बनाई थी। भीड़ है, भजन आरती हो रही है, भक्तों की पंक्तियां लगीं हैं, जब उसके दर्शन का समय आया, तो पास आकर देखा कि उसकी बनाई मूर्ती का कितना सत्कार हो रहा है! जो पत्थर का पहला टुकड़ा उसने, उसके रोने चिल्लाने पर फेंक दिया था वह भी एक ओर में पड़ा है और लोग उसके सिर पर नारियल फोड़ फोड़ कर मूर्ती पर चढ़ा रहे है।

शिल्पकार ने मन ही मन सोचा कि जीवन में कुछ बन पाने के लिए शुरू में अपने शिल्पकार को पहचानकर, उनका सत्कारकर कुछ कष्ट झेल लेने से जीवन बन जाता हैं। बाद में सारा विश्व उनका सत्कार करता है। जो डर जाते हैं और बचकर भागना चाहते हैं वे बाद में जीवन भर कष्ट झेलते हैं, उनका सत्कार कोई नहीं करता।

आपका पत्र मिला

डोनाल्ड ट्रंप का शतरंजी खेल

अमेरिका को फिर से महान बनाना है, यह नारा न सिर्फ डोनाल्ड ट्रंप की पहचान बन गया, बल्कि एक पूरी विचारधारा का प्रतीक भी। परंतु जब यह नारा अनिश्चित नीतियों, उलझनभरे बयानों और बाज़ार की उठा-पटक से जुड़ने लगता है, तो सवाल उठना लाज़मी है। यही विचार मन में गूंजने लगता है कि क्या वाकई यह सब किसी मास्टर प्लान का हिस्सा था या एक बेतरतीब प्रयोग? अमेरिका के राष्ट्रपति रहते हुए ट्रंप ने कई बार ऐसी नीतियां अपनाईं, जिनका सीधा असर शेयर बाज़ार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ा। कभी चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध, तो कभी अप्रवासियों पर कड़े कानून,इन सबका बाज़ार में मिला-जुला असर पड़ा। लेकिन हालिया घटनाक्रम ने लोगों को फिर से सोचने पर मजबूर कर दिया कि कहीं यह सब एक सुनियोजित आर्थिक चाल तो नहीं? जब ट्रंप प्रेस से बात नहीं कर रहे होते हैं, तो वे गोल-गोल खेल खेलते नजर आते हैं.अर्थात स्पष्टता की बजाय वह ऐसे बयान देते हैं जो किसी भी दिशा में मोड़े जा सकते हैं। यही उनकी राजनीतिक शैली की सबसे जटिल विशेषता रही है। समर्थक उन्हें डील मेकर कहते हैं, विरोधी उन्हें डिस्टरप्टर। मगर सवाल यह है कि क्या किसी राष्ट्राध्यक्ष का व्यवहार इस कदर अस्थिर होना चाहिए कि उसकी बातों से पूरी अर्थव्यवस्था हिल जाए? भारतीय निवेशकों में डर और भ्रम की स्थिति बन गई। ट्रंप का राजनीतिक और आर्थिक शैली उस शतरंजी खिलाड़ी जैसी रही है जो हर चाल से विरोधी को भ्रमित करता है। लेकिन जब यह शतरंज पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर असर डालने लगे, तब जिम्मेदारी का भाव भी अपेक्षित है। कभी हां तो कभी न की नीति से न तो लोकतंत्र मजबूत होता है, न ही अर्थव्यवस्था।

विभूति बुपक्या
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं। **संपादक,**
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

भारत में हैं दुनिया के 70 प्रतिशत बाघ

भारत में बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है, जो बाघ संरक्षण की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (हृञ्जष्ट) की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में देश में बाघों की कुल संख्या 3,682 दर्ज की गई है। यह आंकड़ा भारत को दुनिया का सबसे बड़ा टाइगर रेंज कंट्री बनाता है।

2006 से अब तक दोगुनी से भी ज्यादा हुई संख्या

जहां 2006 में देश में केवल 1,411 बाघ थे, वहीं 2018 तक यह आंकड़ा 2,967 तक पहुंचा। अब 2022 में यह संख्या बढ़कर 3,682 हो गई है, यानी पिछले 16 सालों में बाघों की संख्या दोगुनी से ज्यादा हो चुकी है। इस वृद्धि के पीछे एक मजबूत संरक्षण रणनीति और बाघों के लिए सुरक्षित आवास क्षेत्रों का निर्माण मुख्य कारण रहे हैं।

दुनिया के 70% बाघ भारत में

भारत में बाघों की संख्या में निरंतर वृद्धि के साथ-साथ यह भी तथ्य सामने आया है कि दुनिया के लगभग 70% बाघ अब भारत में पाए जाते हैं। यह आंकड़ा भारत को विश्व में बाघों का सबसे बड़ा घर बनाता है।

सबसे बड़ा वाइल्डलाइफ सर्वे

भारत में बाघों की सटीक गणना के लिए हर चार साल में एक बड़ा सर्वे किया जाता है। 2018 की बाघ गणना को दुनिया का सबसे बड़ा वाइल्डलाइफ सर्वे माना जाता है। इस सर्वे में 381,400 वर्ग किमी क्षेत्र को कवर किया गया और करीब 3.5 करोड़ वाइल्डलाइफ तस्वीरें ली गईं। यह सर्वे बाघों की सही संख्या का अनुमान लगाने और उनके आवासों की पहचान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम था।

बाघों की संख्या

भारत में एक साल से ज्यादा उम्र के कुल 2,461 बाघों की तस्वीरें कैमरों से ली गईं। अनुमान है कि देश में बाघों की कुल संख्या करीब 2,967 है, जो 2,603 से 3,346 के बीच हो सकती है। इसमें से लगभग 83% बाघ ऐसे हैं जिनकी तस्वीरें कैमरा ट्रैप के जरिए सीधे तौर पर ली गई हैं। कुल बाघों में से 87%की गिनती कैमरा ट्रैप के जरिए कैप्चर-मार्क-रिकैप्चर तकनीक से की गई, जबकि बाकी 13% की संख्या का अनुमान सांख्यिकीय मॉडल की मदद से लगाया गया।

गर्मी की छुट्टियां में सिर्फ मस्ती नहीं, घर बैठे सीखें और कमाएं भी जानें तरीके

स्कूल की गर्मी की छुट्टियां छात्रों के लिए मस्ती और आराम का समय होती हैं, लेकिन अगर इस समय का सही इस्तेमाल किया जाए, तो न सिर्फ कुछ नया सीखा जा सकता है बल्कि अच्छी खासी कमाई भी की जा सकती है। आज के डिजिटल दौर में घर बैठे कमाने के कई स्मार्ट और आसान तरीके उपलब्ध हैं, जिन्हें कोई भी छात्र थोड़ी सी मेहनत और क्रिएटिव सोच के साथ आजमा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे ही पांच बेहतरीन तरीके, जिनसे छुट्टियों के दौरान जेबखर्च निकाला जा सकता है और साथ ही स्किल्स भी निखरते हैं।

ऑनलाइन ट्यूटर बनें

अगर आप किसी विषय में अच्छे हैं, जैसे गणित, अंग्रेजी या विज्ञान, तो आप अपने आस-पास के छोटे बच्चों को पढ़ाने में मदद कर सकते हैं। आप रोज या हफ्ते में कुछ दिन उन्हें घर पर बुलाकर या ऑनलाइन पढ़ा सकते हैं। इससे आपका खुद का रिवीजन भी हो जाएगा और बदले में आपको कुछ पैसे भी मिल सकते हैं।

यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर कंटेंट बनाएं

अगर आपको वीडियो बनाना, डांस, गाना, कुकिंग या गेमिंग में दिलचस्पी है, तो छुट्टियों में उसका फायदा उठाइए और खुद का यूट्यूब चैनल या इंस्टाग्राम पेज शुरू करें। लोग आपकी कला को पसंद करेंगे और आपसे कुछ सिखाने या कुछ बनवाने के लिए कह सकते हैं, जिससे कमाई भी हो सकती है। धीरे-धीरे फॉलोअर्स बढ़ते हैं और कमाई के रास्ते खुलते हैं।

फ्रीलांसिंग में हाथ आजमाएं

आपको लिखने, डिजाइन बनाने, ट्रांसलेशन करने, फोटो एडिट करने या दूसरी किसी चीज में अच्छा अनुभव है, तो आप इन हुनरों का इस्तेमाल करके पैसे कमा सकते हैं। आजकल बहुत से लोग ऐसे काम दूसरों से करवाते हैं, और इसके लिए आप घर बैठे काम कर सकते हैं।

ऑनलाइन सर्वे या डेटा एंट्री का काम

छोटे-मोटे ऑनलाइन सर्वे, रिव्यू लिखना या डेटा एंट्री जैसे काम भी छुट्टियों में किए जा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए सही और भरोसेमंद वेबसाइट्स का चुनाव जरूरी है।

हाथ से बनी चीजें बनाकर बेचें

अगर आप क्राफ्ट बनाना जानते हैं- जैसे रंग-बिरंगे बुकमार्क, ग्रीटिंग कार्ड, राखी, सजावट की चीजें या छोटी-छोटी पेंटिंग्स- तो इन्हें अपने दोस्तों, परिवार या पड़ोस में बेच सकते हैं। अगर लोगों को आपकी बनाई चीजें पसंद आ गईं, तो आपको और ऑर्डर मिल सकते हैं। इससे आपको पैसे के साथ तारीफ भी मिलेगी।

अभ्यास

1- कौन सा राज्य खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के 7वें संस्करण की मेजबानी कर रहा है?

क) महाराष्ट्र
ख) कर्नाटक
ग) बिहार
घ) गुजरात
क) बिहार

2- इक्वाडोर में 2025 का राष्ट्रपति चुनाव किसने जीता?

क) लुइसा गोंजालेज
ख) गिलर्मो लास्सो
ग) डैनियल नोबोआ
घ) राफेल कोरेया
ग) डैनियल नोबोआ

3-इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 का खिताब किसने जीता?

क) बेंगलुरु एफसी
ख) मुंबई सिटी एफसी
ग) मोहन बागान सुपर जायंट
घ) केरला ब्लास्टर्स
ग) मोहन बागान सुपर जायंट

4- डॉ. अंबेडकर ने भारतीय इतिहास में क्या प्रमुख भूमिका निभाई?

क)भारत के प्रथम राष्ट्रपति
ख)सर्वोच्च न्यायालय के संस्थापक
ग) भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार
घ)भारत के प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता
ग) भारतीय संविधान के मुख्य वास्तुकार

5– भारत की पहली महिला शिक्षिका किसे माना जाता है?

क) रानी लक्ष्मी बाई
ख) सावित्रीबाई फुले
ग) एनी बेसेंट
घ) सरोजिनी नायडू
ख) सावित्रीबाई फुले

कॅरियर अलर्ट

यूपीएससी भर्ती

संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने भी विभिन्न पदों के लिए 111 रिक्तियां जारी की हैं। इसमें असिस्टेंट इंजीनियर, सिस्टम एनालिस्ट जैसे पद शामिल हैं। इन पदों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष और अधिकतम 45 वर्ष तय की गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 1 मई, 2025 है। इच्छुक उम्मीदवार upsc.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

मैनेजर की भर्ती

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने मैनेजर और जनरल मैनेजर के कुल 40 पदों पर आवेदन मांगे हैं। इन पदों के लिए अभ्यर्थियों के पास इंजीनियरिंग या ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। आवेदन करने की आखिरी तारीख 26 अप्रैल, 2025 है। इच्छुक उम्मीदवार grse.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

एम्स में भर्ती

एम्स, रायपुर में शिक्षण क्षेत्र से जुड़े उम्मीदवारों के लिए 21 पदों पर भर्ती की घोषणा की गई है। इसमें असिस्टेंट प्रोफेसर के पद शामिल हैं। उम्मीदवारों के पास डीएनबी, एमएस, या एमडी जैसी मेडिकल डिग्री होनी चाहिए। आवेदन की अंतिम तिथि 26 अप्रैल, 2025 निर्धारित की गई है और आवेदन aiimsraipur.edu.in पर किए जा सकते हैं।

तकनीकी सहायक पदों पर भर्ती

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद-केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (CSIR-CFTRI) में 18 तकनीकी सहायक पदों पर भर्ती निकाली गई है। इन पदों पर चयनित उम्मीदवारों को 35,400 रुपये से अधिक का वेतनमान प्राप्त होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 10 मई, 2025 है। आवेदन cftri.res.in के माध्यम से किए जा सकते हैं।

प्रवक्ता पदों पर भर्ती

एसआईएचएमजेबीपी जबलपुर में प्रवक्ता पदों के लिए कुल 12 रिक्तियां उपलब्ध हैं। इन पदों पर चयनित उम्मीदवारों को 1,12,400 रुपये प्रतिमाह तक का वेतन मिलेगा। आयु सीमा अधिकतम 40 वर्ष तय की गई है। इन पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 21 अप्रैल, 2025 है और आवेदन (sihmjbp.mp.gov.in) पर किए जा सकते हैं।

इसरो अप्रेंटिस भर्ती 2025

इसरो में नौकरी पाने का गोल्डन चांस आ गया है। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन ने अप्रेंटिस ट्रेनी पदों पर नौकरी निकाली हैं। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया 27 मार्च से शुरू हो चुकी है और आवेदन करने की अंतिम तिथि 21 अप्रैल 2025 तय की गई है। आवेदन करने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को सबसे पहले अपना nats education.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना होगा। इसके बाद अपना आवेदन फॉर्म ऑफलाइन माध्यम से अपने क्षेत्र के संबंधित इसरो सेंटर पर भेजना होगा। इस भर्ती प्रक्रिया के जरिए कुल 75 ग्रेजुएट, डिप्लोमा और ट्रेड अप्रेंटिस पदों पर उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी।

टैली और डीएफए में कंफ्यूज हैं? जानिए कौन-सा कोर्स बनाएगा मजबूत करियर

आज के समय में कंप्यूटर से जुड़ी स्किल्स सिर्फ टेक्निकल फील्ड तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि अकाउंटिंग और ऑफिस वर्क में भी इनकी जबरदस्त डिमांड है। ऐसे में टैली और डीएफए जैसे कोर्स युवाओं के बीच काफी लोकप्रिय हो गए हैं। दोनों ही कोर्स नौकरी की संभावनाओं से जुड़े हुए हैं, लेकिन सवाल ये है कि कौन-सा कोर्स आपके करियर को बेहतर दिशा देगा? आइए जानते हैं कि इनमें से कौन-सा कोर्स आपके लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

क्या होते हैं टैली और डीएफए कोर्स?

टैली एक पॉपुलर अकाउंटिंग सॉफ्टवेयर है, जो छोटे-बड़े बिजनेस में अकाउंट्स और टैक्सेशन से जुड़ा काम करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इस कोर्स में छात्रों को जीएसटी , इनवॉइसिंग, बैंकिंग और रिपोर्ट जनरेशन जैसी प्रैक्टिकल स्किल्स सिखाई जाती हैं। वहीं, डीएफए एक कंप्लीट फाइनेंस और कंप्यूटर बेस्ड कोर्स है जिसमें अकाउंटिंग के साथ-साथ एमएस ऑफिस, टैली, इंटरनेट, और कभी-कभी बेसिक प्रोग्रामिंग की भी ट्रेनिंग दी जाती है।

कौन देगा ज्यादा ऑप्शन?

अगर आप सिर्फ अकाउंटिंग सेक्टर में करियर बनाना चाहते हैं, तो टैली कोर्स आपके लिए उपयुक्त है और यह आपको अकाउंट असिस्टेंट, जीएसटी ऑपरेटर, बुक कीपर जैसी नौकरियों में मदद कर सकता है। लेकिन अगर आप मल्टीपल स्किल्स के साथ ज्यादा विकल्पों वाली नौकरी की तलाश में हैं, तो डीएफए कोर्स ज्यादा बेहतर माना जाता है। डीएफए करने के बाद उम्मीदवार ऑफिस असिस्टेंट, अकाउंट एग्जीक्यूटिव, डेटा एंट्री ऑपरेटर और कंप्यूटर ट्रेनर जैसे कई प्रोफाइल्स में काम कर सकते हैं।

आपके लक्ष्य पर निर्भर है कोर्स का चुनाव

टैली और डीएफए दोनों ही कोर्स अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर हैं। अगर आपका लक्ष्य सिर्फ अकाउंटिंग में स्पेशलाइज करना है तो टैली चुनें, लेकिन अगर आप कंप्यूटर की बेसिक से लेकर अकाउंटिंग तक की जानकारी एक साथ पाना चाहते हैं और ज्यादा करियर विकल्प चाहते हैं, तो डीएफए एक स्मार्ट चॉइस हो सकता है।

दिन भर मोबाइल देखता है बच्चा, ऐसे छुड़ाएं फोन की लत

आज के दौर में बच्चों के हाथ में मोबाइल होना बहुत आम सी बात हो गई है। छोटे-छोटे बच्चे सोशल मीडिया पर रील बनाते, फोन में गेम खेलते, अपनी पसंदीदा कविताएं या कार्टून देखते या स्टडी के लिए मोबाइल का उपयोग करते नजर आ जाते हैं। वह इस कदर मोबाइल फ्रेंडली हो चुके हैं कि लेटेस्ट मॉडल के फोन के फीचर को आसानी से सीख लेते हैं। इन सब को देखकर ताज्जुब होता है और कुछ माता-पिता को गर्व भी होता है कि उनका बच्चा कितना एक्टिव और होनहार है। हालांकि इन सब में वह एक बात भूल जाते हैं कि मोबाइल का अत्यधिक उपयोग बच्चों के लिए

कितना नुकसानदायक भी हो सकता है। मोबाइल के इस्तेमाल से उनका स्क्रीन टाइम बढ़ता है तो दिमाग और आंख दोनों के लिए थकान भरा हो सकता है। साथ ही बच्चे सामाजिकता से दूर डिजिटल दुनिया तक सीमित हो जाते हैं। सबसे बड़ी समस्या है बच्चों में फोन की लत या आदत लग जाना। एक बार बच्चे को मोबाइल की आदत लग जाती है तो वह हर वक्त अपनी नजरें फोन में लगाए रखता है। कई मौकों पर तो माता पिता चाहते हैं कि बच्चा बाहर निकले, दोस्त बनाए, खेलने जाए, परिवार और रिश्तेदारों के साथ वक्त बिताए लेकिन मोबाइल की लत के कारण वह ऐसा नहीं कर पाते, जो उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मतक प्रभाव डालता है। आप उससे बार-बार कहते हैं कि मोबाइल छोड़कर दूसरे कामों में ध्यान दे, इसके लिए आप उसे डांटते भी हैं, लेकिन उसपर असर नहीं होता है।

रूटीन तय करें

बच्चे के हर काम का समय तय करें। पढ़ाई के टाइम टेबल से लेकर खेलने का वक्त और अन्य गतिविधियों के लिए वक्त निर्धारित करें। उसे उसी टाइम टेबल पर अपने कार्यों को पूरा करने के लिए कहें। साथ ही स्क्रीन टाइम सेट करें यानी अगर बच्चे को मोबाइल का उपयोग करना ही है तो इसका एक तय समय हो। यह सुनिश्चित करें कि बच्चे कब और कहां मोबाइल का इस्तेमाल करें। फोन पर समय बिताने के लिए उसकी सीमाएं तय कर दें।

एक्टिविटीज में व्यस्त रखें

बच्चे को ऐसी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रेरित करें जो उन्हें मोबाइल से दूर रखें। आउटडोर गतिविधियों जैसे उसे बाहर खेलने या घुमाने ले जाएं। योग व एक्सरसाइज कराएं। किताबें पढ़ना या ड्राइंग आदि सिखाएं। ऐसे में बच्चा अन्य गतिविधियों में व्यस्त रहेगा और मोबाइल से दूर रहेगा।

रोल मॉडल बनें

बच्चे दर्पण की तरह होते हैं। वह जो देखते हैं, वही सीखते हैं। अगर आप मोबाइल का उपयोग बच्चे के सामने करते हैं तो वह भी इसके उपयोग के लिए प्रोत्साहित होते हैं। ऐसे में अगर आप बच्चे को मोबाइल के इस्तेमाल से रोकते हैं तो वह आपकी बात को गंभीरता से नहीं लेंगे। अगर आप चाहते हैं कि बच्चे की मोबाइल की लत छूट जाए तो आपको उसका रोल मॉडल बनना होगा। खुद भी मोबाइल का उपयोग कम करें। घर पर रील देखने, सोशल मीडिया का उपयोग करने से बचें। जब बच्चे के साथ वक्त बिताएं तो फोन दूर रख दें ताकि वह आपको देखकर यह सीखे और मोबाइल का उपयोग न करने के लिए प्रोत्साहित हो।

नजरों से दूर रखें उपकरण

अगर बच्चे को मोबाइल के उपयोग की लत है तो इसे दूर करने के लिए सबसे पहले तो मोबाइल को ही बच्चे की नजर से दूर रखें। सामने मोबाइल रखा देखने पर बच्चा उसे उठा लेगा लेकिन अगर उसे मोबाइल आसपास नजर ही नहीं आएगा तो उसके मन और हाथ दोनों पर नियंत्रण रहेगा। ना तो उसकी नजर मोबाइल पर पड़ेगी और ना वह इसका उपयोग कर पाएगा। छोटे बच्चों को तो शुरू से ही मोबाइल से दूर रखना चाहिए.। वह सुबह उठकर मोबाइल देखने की जिद करते हैं, लेकिन मोबाइल सामने न देख वह इसके लिए जिद नहीं करेंगे।

विदेश में पढ़ने का है सपना? जानिए आईईएलटीएस और टीओईएफएल में कौन है बेस्ट

आजकल भारत के बहुत से छात्र न सिर्फ देश में, बल्कि विदेशों में भी पढ़ाई करने का सपना देख रहे हैं। लेकिन विदेश में पढ़ाई करने के लिए अंग्रेजी आना बेहद जरूरी है। अंग्रेजी में आपकी पकड़ कितनी अच्छी है, इसे परखने के लिए दो बड़े इंटरनेशनल टेस्ट होते हैं- एक है आईईएलटीएस और दूसरा है टीओईएफएल। तो चलिए जानते हैं कि ये दोनों टेस्ट क्या होते हैं, इनके बीच क्या फर्क है और आपके लिए कौन-सा टेस्ट बेहतर रहेगा।

आईईएलटीएस और टीओईएफएल में क्या है अंतर?

आईईएलटीएस और टीओईएफएल दोनों ही इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट हैं, लेकिन इनकी परीक्षा देने का तरीका, स्कोरिंग सिस्टम और भाषा की शैली थोड़ी अलग होती है। टीओईएफएल में ब्रिटिश इंग्लिश का ज्यादा प्रयोग होता है, जबकि टीओईएफएल में अमेरिकन इंग्लिश का। आईईएलटीएस में बोलने का टेस्ट आमने-सामने होता है, वहीं टीओईएफएल में कंप्यूटर पर। स्कोरिंग में भी फर्क है। आईईएलटीएस में बैंड स्कोर होता है, जबकि टीओईएफएल में 120 में से अंक दिए जाते हैं।

आपके लिए कौन सा टेस्ट सही रहेगा?

अब सवाल ये आता है कि आपको इन दोनों में से कौन-सा टेस्ट चुनना चाहिए? अगर आप अमेरिका में पढ़ाई करना चाहते हैं, तो टीओईएफएल आपके लिए सही रहेगा। वहीं अगर आप यूके, कनाडा या ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में जाने की सोच रहे हैं, तो आईईएलटीएस को चुनना बेहतर होगा। इसके अलावा, अगर आप आमने-सामने इंटरव्यू देने में सहज हैं, तो आईईएलटीएस आपके लिए आसान हो सकता है। वहीं अगर आप टेक्नोलॉजी में कंफर्टेबल हैं और कंप्यूटर पर टेस्ट देना पसंद करते हैं, तो टीओईएफएल आपके लिए अच्छा ऑप्शन है।

यूपीएससी सीएसई की तैयारी के लिए क्या पढ़ें

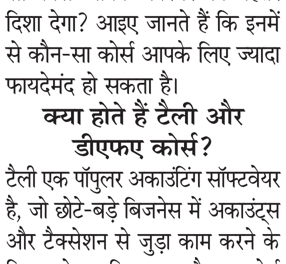

-विजय गर्ग

यूपीएससी सीएसई के उम्मीदवारों के लिए योजना और कुरुक्षेत्र विशेष रूप से सुझाए गए हैं क्योंकि दोनों पत्रिकाओं में सामाजिक आर्थिक समस्याओं, सरकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत चर्चा है। ऐसा माना जाता है कि इन पत्रिकाओं की छाप अधिक उद्देश्य है क्योंकि ये स्रोत जानबूझकर किसी विशेष मुद्दे के फायदे और नुकसान दोनों बताते हैं। ये पत्रिकाएं आईएएस और अन्य सिविल सेवाओं की तैयारी करने वाले उत्साही लोगों की ज्ञान पूंजी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यूपीएससी के लिए योजना और कुरुक्षेत्र का महत्व-योजना- यह स्पष्ट है कि योजना पत्रिका का उद्देश्य सामाजिक आर्थिक पहलुओं और सरकारी पहलों को संबोधित करना और रिपोर्ट करना है। यह कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कई सरकारी गतिविधियों, उद्घाटन, नीतियों और विकास योजना का व्यापक विवरण प्रदान करता है। ये पत्रिकाएं प्रीलिम्स के लिए उपयोगी हैं लेकिन मुख्य परीक्षा में एक प्रमुख भूमिका निभाती हैं।

कुरुक्षेत्र- यह पत्रिका मुख्य रूप से ग्रामीण विकास से संबंधित विषयों से संबंधित है। अपनी कवर कहानियों पर, यह कृषि जैसे ग्रामीण भारत के विकास के लिए नीतियों और योजनाओं पर केंद्रित है जिसमें नए नवाचार, ग्रामीण बुनियादी ढांचे और उनसे संबंधित उद्योग शामिल हैं। कुरुक्षेत्र आवेदकों को ग्रामीण योजनाओं, परिणामों, मुद्दों और मूल स्तर पर होने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में विस्तार से विस्तार करके जमीनी वास्तविकताओं को समझता है। यह सामान्य अध्ययन पेपर-2 (शासन, संविधान, राजनीति, सामाजिक न्याय और अंतर्राष्ट्रीय संबंध) के साथ-साथ पेपर-3 (प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव विविधता और पर्यावरण, और सुरक्षा और आपदा प्रबंधन) दोनों में मदद करता है।

महत्व- कुरुक्षेत्र के साथ योजना की तुलना करते समय, किसी को इस कथन से सहमत होना होगा कि दोनों पत्रिकाएं सरकारी योजनाओं, नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न सामाजिक आर्थिक पहलुओं पर व्यापक जानकारी प्रदान करती हैं। योजना कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में एक सामाजिक-आर्थिक प्रकृति के मुद्दों पर केंद्रित है; जबकि कुरुक्षेत्र ग्रामीण विकास और योजनाओं और कार्यक्रमों के विषयों के लिए समर्पित है जो जमीनी स्तर के महत्व को पहचानते हैं। ये पत्रिकाएँ नीतियों, अर्थव्यवस्था में मुद्दों, विभिन्न विद्वानों के दृष्टिकोण आदि का विश्लेषण प्रदान करती हैं। छात्र आर्थिक सिद्धांतों, तरीकों और वर्तमान अर्थव्यवस्था पर काम करने के तरीके के बारे में अध्ययन करते हैं। कुरुक्षेत्र और योजना के अंतिम पेपर उम्मीदवारों को कई विषयों के अपने ज्ञान को बढ़ाने में मदद करते हैं। ये पत्रिकाएं यूपीएससी पाठ्यक्रम के कई प्रासंगिक क्षेत्रों को कवर करती हैं जिनमें सामाजिक-आर्थिक मुद्दे और ग्रामीण विकास शामिल हैं। दो पत्रिकाओं से विचार उम्मीदवारों के लिए एक उचित तैयारी के लिए पाठ्यक्रम कार्यक्रम में पेश किए जाते हैं। इन दो प्रकाशनों में वर्तमान समाज और दुनिया में छात्रों को प्रभावित करने वाली घटनाओं, रुझानों और विनियमों और उनके लिए आवश्यक प्रशिक्षण के तथ्य शामिल हैं। यह उम्मीद की जाती है कि उम्मीदवार यूपीएससी परीक्षाओं में वर्तमान घटनाओं पर सवालों के जवाब देते समय यह ज्ञान रखता है। इन पत्रिकाओं में उपयोग की जाने वाली भाषा स्पष्ट है, सादा है और लेआउट आधिकारिक और व्यवस्थित है। पाठक कुशल लेखन और प्रस्तुत कौशल प्राप्त करने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त, डेटा, केस स्टडीज और विशेषज्ञ की राय कागजात का बैकअप लेती है; इस प्रकार, कागजात मेन्स परीक्षणों के गुणवत्ता उत्तरों की तलाश करने वाले उम्मीदवारों के लिए काफी मदद कर सकते हैं।

योजना क्या भूमिका निभाती है। यूपीएससी मुख्य परीक्षा में खेलता है-योजना के अनुसार, यह विभिन्न क्षेत्रों में सरकारी योजनाओं, नीतियों और कार्यक्रमों की परीक्षा और समीक्षा को कवर करता है। उम्मीदवार संतुलित विकास और सामाजिक असंतुलन के वितरण की सभी समकालीन अवधारणाओं को सीखता है। राजनीति, अर्थव्यवस्था और सामाजिक पहलुओं पर जवाब देते हुए यूपीएससी मेन्स के लिए यह जानकारी विशेष रूप से मूल्यवान है। योजना में प्रकाशित जानकारी को आधिकारिक माना जाता है। लेखों की सामग्री का उपयोग उम्मीदवारों द्वारा तथ्यात्मक जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है। मेन्स टेस्ट में मौलिकता महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तरों को विश्वसनीय स्रोतों द्वारा समर्थित किया जाना है। योजना पर उपलब्ध जानकारी किसी भी पूर्वाग्रह से मुक्त है और एक नीति या एक पहल पर एक स्पष्ट दृष्टिकोण देता है कि यह राष्ट और उसके लोगों के लिए सकारात्मक और नकारात्मक कोण पर क्या रखता है। सरकारी नीतियों का गंभीर मूल्यांकन कैसे किया जा सकता है, यह उम्मीदवारों को सिखाया जाता है। मेन्स पेपर में या लिखित कार्य के संशोधन के दौरान उत्कृष्ट उत्तर विकसित करने के लिए इस तरह का दृष्टिकोण आवश्यक है।

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ
बुधवार, 16 अप्रैल 2025

श्री शुभ सम्वत् 2082 शके 1947 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते वसंत ऋतौ वैशाख मासोमते कृष्ण पक्षे तृतीया तिथौ बुध वासरे 13/18/ अनुराधा नक्षत्रे 29/38/ व्यातिपात योग 24/18/ भद्रा करणे 13/08/ वृश्चिक राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार- भद्रा समाप्त घं.13मि.18पर। संकष्टी श्री गणेश चतुर्थी।

मेष- सुख में कमी, कटु वचन ना कहे, यात्रा से लाभ होगा, धैर्य बनाए रखे, अर्थिक मामलो में जोखिम न उठाएं।

तुला- समय का सदुपयोग करें। राज्य अधिकारियों पर विजय प्राप्त होंगी। किसी पुराने काम को निपटा लें तो अच्छा होगा।

वृष- शारीरिक सुख में वृद्धि होगी, परिवार में सुख साधन की वृद्धि होगी। दुर्गा जी की उपासना से लाभ होगा।

वृश्चिक- दांपत्य सुख का योग है। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। राजनीतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी।

मिथुन-आज कुछ लोगों के लिए नयी प्रॉपर्टी खरीदने के आसार नजर आ रहे हैं। छात्रों को मन लगाकर पढ़ाई करने की सलाह दी जाती है।

धनु-आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। निजी प्रेम में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन का लाभ होगा।

कर्क-पारिवारिक जीवन सुख में होगा। हनुमान जी की उपासना आपके लिए लाभदायक होगी। शासन सत्ता से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

मकर- पारिवारिक जीवन सुख में होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

सिंह-कुछ पारिवारिक समस्या व कुछ व्यावसायिक तनाव मिल सकते हैं। गुड़ चना बंदरों को खिलाएं यह आपके लिए हितकारी होगा।

कुंभ-निजी संबंध प्रगाढ़ होंगे। संबंधों में निकटता आएगी। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यश धन कीर्ति में वृद्धि होगी।

कन्या- किसी उपलब्धि और परिणाम के संबंध में बेचैनी रहेगी। किसी के कारण विरोधियों से उलझन हो सकता है।

मीन- यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद और लाभदाई होगी। संबंधों में निकटता आएगी।

स्वतंत्र भारत

रायबरेली

खबर एक नजर

करंट की चपेट में आने से बुर्जुग का मौत

महराजगंज रायबरेली। करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। दर्दनाक हादसे की खबर से पूरे गांव में कोहराम मच गया। घटना के बाद परिजनों ने आनन फानन में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। घटना क्षेत्र के हलोर गांव की है गांव के ही चंद्रशेखर 60 मंगलवार की सुबह अपनी भैंस को नहला रहे थे इसी बीच भैंस के पैर से टकराकर सबमर्सिबल का तार टूट गया। तार हटाने गए चंद्रशेखर वर्मा करंट की चपेट में आ गए जिससे उनकी दर्दनाक मौत हो गई। घटना से पूरे परिवार सहित गांव में हड़कंप मच गया। परिजनों ने आनन फानन में शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मामले में कोतवाल जगदीश यादव ने कहा उन्हें ऐसी किसी घटना की सूचना नहीं मिली है। वहीं घटना की जानकारी होने पर पूर्व सपा विधायक राम लाल अकेला, लक्ष्मीकांत रावत, गंगासागर पाण्डेय, प्रदीप पटेल सहित क्षेत्रीय लोगों ने घर पहुंचकर शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाया।

अग्निशमन जागरूकता के तहत बच्चों को आग से बचाव के दिए गए टिप्स

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल में अग्निशमन विभाग की ओर से अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस पर बच्चों को आग से बचाव के टिप्स दिए गए। सबसे पहले बच्चों को आग लगने के कारण और अग्नि के प्रकार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी। फिर लगी हुई आग पर कैसे काबू पाया जा सकता है और कैसे उस आग को बुझाया जा सकता है। साथ ही अग्निशमन उपकारण को प्रैक्टिकल कर के दिखाया। इसके पूर्व प्रधानाचार्य शिवांग अवस्थी ने आये हुए अग्निशमन विभाग के अधिकारी मुकेश गिरी, पंकज कुमार व शिवम् कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और विद्यालय परिवार की तरफ से धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर सभी शिक्षक, शिक्षिकायें व कर्मचारी मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने महाखेड़ा में मनायी डा0 आंबेडकर जयन्ती

लालगंज (रायबरेली)। भारतीय जनता पार्टी लालगंज मण्डल के शक्ति केंद्र धन्नीपुर के महाखेड़ा के बूथ 211 में स्थित बाबा साहेब डा0 भीम राव आंबेडकर जी की जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम संयोजक मंडल महामंत्री राजेश निर्मल व सह संयोजक विमल धानुक के संयोजन में जयंती मनाई गई। मण्डल अध्यक्ष मनोज कुमार अवस्थी ने बाबा साहेब डा0 भीम राव आंबेडकर के जन्म जयंती के विषय में ,संविधान निर्माता एवं विद्वान दर्शनशास्त्री, राजनीतिज्ञ, समाज शास्त्री बाबा साहेब के विषय में विस्तार से जानकारी दी और एक आदर्श व्यक्तित्व के जीवन के विषय में चर्चा किया। इस मौके पर मण्डल प्रभारी यतीन सिंह, मण्डल उपाध्यक्ष सतेन्द्र बहादुर सिंह, संजय बाजपेई, अखिलेश बाजपेई, शीतला सविता, मण्डल मंत्री विमल कुमार, शक्ति केंद्र संयोजक बाबू तिवारी, सुनील कुमार मिश्रा, धर्मेंद्र निर्मल, अचिन अवस्थी, अवधेश कुमार सविता, शिवबोध सिंह, कृष्ण कुमार सिंह, बबलू पाण्डेय बूथ अध्यक्ष बम बहादुर यादव, श्रीधर तिवारी, रामशंकर समेत मण्डल के सभी कार्यकर्ता व नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन मण्डल महामंत्री राजेश निर्मल ने किया।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विभिन्न धर्मिक कार्यक्रमों का हुआ अयोजन

रायबरेली। श्री राम दूत बालाजी परिवार द्वारा आयोजित श्री हनुमान जन्मोत्सव के कार्यक्रम में 13 अप्रैल 25 को बालाजी मंदिर गुलाब रोड से निकली मेहंदीपुर बालाजी महाराज की ज्योति और खाटू नरेश के निशान की शोभायात्रा निकली जिसमें सैकड़ों महिलाएं सहित तमाम लोग शामिल हुए। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए रिफॉर्म क्लब पहुंची। शहर में जगह-जगह दर्जनों तोरण द्वार बनाए गए थे और जगह जगह शोभा यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा से करने के लिए खड़े व्यापारी और तमाम समाजसेवियों ने बालाजी महाराज की दिव्य ज्योति और खाटू नरेश के उठाये निशान पर पुष्प वर्षा किया। शोभा यात्रा की अगुवाई कर रहे आलोक जायसवाल, अंशु चौरसिया, आशीष दीक्षित, घनश्याम गुप्ता, भोला गुप्ता, पवन गुप्ता, अजय वैश्य, राजू डिब्बा, हरिओम सोनकर आदि का लोगों ने माला पहनकर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। दूसरे दिन 14 अप्रैल 25 को कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें सबसे पहले 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और यजमान राजू दीक्षित द्वारा संगीत मय सुंदरकांड का पाठ हुआ। उसके पश्चात बालाजी महाराज का हवन हुआ जिसके जजमान घनश्याम गुप्ता, मनोज गुप्ता, अजय वैश्य, पवन गुप्ता थे। उसके पश्चात कन्या भोज का कार्यक्रम आरंभ हुआ। जिसके जजमान भोला गुप्ता, लक्ष्मी गुप्ता ने अंकुर गुप्ता के सहयोग से संपन्न कराया। फिर तमाम साधुओं का साधु भोज हुआ। तत्पश्चात आम जनमानस के लिए विशाल भंडारा प्रारंभ हो गया जो देर रात तक चला, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। रात्रि लगभग 9. 00 से जागरण का आरंभ हुआ। जिसमें कोलकाता से आई गायिका रिंकी गुप्ता ने बाबा के भजन गाकर लोगों को खूब लुभाया और कानपुर से आई आलिया बेटू चंचल ने भी बाबा के भजन गाकर शमा बांध दिया। सभी भक्तों को खूब नचाया और दिल्ली से आए भजन गायक आचार्य रजनीश श्रीवास्तव ने तो कमाल ही कर दिया। बांसुरी बजाकर सभी का मन मोह लिया। इन सभी भजन गायको ने श्री बालाजी महाराज और खाटू नरेश के भजन गाकर सभी भक्तों को भाव विभोर कर दिया। जागरण ग्रुप द्वारा राधा कृष्ण की झांकी महाकाल की भस्म आरती जितेंद्र बजरंगी और श्री राम दरबार की झांकी के सभी ने बड़ी सराहना की और सभी के भजनों पर भक्तों ने खूब झूम झूम कर नाचे और मस्त होकर बाबा की जागरण में हाजिरी लगाई। कार्यक्रम आयोजन पवन गुप्ता ने राम दूत बालाजी परिवार के सभी सदस्यों के साथ बाहर से आए हुए सभी भजन गायको का साल पहना कर और बालाजी महाराज का फोटो भेंट कर सम्मान किया। जागरण में शहर के तमाम गण्यमन नागरिकों व्यापारी नेताओं, समाजसेवियों सहित हजारों लोग मौजूद रहे और सभी ने झूम कर बाबा का गुणगान किया। जागरण के पश्चात हवन और बाबा की आरती हुई उसके पश्चात 56 भोग का प्रसाद का वितरण हुआ सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया और निशान का भी वितरण हुआ। सभी भक्तों ने बालाजी महाराज भगवान श्री रामचंद्र जी और खाटू नरेश के खूब जयकारा लगे जयकारों से पूरा प्रांगण गूंज उठा। श्री राम दूध बालाजी परिवार के सेवादारो में संरक्षक विजय अग्रवाल, पवन गुप्ता, अंशु चौरसिया, नवीन सोनकर, आकाश गुप्ता, भोला गुप्ता, घनश्याम गुप्ता, आशीष दीक्षित, आलोक जायसवाल, हरिओम सोनकर, अजय कुमार वैश, हर्ष वैश्य, मनोज गुप्ता, राजेश सोनकर, गुड्डू गुप्ता, अश्विनी श्रीवास्तव, गौरव गुप्ता, प्रिंस वर्मा, राजू डिब्बा, रितिक गुप्ता, अमन गुप्ता, विशाल गुप्ता, रजत सोनकर, हनी माली, प्रेमचंद गुप्ता, अनु मिश्रा, सुनील गुप्ता, राम सिंह, शुभम कश्यप सहित कमेटी के सभी सेवादारों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर मीडिया प्रभारी भोला गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

भारतीय डाक सेवा की नई पहल: डाक सेवा समाधान दिवस

रायबरेली। डाक मंडल माह मई 2025 से डाक सेवाओं में सुधार के लिए डाक सेवा समाधान दिवस एक नई पहल कर रहा है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों की शिकायतों का त्वरित निवारण करना है। डाक मंडल के अधीक्षक घनश्याम ने बताया कि डाक सेवा समाधान दिवस के तहत आगामी माह मई से हर महीने के पहले और तीसरे शुक्रवार को मंडलीय कार्यालय रायबरेली में डाक सेवा समाधान दिवस आयोजित किया जाएगा। इसके दौरान मंडल प्रमुखए उपमंडलीय अधिकारी और मंडलीय कार्यालय की पूरी टीम मौजूद रहेगी और शिकायतों का निपटारा मौके पर ही किया जाएगा। डाक सेवा समाधान दिवस का समय गर्मियों में सुबह 8. 00 बजे से 11. 00 बजे तक और सर्दियों में सुबह 9.00 बजे से दोपहर 12. 00 बजे तक होगा। इस पहल का उद्देश्य ग्राहकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

चेयरमैन के साथ अभद्र व्यवहार मंजूर नहीं, सभासदों ने सर्वसम्मति से पारित किया निन्दा प्रस्ताव

एक स्वर में बोले सभासद- काशी तालाब का सुंदरीकरण जरूरी, जनहित की न हो अनदेखी

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। काशी तालाब के सौंदर्यीकरण की मांग जोर पकड़ रही है। नगर पंचायत सभागार में सभासदों की बैठक हुई। सभासदों ने अध्यक्ष सरिता गुप्ता के खिलाफ आपत्तिजनक नारेबाजी, धरना प्रदर्शन और घर घेराव पर कड़ी नाराजगी जताते हुए सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया। सभासदों ने पारित प्रस्ताव में कहा कि नगर पंचायत लालगंज जनपद रायबरेली के हम सभी निर्वाचित सभासद पूरी निष्ठा के साथ अपने वार्डों व नगर के विकास और जनसेवा के लिए पूरी तरह समर्पित रहते हैं। जाति, धर्म, समूह, पक्ष-विपक्ष से ऊपर उठकर सबको साथ लेकर चलने का प्रयास करते हैं। सभासदों ने कहा कि समर्थन अथवा विरोध स्वस्थ लोकतंत्र का हिस्सा है। जनहित में जरूरी होने पर हम सभी ऐसा करते हैं, लेकिन विरोध के नाम पर निजी एजेंडा चलाने, अभद्रता करने, डराने धमकाने और विकास कार्यों में बाधा पहुंचाने की कार्यवाही कतई स्वीकार नहीं की जा सकती। पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि बीते 10 अप्रैल को कुछ लोगों ने एक समूह बना कर नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता गुप्ता के खिलाफ घटिया नारेबाजी करते हुए जुलूस की शक्ल में प्रदर्शन किया। घोसियाना मोहल्ले में स्थित ऐतिहासिक काशी तालाब के सौन्दर्यीकरण का काम रुकवाने की नीयत से इन लोगों ने झूठी खबरें प्रसारित कीं। चेयरमैन के घर का घेराव किया और धरने पर बैठ गए। यह तरीका बेहद आपत्तिजनक है। निर्वाचित महिला अध्यक्ष के साथ ऐसा बर्ताव दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। प्रस्ताव में कहा गया है कि हम सभी निर्वाचित सभासद एकमत होकर इस कार्यवाही की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। सभासदों ने कहा कि किसी भी समूह के बेजा दबाव को अस्वीकार करते हुए जनहित में काशी तालाब के सौंदर्यीकरण के काम को निर्बाध पूरा करवाया जाये। बैठक में सभासद राघवेंद्र सूर्यवंशी, सीमा गब्बर, कृष्णावती, नसरीन बेगम, राकेश कुमार, सीमा देवी, आलोक तिवारी, अफसरी बानो, रवीन्द्र सोनी, दीपक मिश्रा, नसीम कुरैशी, अतुल शर्मा, शशिधर, खुर्शीद अहमद, रमेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

निषेधाज्ञा उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करे प्रशासनः सभासद

सभासदों ने एसडीएम को सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा

लालगंज। सभासदों ने तहसील कार्यालय पहुंचकर एसडीएम को सम्बोधित ज्ञापन तहसीलदार ध्रुव नारायण यादव को सौंपा। साथ में नायब तहसीलदार शम्भू शरण पाण्डेय भी मौके पर मौजूद रहे। एसडीएम ज्ञापन देने के समय तहसील में मौजूद नहीं थे। ज्ञापन में नगर पंचायत के सभी सभासदों ने हस्ताक्षर थे। पुलिस उपाधीक्षक को भी प्रस्ताव सौंपा गया। ज्ञापन में मांग करते हुए कहा गया कि निषेधाज्ञा उल्लंघन करके जुलूस निकालने, धरना प्रदर्शन करने, अमर्यादित नारेबाजी करने और सरकारी काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ प्रशासन को आवश्यक कानूनी कार्यवाही करनी चाहिए। इस मौके पर सभासद राघवेंद्र सूर्यवंशी, सीमा गब्बर, कृष्णावती, नसरीन बेगम, राकेश कुमार, सीमा देवी, आलोक तिवारी, अफसरी बानो, रवीन्द्र सोनी, दीपक मिश्रा, नसीम कुरैशी, अतुल शर्मा, शशिधर, खुर्शीद अहमद, रमेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

बाबा साहब के बताए रास्ते पर ही चल कर ही बन सकता है भारत विकसित राष्ट्रः जीएम पीके मिश्रा

आरेडिका में धूमधाम से मनायी गयी डा0 आंबेडकर की जयंती

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना में रविवार को भारत रत्न डा0 भीम राव आंबेडकर की 134वीं जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा ने डा0 आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस मौके पर महाप्रबंधक पीके मिश्रा ने संविधान सभा की अंतिम बैठक के दिन बाबा साहब के विचारों एवं नये भारत के निर्माण के लिए उनकी दूरदर्शिता संबंधी विचारों को साझा किया। आंबेडकर जी के त्याग, जीवन संघर्षों, महिलाओं एवं सभी समाजों के लोगों तथा विश्व व्यवस्था के लिए किए गये उनके कार्यों पर प्रकाश डाला और लोगों को उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण करने एवं अपने जीवन में उन आदर्शों को आत्मसात करने का आग्रह किया। जीएम ने कहा कि अगर हम बाबा साहब के बताए हुए मार्ग पर एक दो कदम भी चलेंगे तो इस देश को विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता है। इसके अलाव त्रा प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, आल इण्डिया एससी/एसटी एसोसिएशन के आरेडिका प्रतिनिधि देवनाथ निर्मल एवं ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि ओमप्रकाश ने बाबा साहब के जीवन से संबंधित बहुमूल्य जानकारी को साझा किया। इस मौके पर भारत में सामाजिक न्याय के वास्तुकार डा0 आंबेडकर विषय पर रेलवे बोर्ड द्वारा निदेशित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को महाप्रबंधक ने पुरस्कार एवं प्रशस्ति प्रदान कर सम्मानित किया। इस मौके पर आरेडिका के मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अकमल वदूद, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, मुख्य सामग्री प्रबंधक केके कन्नौजिया, मुख्य सामग्री प्रबंधक कामेश्वर पासवान, एनके वर्मा, अनिल कुमार मिश्रा, आरएस बीका, वीके कपूर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी, यूनियनों के प्रतिनिधि कर्मचारी मौजूद रहे।

लेखपाल संघ चुनाव में निर्विरोध अध्यक्ष बने राजेंद्र तिवारी तो वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश

लेखपाल संघ डलमऊ ने निर्विरोध मुखिया का किया चुनाव

स्वतंत्र भारत संवाददाता, डलमऊ रायबरेली। तहसील सभागार में बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ का चुनाव हुआ जहां विभिन्न पदों के लिए पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। डलमऊ तहसील में लेखपालों कि अगुवाई की बागडोर संभाले राजेंद्र तिवारी ने दोबारा दावेदारी पेश करते हुए लेखपाल संघ डलमऊ के अध्यक्ष के तौर पर उनका निर्विरोध चुनाव किया गया जहां पर साथ में सत्य प्रकाश यादव को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया तो दूसरी ओर करुणेश मौर्य को कनिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी को सौंपते हुए पर्यवेक्षक ने मंत्री की भूमिका में प्रवीण कुमार व उप मंत्री की भूमिका में प्रशांत मिश्रा के साथ दिनेश कुमार चौरसिया को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया तथा रुद्र प्रकाश पटेल को ऑडिटर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

इस मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने कहा कि लेखपाल साथियों द्वारा उन्हें जो जिम्मेदारी सौंप गई है उसका वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए लेखपालों के हक अधिकार के लिए सदैव तत्पर रहेंगे तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश यादव ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन को मजबूत बनाने और लेखपालों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तत्परता से काम करेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारी के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सभी निर्वाचित पदाधिकारी ने लेखपालों के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। इस मौके पर लेखपाल हरिओम त्रिपाठी, अजय यादव आदि मौजूद रहे।

तीन शातिर चोर गिरफ्तार, तीन बाइक बरामद

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर तीन शातिर चोरों को बेहटा कला ओवर ब्रिज के पास से गिरफ्तार किया है। पुलिस इनके पास से तीन चोरी की बाइकें भी बरामद की हैं, जो बिना नम्बर प्लेट के हैं। यह बाइकें लालगंज और सरेनी थाना क्षेत्र से चोरी की गयी थीं। यह जानकारी कोतवाली पुलिस की ओर से जारी प्रेसनोट में दी गयी। पकड़े गए चोरो के नाम संदीप कुमार पुत्र संतोष कुमार निवासी ग्राम मकनपुर थाना हुसेनगंज जिला फतेहपुर, धर्मेन्द्र बाजपेई उर्फ अन्नू पंडित पुत्र गौरी शंकर बाजपेई निवासी और अखिलेश कुमार पुत्र स्व0 बाबादीन निवासीगण ग्राम सराय दिगोसा थाना गुरूबक्सगंज जिला रायबरेली हैं। पुलिस के मुताबिक तीनो पकड़े गए शातिर चोरो का लम्बा चौड़ा अपराधिक इतिहास है।

अतुल तिवारी हत्याकांड का एक और आरोपी गिरफ्तार- सरेनी के बहुचर्चित अतुल तिवारी हत्यांकांड के फरार चल रहे एक और नामजद आरोपी बउवा उर्फ शैलेश गुप्ता पुत्र राजेश गुप्ता निवासी सरेनी बाजार को पुलिस ने थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस कांड में यह तीसरी गिरफ्तारी है। यह जानकारी सरेनी थाना पुलिस की ओर से जारी प्रेसनोट में दी गयी।

समरस, समरथ और समृद्ध भारत ही बनेगा महान देशः मनोज कांत

आरएसएस के स्वयं सेवकों ने किया पथ संचलन, जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की लालगंज जिला इकाई की ओर से सोमवार को स्वयं सेवकों ने पथ संचलन किया। इस दौरान स्वयं सेवकों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। पथ संचलन में बड़ी संख्या में पहुंचे स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। कस्बे के नारायण उत्सव लान में एकत्रीकरण के बाद पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों की टोली संचलन के लिए रवाना हुई। इससे पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ क्षेत्र प्रचार प्रमुख मनोज कांत ने कहा कि समरस, समरथ और समृद्ध भारत ही महान देश बनेगा। कहा कि डा0 भीमराव अंबेडकर और डा0 बलिराम हेडगेवार दोनों ही महापुरुषों ने हिंदू समाज को जोड़ने का सपना देखा था। दोनों महापुरुषों ने अपना पूरा जीवन समाज की कुरीतियों को दूर करने में खपा दिया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर एक ऐसे महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने जीवन की तमाम कठिनाइयों को पीछे छोड़ते हुए रचनात्मक दिशा में निरंतर अग्रसर होने का संकल्प लिया। उन्होंने कभी भी अपनी परेशानियों का रोना नहीं रोया, बल्कि अपने महान संकल्पों और अटूट दृढ़ता के बल पर समाज में बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत एक बेहद विपरीत सामाजिक परिवेश से की थी। बचपन में उन्हें अनेक प्रकार के भेदभाव और पीड़ा का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। छत्रपति शाहू महाराज जैसे महान व्यक्तित्वों ने उनकी शिक्षा का मार्ग प्रशस्त किया। अपनी लगन और मेहनत से उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की और अंबेडकर नाम अपनाया। डा0 अंबेडकर का जीवन केवल व्यक्तिगत उन्नति तक सीमित नहीं रहा। उनका उद्देश्य समाज में समता, बंधुत्व और समर्थ्यता की स्थापना करना था। उन्होंने संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में अत्यंत निपुणता के साथ कार्य किया। राजनीतिक क्षेत्र में भी उन्हें अनेक प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे कभी पीछे नहीं हटे। उनका सपना था एक समतामूलक समाज का निर्माण, जहां सभी को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो। बाबा साहब ने दलितों और शोषित वर्गों के अधिकारों के लिए कई आंदोलनों का नेतृत्व किया और उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के लिए जीवन भर संघर्ष करते रहे। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। पथ संचलन कस्बे के मेन रोड, अंबेडकर मार्ग, चिक मण्डी, तिकोना पार्क, गांधी चौराहा, तिकोना पार्क सराफा मंडी सब्जी मंडी होते हुए पुनः उत्सव लान में समाप्त हुआ। पथ संचलन के दौरान जगह जगह नगर वासियों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिनंदन किया। इस दौरान सुरक्षा के लिए सीओ अनिल कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह की अगुवाई में पुलिस बल मौजूद रहा। इस मौके पर डलमऊ मठ के प्रख्यात संत देवानंद गिरीजी महाराज, विभाग संघ चालक अमरेश, जिला संघ चालक रामचरण, विभाग कार्यवाह अनंत बाजपेई, रामगोपाल त्रिपाठी, सचिन रस्तोगी, इंद्रेश सिंह, राजेश, अनिल, सतीश त्रिवेदी, उधम जायसवाल, कैलाश बाजपेई, सीपी पांडेय, सचिन रस्तोगी, राजेश निर्मल, जिला प्रचारक आशुतोष, सुनील सिंह, अरुण कुमार सिंह मुन्ना, आदर्श बाजपेई, दीपक अवस्थी, सुरेंद्र सिंह समेत भारी संख्या में स्वयं सेवक मौजूद रहे।

महिलाओं का जीवन स्तर ऊपर उठाने में बाबा साहब का अहम योगदान, आजीवन ऋणी रहेगा महिला समाज- जूही सिंह

बाबा साहेब के संविधान ने भेदभाव व छुआछूत मिटाकर हमें आगे बढ़ने का मौका दिया-कांति सिंह पटेल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के तत्वावधान में विधानसभा ऊंचाहार के धोबहा गांव में लवलेश चौधरी के नेतृत्व में संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जन्म जयंती का कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि संपूर्ण महिला समाज आज बाबा साहेब का ऋणी है बाबा साहब ने महिलाओं के स्तर को ऊंचा उठाने में महत्वपूर्ण योगदान किया जो स्थित महिलाओं की आजादी के पहले थी उस स्थिति से महिलाओं को बाहर निकालने में बाबा साहब ने ही मदद की हम लोग बाबा साहेब का यह उपकार जीवन भर नहीं भूल सकते। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व स्नातक एमएलसी कांति सिंह पटेल ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर हम लोगों के आदर्श हैं बाबा साहब ने दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों विशेष कर महिलाओं को संविधान द्वारा जो व्यवस्था प्रदान की है उसी का परिणाम है कि हम सभी महिलाएं आज समाज में कंधे से कंधा मिलाकर साथ चल रही हैं समाजवादी पार्टी सदैव बाबा साहेब के संविधान का सम्मान करती रही है और हमारा मानना है कि देश में कोई भी कार्य संविधान के इतर नहीं होना चाहिए संविधान ने जो हम लोगों को शक्तियां प्रदान की हैं उससे आज कोई छोटा बड़ा नहीं रह गया है। वर्तमान सरकार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है उसे संविधान से कोई लेना-देना नहीं है अतः इस सरकार को बदलने के लिए हम सभी लोगों को आगे आना होगा इसकी शुरुआत 14 अप्रैल बाबासाहेब के जन्मदिन से हम लोग कर रहे हैं हम लोग शपथ लेते हैं कि इस संविधान विरोधी सरकार को बहुत जल्द ही सत्ता से बाहर कर देंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के पूर्व शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी उमाशंकर चौधरी, जिला पंचायत सदस्य आशीष चौधरी, कार्यक्रम के संयोजक लवलेस चौधरी सहित तमाम समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मोटर साईकिल का टक्कर से हिरन बुरी तरह घायल

स्वतंत्र भारत संवाददाता, महराजगंज रायबरेली। मोटर साईकिल व हिरन में आमने सामने टक्कर हो गयी जिससे हिरन का पेट फट जाने से बुरी तरह घायल हो गयी। घटना स्थल पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियो ने पशु चिकित्सकों की मदद से हिरन की जान बचायी। घटना अंसल ट्रेडर्स रायबरेली रोड स्थित की है सोमवार दोपहर रायबरेली से महराजगंज की तरफ जा रहे मोटर साईकिल के सामने अचानक हिरन रोड पर आ जाने से मोटर साईकिल चालक अनियंत्रित हो गया और सामने से टक्कर मार दिया। जिससे हिरन का पेट फट गया। सडक पर खून से लतपथ तड़पती हिरन को देख आस पास मौजूद लोगो ने वन विभाग को सूचना दी मौके पर पहुंचे वन विभाग फरेस्टर बिंदु प्रसाद व शारदा बक्श सिंह ने तत्काल एम्बुलेंस 1962 को बुलाया जहाँ डाक्टरों ने हिरन के इलाज करते समय पता चला कि हिरन गर्भावती है उसी छड़ चिकित्सकों ने आपरेशन कर हिरन के बच्चें को बाहर निकाला और हिरन का उपचार कर जच्चा बच्चा दोनों कि जान बचा ली और दोनों को अपने साथ वन विभाग ले गए।

डीएम कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी पर मचा हड़कंप

बाराबंकी। जिले में जिलाधिकारी कार्यालय के आधिकारिक ई-मेल पर कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश मिलने से प्रशासनिक अधिकारियों समेत कलेक्ट्रेट परिसर में हड़कंप मच गया।

सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी, बम निरोधक दस्ता और खुफिया एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं, पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने डीएम आफिस के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। गहन छानबीन के बाद सूचना फर्जी निकलने पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। आज दोपहर कार्यालय के आधिकारिक ईमेल पर जिलाधिकारी कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा संदेश आने से प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस फोर्स, बम निरोधक दस्ता और खुफिया एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने डीएम कार्यालय के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। डीएम ऑफिस के सामने स्थित अधिवक्ता चैंबर की भी सघन जांच की गयी। जिले के वरिष्ठ अधिकारी खुद पूरे ऑपरेशन की निगरानी में जुटे रहे। गहन छानबीन के बाद सूचना फर्जी निकलने पर अधिकारियों ने राहत की सांस ली। अब पुलिस गहनता से इस बात की जांच कर रही है कि यह धमकी महज़ शरारत है या फिर किसी बड़ी साजिश का हिस्सा है।

फोटो कापी कराने निकली लड़की लापता

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। घर से फोटो कापी कराने बताकर निकली लड़की हुयी फरार। माता ने बहला फुसलाकर कर भगा ले जाने का लगाया आरोप पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताते चलें थाना जैदपुर के एक गांव निवासी एक मां ने जैदपुर थाने में शिकायत करते हुये बताया कि 12 अप्रैल को उनकी पुत्री फोटो कापी कराने के लिए समय करीब 3ः00 दोपहर मोहल्ला अली अकबर कटरा गई थी। शाम तक घर वापस नहीं आई तो हम लोग काफी खोजे नहीं मिली। बाद में हम लोगों ने पता लगाया कि तो पता चला की मेरी पुत्री को मुरलीगंज थाना जैदपुर का एक युवक बहला फुसलाकर भगा ले गया है, मामले को संज्ञान में लेते हुवे जैदपुर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

डीहा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित हुआ एमएमडीपी कैंप

फाइलेरिया मरीजों ने आपबीती बता स्व देखभाल के लिए दूसरे मरीजों को किया प्रेरित

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। सिद्धौर ब्लॉक के अमचरुआ गाँव निवासी 65 वर्षीय नौमीलाल कभी खेतों में मेहनत करते थे, लेकिन बीते 25 सालों से फाइलेरिया ने उनका जीवन सीमित कर दिया था। बाएं पैर की सूजन इतनी बढ़ गई थी कि चप्पल पहनना भी दूभर हो गया था। दुआ, ताबीज, प्राइवेट डॉक्टर और जड़ी बूटी भी सेवन कर लिया पर बीमारी ने पीछा नहीं छोड़ा। ÷सोचा था सरकारी किट और व्यायाम से क्या फायदा होगा, पर जब पैर की दर्द और सूजन घटने लगी, तो समझ आया कि राहत मिल सकती है,÷ - नौमीलाल की आंखों में आज उम्मीद है। यह दास्तान सिद्धौर ब्लॉक के डीहा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित एमएमडीपी कैंप की है, यहां मंगलवार को फाइलेरिया मरीजों को प्रभावित अंगो की स्वयं देखभाल के लिए प्रशिक्षित किया गया। जिसमें क्षेत्र के चिन्हित कुल 20

मरीजों में से 18 शामिल हुए। इस कैम्प में 29 वर्षो से फाइलेरिया का दर्द झेल रहे नौमीलाल ने अपनी आप बीती बताई। उन्होंने बताया पिछले पाँच माह से वह सरकारी सलाह को अपना कर व्यायाम और पैर की देखभाल कर रहे हैं इससे उन्हें काफ़ी आराम है, और अटेंक कम है दैनिक दिनचर्या और काम काज प्रभावित नहीं होता।

भ्रांतियों को तोड़ रही है पीएसपी टीम

सीएचओ रीतू यादव बताती हैं कि ज्यादातर फाइलेरिया से पीड़ित लोग पहले झाड़-फूंक, निजी डॉक्टर और सर्जरी तक का सहारा लेते हैं, लेकिन सरकारी किट, व्यायाम और देखभाल को कम प्रभावी मानते हैं। यही भ्रम उन्हें देर से देखभाल और विकलांगता की ओर ले जाता है। अब पीएसपी (पेशेंट सटेकहोलडेर प्लेटफॉर्म) टीम इस सोच को बदल रही है। सीएचओ की अगुवाई में एएनएम, आशा, आंगनवाड़ी, फाइलेरिया मरीज, ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, कोटेदार और गांव के अन्य लोग मिलकर मरीजों को चिन्हित कर, उन्हें समझा रहे हैं कि नियमित सरकारी उपायों से राहत संभव है। नौमीलाल जैसे कई मरीज इसकी मिसाल हैं।

लाइलाज पर नियंत्रण संभव

सीएचओ रीतू यादव ने मरीजों को एमएमडीपी किट (बाल्टी, टब, मग, तौलिया, साबुन और क्रीम) दी और बताया कि यह लाइलाज बीमारी विकलांगता का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा कारण है। उन्होंने समझाया, 'प्रभावित अंगों की नियमित सफाई और हल्के व्यायाम से सूजन और संक्रमण को नियंत्रित किया जा सकता है।'

खबर एक नजर

14 ई-रिक्शा किए गए सीज

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। परिवहन एवं यातायात विभाग द्वारा सड़कों पर बिना फिटनेस व ड्राइविंग लाइसेन्स के अपंजीकृत ई-रिक्शा व आटो के खिलाफ चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान क्षमता से अधिक सवारी, बिना लाइसेंस एवं नाबालिग द्वारा ई रिक्शा संचालित करते मिलने पर दंडात्मक कार्यवाही की गई। आज लखनऊ-गोंडा-बहराइच मार्ग पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन/प्रवर्तन श्रीमती अंकिता शुक्ला, सी0ओ आलोक पाठक, यात्री/मालकर अधिकारी रवि चन्द त्यागी की संयुक्त टीम ने बिना ड्राइविंग लाइसेंस, रजिस्ट्रेशन के 14 ई-रिक्शा के विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही करते हुए थाना मंडी में बंद किया तथा क्षमता से अधिक सवारी एवं सामान लादकर चलने वाले दर्जनों ई रिक्शा ऑटो के चालान किए।

ट्रांसफार्मर लगने से लोगों में खुशी

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। जेई के नेतृत्व में तारों के बीच पेड़ों की कटाई कर रखा गया नया ट्रांसफार्मर लोगों के चेहरों पर खुशी की चमक दिखी। जानकारी के मुताबिक जैदपुर के जेई मिर्जा परवेज़ हुसैन व सहयोगी वकार मेहंदी सुरेंद्र फुरकान इरशाद सहित अन्य कर्मचारियों ने मंगलवार को 1 बजे कस्बे के कैनरा बैंक के पास मंगाताल पर रखे पूरे ट्रांसफार्मर को हटाकर आस पास लगे पेड की डाल को काटकर सफाई कर बहुत ही कम समय में सुचारू रूप से विद्युत सप्लाई को चालू कर दिये। जिससे तमाम लोग इस कार्य की सराहना करते नजर आये। इस संबंध में एसडीओ संदीप सिंह ने बताया कि लगातार हम लोग खराब ट्रांसफर व लाईनों को दुरुस्त करने का काम कर रहे हैं।

महिला आयोग आज करेगा सुनवाई

बाराबंकी। उप्र राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक /आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टिगत कल 16 अप्रैल को पूर्वान्ह 11ः00 बजे जनपद में सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग, श्रीमती अंजू प्रजापति की अध्यक्षता में जनसुनवाई की जाएगी एवं तत्पश्चात बालिका / महिला गृहों व आंगनबाड़ी केन्दों का निरीक्षण तथा विकासखंड मसौली के सभागार में भी माननीय सदस्या द्वारा जनसुनवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि उप्र राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदक /आवेदिकाओं की सुगमता की दृष्टि से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के राजकीय गेस्ट हाउसों में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एवं सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ जनपद में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की समीक्षा / महिला जनसुनवाई/ निरीक्षण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

दो गोकशों को किया जिला बदर

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। गोवध निवारण अधिनियम से सम्बन्धित 02 अभियुक्तों को जनपद की सीमा से 06 माह की अवधि के लिए निष्कासित करने का आदेश पारित किया गया। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में पुलिस द्वारा जनपद में गोवंशीय पशुओं का वध करने वाले गुण्डा व अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धाराओं में जिलाधिकारी बाराबंकी को आख्या प्रेषित कर जनपद बाराबंकी की सीमाओं से 06 माह की अवधि के लिए निष्कासित कराने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना सफदरगंज पुलिस द्वारा अभियुक्त राहत अली पुत्र अब्बास अलीनिवासी ग्राम सैदनपुर थाना सफदरगंज जनपद बाराबंकी व थाना बदोसराय पुलिस द्वारा अभियुक्त गुलाम वारिस पुत्र भाजोरे निवासी ग्राम किन्तूर थाना बदोसराय जनपद बाराबंकी के विरुद्ध गोवंशीय पशुओं के वध में संलिप्त होने पर अभियोग पंजीकृत किये गए तथा साथ ही अभियुक्तों की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने सम्बन्धी बीट सूचना भी अंकित की गयी है। अभियुक्तगण राहत अली व गुलाम वारिस उपरोक्त की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु चिन्हित कर जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी को आख्या प्रेषित की गई जिसके आधार पर जिला मजिस्ट्रेट द्वारा दोनों अभियुक्तों को जनपद की सीमा से 06 माह की अवधि के लिए निष्कासित करने का आदेश पारित किया गया।

वन विभाग की लापरवाही राहगीरों पर पड़ रही हैं भारी

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। वन विभाग की लापरवाही राहगीरों पर भारी पड़ रही हैं रामनगर सहादतगंज मार्ग का चौड़ीकरण कार्य पूर्ण हो जाने के बावजूद सड़क पर लगे पेड़ों को हटाया नही जा सका है। जिससे दुर्घटना की आशंका बनी है। ज्ञात हो कि रामनगर सहादतगंज सम्पर्क मार्ग का आवागमन सुगम बनाने के लिए लोकनिर्माण विभाग द्वारा सड़क मार्ग का चौड़ीकरण कार्य शुरू कराने के साथ ही जद में आने वाले पेड़ो की कटाई व छटाई के लिए वन विभाग को सूचित किया गया था। ग्रामीण रमेश कल्लू दिनेश सुभम जितेंद्र अरविंद सचिन आदि का कहना कि वन क्षेत्र रामनगर की लापरवाही का खामियाजा जनता भुगत रही लेकिन विभाग कान में उंगली डाले हुए बैठा है। वन विभाग की उदासीनता के चलते सड़क पर लगे छोटे बड़े सैकड़ों पेड़ अभी तक नही हटाए जा सके हैं जो दुर्घटना को दावत दी रहे है जबकि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा करवाया गया सड़क चौड़ीकरण का कार्य करीब दो माह पहले ही पूर्ण हो गया था। वन विभाग की लापरवाही के कारण इस मार्ग से निकलने वाले वाहनों को भारी दुश्वारियां का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते पेड़ों की कटाई छटाई नहीं की गई तो किसी वक्त भी बड़ी दुर्घटना घट सकती है। डीएफओ आकाश बधावन ने बताया मौके पर टीम भेजकर जांच करवा रहे है जल्द ही समस्या से निजात दिलाई जाएगी।

डीएम ने जल जीवन मिशन के कार्यों का किया निरीक्षण

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने एक्सईएन जल निगम अमित कुमार के साथ मंगलवार को विकास खंड मसौली की ग्राम पंचायत डमौरा में जल जीवन मिशन के कार्यो का निरीक्षण किया। यहाँ पर कार्यदायी संस्था पीएनसी कंपनी द्वारा जल जीवन मिशन का कार्य कराया जा रहा है। कार्य की प्रगति बहुत धीमी होने पर जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था व सम्बंधित ठेकेदार पर कड़ी नाराजगी जताई और सम्बंधित को निर्देश देते हुए कहा कि ससमय कार्यों को पूर्ण करके जलापूर्ति सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान बन रही सिरोपरि पेयजल पानी टंकी के निर्माण कार्य में जिलाधिकारी ने तेजी लाने के निर्देश दिए।

50 लाख से अधिक की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बाराबंकी। विकास भवन परिसर स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में आज जनपद की 50 लाख से अधिक की निर्माणाधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आहूत की गई। समीक्षा बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण अभियन्त्रण एवं सांसद निधि योजनान्तर्गत कराये जा रहे कार्यों की अद्यावधि समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो परियोजनाएं पूर्ण हो गयी हैं, उन्हें सम्बन्धित विभाग को हैण्डओवर कर दिया जाए तथा जो परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं उन्हें शीघ्र पूर्ण कराया जाए। बनीकोडर और सिरौलीगौसपुर में आईटीआई का कार्य अबतक हैंडओवर हो जाना चाहिए था परंतु नहीं हुआ, इन कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश जिलाधिकारी ने सम्बंधित अधिकारियों को दिये। रामसनेहीघाट में कल्याण मंडप के अधूरे कार्य को शीघ्रता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि बेसिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा के अंतर्गत जिन भवनों के निर्माण कार्य पूरे हो गए, जांच के बाद उन्हें सम्बन्धित विभाग को हैंडओवर कर दिया जाए। नगर पालिका परिषद नवाबगंज के अंतर्गत डिटेंशन/ डंपिंग वार्ड के निर्माण कार्य में मैंन पावर बढ़ाने के निर्देश दिए। बेसिक शिक्षा विभाग के तहत जो परियोजनाएं अधूरी है उनको समय से पूरा करने के निर्देश दिए। राजकीय पालीटेक्निक बाराबंकी में 60 सीटेड पुरुष छात्रावास के निर्माण कार्य को और राजकीय पौधशाला सतरिख में चल रही परियोजना के निर्माण को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। भिटरिया में बस स्टेशन के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग के विकास कार्य समय पर पूर्ण कर हैंडओवर किया जाए। जिला चिकित्सालय और जिला महिला चिकित्सालय में अधूरे कार्यो को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय तीरगांव में ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण को अतिशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय कृषि विकास योजनांतर्गत डेवलपमेंट ऑफ गर्वनमेंट एग्रीकल्चर फॉर्म के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए। दशवीं वाहिनी पीएसी में जल निकासी के लिये नाला निर्माण के कार्य को शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। वन खण्डेश्वर महादेव मंदिर के पर्यटन विकास कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। भगहर झील के ईको पर्यटन विकास कार्यों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएमजेएसवाई की जो सड़कें अभी अधूरी है उन्हें भी समय से पूरा करा लिया जाए। सांसद निधि के कार्यों की

समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य समय पर पूर्ण कराये जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रांतीय खण्ड की जो परियोजनाएं अधूरी है उन्हें समय से पूरा किया जाए। देवा में पशु चिकित्सालय के अनिवासी भवन का निर्माण कार्य व बनीकोडर विकास खण्ड में बुढ़वा बाबा मंदिर में पर्यटन विभाग के विकास कार्यो को समय पर पूर्ण कराया जाए।अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग एवं अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग को निर्देशित किया कि सभी सड़कों का निर्माण यथाशीघ्र कराना सुनिश्चित करें, जिससे लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी परियोजनाओं का निर्माण कार्य समयान्तर्गत एवं गुणवत्तापूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। बैठक में सम्बन्धित विभागों के अनुपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, सीओ, जिला अर्थ एवं सांख्याधिकारी, डीडीओ, परियोजना निदेशक, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक सहित सहायक अभियंता जल निगम, सहायक अभियंता बाढ़ खंड, सहायक अभियन्ता निर्माण खण्ड 1, सहायक अभियंता ग्रामीण विकास, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, पीओ नेडा सहित सम्बन्धित विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे।

डीएम ने सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग में सुधार न लाने वाले अधिकारियों पर जताई नाराजगी

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में आज जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन(एनआरएलएम), मुख्यमंत्री योजना ग्रामीण व ग्रामीण अभियंत्रण के कार्यो में रैंकिंग खराब होने पर नाराजगी जताई और सम्बंधित अधिकारियों को रैंक में आपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए। पर्यटन विभाग को भी रैंक में सुधार लाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के कार्यो की प्रगति धीमी होने पर रैंकिंग में गिरावट आई है इसलिये इस कार्य को प्राथमिकता के साथ करने के निर्देश दिये। पंचायती राज विभाग के कार्यो में भी आपेक्षित सुधार के निर्देश जिलाधिकारी ने दिए। निपुण परीक्षा आकलन और मध्यान्ह भोजन की समीक्षा की और आवश्यक निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के तहत सेतु निर्माण कार्य में रैंकिंग को और बेहतर करने के निर्देश दिए। नई सड़कों के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए जिससे रैंक में आवश्यक सुधार हो सके। समाजकल्याण और सीएमआईएस विभाग की रैंकिंग में आवश्यक सुधार के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने यूपी नेडा विभाग, हार्टिकल्चर, बिजली विभाग, कृषि विभाग की योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली और किसान सम्मान निधि के लंबित आवेदनों को समय पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। मनरेगा, दुग्ध विभाग, दिव्यांग पेंशन, 15 वां वित्त के कार्यो को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। पशुपालन विभाग, सिचाई विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग को आपेक्षित प्रगति के निर्देश दिए। सेतु निर्माण कार्य को समय पर पूर्ण करने हेतु लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया। सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सहकारिता, युवा स्वरोजगार आदि योजनाओं की समीक्षा कर सम्बंधित को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी श्री अरुण कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, परियोजना निदेशक डीआरडीए, उपायुक्त एनआरएलएम, उपायुक्त मनरेगा, उपनिदेशक कृषि, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समाज कल्याण अधिकारी, सहित जनपद स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नशामुक्त अभियान गोष्ठी का हुआ आयोजन

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस के तत्वाधान मे आज वीणा सुधाकर ओझा महाविद्यालय, ज्योरी मसौली में '' एक युद्ध, नशे के विरूद्ध÷ नशामुक्त अभियान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम विषयक जागरूकता की शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ अवध भारती संस्थान के अध्यक्ष विधानसभा में अवधी अनुवादक डॉ रामबहादुर मिसिर ने कहा कि बच्चे नशा किसी और से नही बल्कि अपने बड़े बुजुर्गों से सीखते हैं, बड़ों को चाहिए कि बच्चों के समक्ष किसी प्रकार का नशा न करें, न ही बच्चों को मादक पदार्थों को खरीदने, बेंचने के काम मे लगाएं। अवध भारती संस्थान के अध्यक्ष राजबहादुर मिसिर ने कहा कि मेरे बचपन के समय बड़े बूढ़े बच्चों को असभ्य कहावतों को सुनाकर उन्हें खुद नशा सीखने के लिए प्रेरित करते थे, कोई भी किशोर बीड़ी सिगरेट तम्बाकू अपने आप से नही सीखता, उसे सिखाने का श्रेय बड़ों को ही जाता है, अब समय बदल गया है, इसे रोकना होगा। नारकोटिक्स सेल के प्रभारी अनूप कुमार शुक्ला ने ड्रग्स के कारोबार को नष्ट करने के बारे में विस्तार से बताया, उन्होंने कहा कि बाराबंकी ड्रग्स के

कारोबार का हब बन चुका था उन्होंने बताया कि, पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के सख्त कार्यवाही से दो वर्षों में 286 करोड़ का ड्रग्स पुलिस व नारकोटिक्स विभाग ने विधिक कार्यवाई करके नष्ट किया है। इससे जुड़ी सम्पत्तियों को कुर्क किया गया। जिला प्रशासन बाराबंकी को नशामुक्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, और अभियान चलाया जा रहा है। कालेज के प्राचार्य डॉ राम सुरेश वर्मा ने कहा कि छात्र छात्राओं से अपील है कि वह नशे से दूर रहें और समाज को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। महाविद्यालय के निदेशक दिनेश कुमार सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दूध बेचने के लिए गली गली दरवाजे दरवाजे जाकर बेंचना पड़ता है, नशीले पदार्थों के बेंचने वालों को कहीं जाना नही पड़ता बल्कि उनके पास खरीदने वालों की भीड़ स्वयं जाती है, यह हमारे समाज की बिडम्बना है।

आयोजक संस्था के अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने कार्यक्रम के उद्देश्य को बताया कहा कि नशीली दवाओं का दुरुपयोग इस स्तर तक हो रहा है कि जो दवाएं इलाज के लिए बनी, उनका इस्तेमाल नशा करने में हो रहा है। छात्रों, युवाओं किशोरों को ड्रग्स के कारोबार में उपयोग हो रहा है जो दुर्भाग्यपूर्ण होने के साथ ही युवाओं के कैरियर को बर्बाद करता है, इसे रोकना होगा। कार्यक्रम का संचालन गुलाम नबी ने किया। इस मौके पर उपनिरीक्षक राकेश यादव प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार यादव, विष्णु नारायण मिश्रा, जीशान अहमद, अमरदीप सहित कालेज के 150 छात्र छात्राओं ने बाराबंकी को नशामुक्त करने की शपथ ली।

अधिवक्ता संघ चुनाव : अध्यक्ष व अन्य पदों के लिए दर्जन भर प्रत्याशियों ने किया नामांकन

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। तहसील बार एशोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए हो रहे नामांकन के पहले दिन अध्यक्ष सहित अन्य पदों के लिए एक दर्जन प्रत्याशियों द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए गए। गत 4 अप्रैल से चल रही चुनाव प्रक्रिया के तहत मंगलवार को नामांकन प्रक्रिया शुरू हुई। जिसमें अध्यक्ष पद के लिए पूर्व अध्यक्ष अचल कुमार मिश्रा, महामंत्री पद के लिए पूर्व महामंत्री सुनील कुमार त्रिवेदी एवं हरिश्चंद्र सिंह,वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए सुश्री उषा सिंह, सुभाष चंद्र दीक्षित व दिनेश कुमार श्रीवास्तव, संयुक्त मंत्री प्रशासन पद के लिए आशीष कुमार मिश्रा व अजय कुमार यादव, संयुक्त मंत्री प्रकाशन पद के लिए सूरज कनौजिया, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए दिनेश दत्त मिश्र व हरिहर प्रसाद मिश्रा एवं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए संजीव कुमार पांडे द्वारा नामांकन पत्र दाखिल किए गए। एल्डर कमेटी तहसील हैदरगढ़ के चेयरमैन राजेंद्र कुमार बाजपेई एडवोकेट के निर्देशन में चल रहीं चुनाव प्रक्रिया के तहत अभी बुधवार व गुरुवार को भी सुबह10 से3 बजे तक अन्य प्रत्याशियों द्वारा भी नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। श्री वाजपेई ने बताया कि 19 अप्रैल को नामांकन पत्रो की जांच और वापसी होगी और उसके बाद आगामी 28 अप्रैल को मतदान एवं मतगणना प्रक्रिया संपन्न होगी। इस चुनाव में 218 अधिवक्ता मतदाता हिस्सा लेकर प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

प्रदेश सचिव नियुक्त होने पर दिव्यांश का हुआ स्वागत

स्वतंत्र भारत हैदरगढ़ बाराबंकी। कस्बा निवासी दिव्यांश श्रीवास्तव को विश्व सनातन कल्याण संघ का प्रदेश सचिव नियुक्त किए जाने पर मंगलवार को व्यापारी नेता जनार्दन शुक्ला के प्रतिष्ठान पर फूल मालाओं से स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में नगर पंचायत अध्यक्ष आलोक तिवारी, जनार्दन शुक्ल,उद्योग व्यापार मंडल हैदरगढ़ अध्यक्ष राज कुमार सोनी प्रधान प्रतिनिधि अरुण शुक्ला, करुणेश द्विवेदी,भानु मिश्र, अनंत प्रकाश मिश्र,उमेश सोनी,सत्यम मिश्र,सौरभ मिश्र,वेदांत गुप्ता,आयुष सोनी,आदित्य सोनी,निर्भय शुक्ला,ऋषभ मिश्र शामिल रहे।

हीटवेव के दृष्टिगत जिला प्रशासन सतर्क

डीएम ने संबंधितों को दिए आवश्यक निर्देश

बाराबंकी। लू-प्रकोप से बचाव एवं राहत के लिये तैयारी तथा कार्ययोजना को मूर्त रूप दिये जाने के संबंध में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने विकास भवन स्थित स्वर्णजयंती सभागार में बैठक करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने एसीएमओं से अस्पतालों में आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों के लिये छाया तथा पीने के पानी की उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में स्थापित संक्रामक रोग नियंत्रण कक्ष को सक्रिय रखते हुए नियमित अनुश्रवण किया जाए। प्रभावित जनता के देखभाल हेतु अतिरिक्त स्टाफ को प्रशिक्षित करने के साथ ही अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रो में ओआरएस के पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने हीट-वेव प्रबन्धन हेतु मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि पशुओं की सुरक्षा हेतु हीट-वेव एक्शन प्लान तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन करें। साथ ही पशु केन्द्रों पर आवश्यक दवाओं का भण्डारण सुनिश्चित हो तथा पशु चिकित्सकों के माध्यम से ग्रामीणों को पशुओं की सुरक्षा एवं लू से बचाव हेतु जागरूक किया जाये तथा गौशालाओं में संरक्षित गौवंश हेतु पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी, छाँव, चारा आदि की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक/जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को समस्त शैक्षिक संस्थानों में छात्र/छात्राओं हेतु पेयजल तथा विद्यालयों में पावर सप्लाई व पंखे आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को लू-प्रकोप से बचाव हेतु क्या करें क्या ना करें के बारे में अधिक से अधिक जागरूक किया जाए। उन्होंने जिला पंचायतराज अधिकारी को निर्देशित किया कि ग्रामीण क्षेत्रों के सार्वजनिक स्थलों, चौराहों व आवश्यकतानुसार सम्बन्धित ग्रामों में पानी की टंकी/टैंकरों आदि की व्यवस्था कराना सुनिश्चित के साथ ही ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधानों के माध्यम से के तालाबों में पानी भरवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायतों व पंचायतीराज विभाग को अपने-अपने क्षेत्र में खराब हैण्डपम्पों की तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि बड़े बस स्टैण्डों/टर्मिनलों पर प्राथमिक चिकित्सा, छाया एवं पेयजल की व्यवस्था, मैकेनिकल/इलेक्ट्रिक सिस्टम (पंखा/एसी) का प्राथमिकता के आधार पर समुचित रखरखाव तथा ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाये। इसी प्रकार जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, वन विभाग, श्रम विभाग के अधिकारियों को ग्रीष्मकाल की तैयारियों एवं हीटवेव कार्य योजना के सम्बन्ध में निर्देशित किया। उन्होने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का शत् प्रतिशत निर्वहन करें और दिये गये निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन करायें, लापरवाही कदापि न बरते। जिलाधिकारी ने हीट स्ट्रोक से बचाव के संबंध में ''क्या करें, क्या न करें'' के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए कहा कि प्रचार माध्यमों में सूचित हीट वेव (लू) संबंधी चेतावनी पर ध्यान दें। अधिक से अधिक पानी पियें। यदि प्यास नहीं भी हो तब भी थोड़ा-थोड़ा पानी पीते रहें।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 श्री अरूण कुमार, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ डीके श्रीवास्तव, उप जिलाधिकारी राजेश विश्वकर्मा, जिला विकास अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायतराज अधिकारी, अधिशासी अभियन्ता विद्युत/लघु सिंचाई, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, जिला आपदा विशेषज्ञ तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने केकेआर को हराया

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा करिश्मा, पीबीकेएस ने डिफेंड किया सबसे छोटा स्कोर

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 के 31वें मैच में पंजाब किंग्स की टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ कमाल कर दिया। पंजाब ने रोमांचक लो स्कोरिंग मुकाबले में कोलकाता को 16 रनों से हराकर नया इतिहास रच दिया। मेजबान पंजाब की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए महज 111 रनों के स्कोर पर ढेर हो गई। पंजाब का एक भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल सका। प्रभसिमरन ने सबसे ज्यादा 30 रनों का योगदान दिया। कोलकाता की ओर से हर्षित राणा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट अपने नाम किए। वहीं, सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती ने 2-2 विकेट झटके।

पंजाब के 111 रनों के स्कोर के जवाब में कोलकाता की टीम 15.1 ओवरों में 95 रनों पर ढेर हो गई। इस तरह पंजाब ने आईपीएल में सबसे छोटा स्कोर डिफेंड करने का बड़ा कारनामा कर दिया। इससे पहले आईपीएल में सबसे छोटा स्कोर डिफेंड करने का रिकॉर्ड चेन्नई सुपर किंग्स के नाम था। द्यद्ध,द्यस्त्रह्यने आईपीएल 2009 में 116/9 रनों का स्कोर डिफेंड किया था। अब पंजाब ने ष्टस्य के इस कीर्तिमान को ध्वस्त कर दिया है। पंजाब के मामूली स्कोर का पीछा करते हुए कोलकाता के बल्लेबाज भी संघर्ष करते नजर आए। पहले 2 ओवर में कोलकाता के सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन और क्विंटन डिकॉक पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे और अंगकृष रघुवंशी ने मोर्चा संभाला और स्कोर को 62 रन तक ले गए। इसके बाद पंजाब के स्पिनर चहल ने अपनी फिरकी का जादू चलाया और रहाणे और रघुवंशी को अपने लगातार 2 ओवर में चलता कर दिया। इसके बाद वेंकटेश अय्यर 11वें ओवर में मैक्सवेल का शिकार बने। कोलकाता की आधी टीम 74 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुकी थी।

मैक्सवेल के बाद 12वें ओवर में गेंदबाजी करने आए चहल ने लगातार 2 गेंदों पर रिंकू सिंह और रमनदीप सिंह को आउट कर कोलकाता को बैकफुट पर धकेल दिया। इसके बाद मार्को येनसन ने हर्षित राणा को आउट करते हुए पंजाब की जीत की उम्मीद जगा दी। वैभव अरोड़ा के रुप में कोलकाता को 9वां झटका लगा। इसके बाद आंद्रे रसेल ने कुछ बड़े शॉट खेलकर मैच को अपनी तरफ मोड़ने की कोशिश की लेकिन अंत में मार्को येनसेन ने आखिरी विकेट लेते हुए पंजाब को रोमांचक जीत दिला दी। कोलकाता की ओर से अंगकृष रघुवंशी ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। रघुवंशी ने अपनी पारी में 5 चौके और 1 छक्का लगाया। पंजाब की ओर से युजवेंद्र चहल ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए। मार्को येनसन ने 3 बल्लेबाजों का शिकार किया। चहल इस मैच में शानदार प्रदर्शन के दम पर आईपीएल में सर्वाधिक बार चार या इससे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में केकेआर के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन की बराबरी कर ली जिन्होंने चहल की तरह आईपीएल में आठ बार चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। केकेआर के खिलाफ यह तीसरी बार है जब चहल ने चार या इससे अधिक विकेट लिए हैं। यह किसी गेंदबाज का किसी टीम के खिलाफ सर्वाधिक बार ऐसा करना है। लसिथ मलिंगा ने सात बार ऐसा किया है, जबकि कैगिसो रबाडा ने छह और अमित मिश्रा ने पांच बार ऐसा किया है।

पहली बार बांग्लादेश में टी20 सीरीज खेलेगा भारत

नई दिल्ली। बीसीसीआई ने मंगलवार 15 अप्रैल को सोशल मीडिया पर बताया कि टीम इंडिया अगस्त 2025 में बांग्लादेश का दौरा करेगी और वहां तीन टी20 इंटरनेशनल और तीन वनडे इंटरनेशनल मैच की सीरीज खेलेगी। ये सभी मैच बांग्लादेश के मीरपुर और चटगांव में खेले जाएंगे। बीसीसीआई ने दौरे का शेड्यूल भी जारी किया। वहीं दौरे की शुरुआत तीन वनडे मैच की सीरीज से होगी। वनडे सीरीज 17 अगस्त को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शुरू होगी। उसी मैदान पर 20 अगस्त को दूसरा वनडे भी खेला जाएगा। आखिरी वनडे 23 अगस्त को चटगांव में खेला जाएगा। इसके बाद टी20 सीरीज की शुरुआत होगी। भारत बनाम बांग्लादेश टी20 इंटरनेशनल सीरीज 26 अगस्त को चटगांव में शुरू होगी। सीरीज का अगला मैच मीरपुर में 29 अगस्त को खेला जाएगा। इस मैदान पर 31 अगस्त को सीरीज का आखिरी मुकाबला खेला जाएगा।

श्रेयस अय्यर बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

नई दिल्ली। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलात्मक बल्लेबाज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक 243 रन बनाए थे। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा।अय्यर ने आईसीसी विज्ञप्ति में कहा, ''मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। एक ऐसा क्षण जिसे मैं हमेशा अपनी यादों में संजो कर रखूंगा।'' उन्होंने कहा, ''प्रत्येक क्रिकेटर का सपना होता है कि वह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में भारत की जीत में योगदान दे। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। प्रशंसकों को भी दिल से धन्यवाद। आपकी ऊर्जा और प्रोत्साहन हमें हर कदम पर आगे बढ़ने में मदद करते हैं।'' यह लगातार दूसरा महीना है जबकि किसी भारतीय खिलाड़ी ने यह पुरस्कार हासिल किया। इससे पहले शुभमन गिल ने फरवरी महीने के लिए यह पुरस्कार जीता था। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में बीच के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करके पारी को संवारने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण साझेदारियां निभाई जिससे भारत इस टूर्नामेंट में अपने सभी मैच जीतने में सफल रहा था।

जीत के ट्रैक पर लौटने को बेताब दिल्ली राजस्थान

नई दिल्ली। सत्र की शानदार शुरूआत के बाद अपने मैदान पर पहली हार झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स इस झटके को भुलाकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को आईपीएल के मैच में फिर जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी।लगातार चार मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली टीम को रविवार को अरूण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने हराया । इस हार के बाद दिल्ली शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स छह में से सिर्फ दो मैच जीतकर आठवें स्थान पर है । संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली के लिये घरेलू क्रिकेट के दिग्गज करूण नायर ने पदार्पण करते हुए 40 गेंद में 89 रन बनाये। एक समय दिल्ली का स्कोर 11वें ओवर में एक विकेट पर 119 रन था लेकिन इसके बाद 74 रन के भीतर आखिरी नौ विकेट गंवा दिये। उसके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर रन आउट हुए और 12 रन से पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली के पास इस हार का दुख मनाने का समय नहीं था क्योंकि दो दिन के भीतर ही उसे रॉयल्स के खिलाफ कल खेलना है। दिल्ली के लिये एक बार फिर सफलता की कुंजी स्पिनर साबित हो सकते हैं । पिछले मैच में हार के बावजूद कुलदीप यादव और 20 वर्ष के विपराज निगम ने शानदार प्रदर्शन किया । अक्षर हालांकि उतना प्रभावित नहीं कर सके हैं और छह मैचों में 14 ओवर डालकर भी उन्हें विकेट नहीं मिली है । इसके अलावा उन्होंने 10 से अधिक की दर से प्रति ओवर रन दिये हैं। बल्लेबाजी में भी वह छाप नहीं छोड़ पाये हैं । पिछले सत्र में आक्रामक प्रदर्शन करने वाले जैक फ्रेसर मैकगुर्क लय में नहीं हैं और अभी तक सिर्फ 46 रन बना पाये हैं। फाफ डु प्लेसी चोट के कारण बाहर है और नायर की जगह टीम में पक्की लग रही है । मध्यक्रम में केएल राहुल ने दारोमदार संभाल रखा है । उनका साथ देने के लिये ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और निगम हैं। दूसरी ओर रॉयल्स की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है । यशस्वी जायसवाल सिर्फ पिछले मैच में आरसीबी के खिलाफ अर्धशतक बना सके हैं ।कप्तान सैमसन अभी तक एक भी अच्छी पारी नहीं खेल पाये जबकि रियान पराग और ध्रुव जुरेल का बल्ला भी खामोश है। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर महंगे साबित हुए हैं । संदीप शर्मा को छोड़कर कोई भी गेंदबाज रनगति पर अंकुश नहीं लगा पाया है।

दिल्ली कैपिटल्स : अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगुर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

राजस्थान रॉयल्स : संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	रन रेट	अंक
गुजरात	6	4	2	+1.081	8
दिल्ली	5	4	1	+0.899	8
बेंगलुरू	6	4	2	+0.672	8
पंजाब	6	4	2	+0.172	8
लखनऊ	7	4	3	+0.086	8
कोलकाता	7	3	4	+0.547	6
मुंबई	6	2	4	+0.104	4
राजस्थान	6	2	4	-0838	4
हैदराबाद	6	2	4	-1.245	4
चेन्नई	7	2	5	-1.276	4

रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े में बनेगा स्टैंड

नई दिल्ली। रोहित शर्मा टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तानों की लिस्ट में शामिल हैं। भारत ने रोहित की कप्तानी में वनडे वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल तक का सफर तय किया था। इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का खिताब जीता। अब रोहित को लेकर एक बड़ा फैसला लिया गया है। रोहित के होम ग्राउंड वानखेड़े स्टेडियम में एक खास स्टैंड बनेगा, ये रोहित के नाम पर होगा। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने रोहित के नाम पर वानखेड़े में एक स्टैंड बनाने का फैसला लिया है। एमसीए ने इसको अप्रूव भी कर दिया है। रोहित को सम्मान देने के लिए ये कदम उठाया गया है। रोहित के साथ-साथ शरद पंवार और अजीत वाडेकर के नाम पर भी स्टैंड बनेगा। हालांकि, इसको लेकर अभी तक आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है। एमसीए ने अमोल काले को श्रद्धांजलि देते हुए एमसीए पवेलियन में मैच डे ऑफिस का नाम बदल दिया है। उसे अब एमसीए ऑफिस लाउंज के रूप में जाना जाएगा। रोहित शर्मा ने भारत के लिए हर फॉर्मेट में कमाल का प्रदर्शन किया है। खास बात ये है कि रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने तीनों फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत ने रोहित की कप्तानी में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023 का फाइनल मैच खेला। हालांकि, यहां उसे हार झेलनी पड़ी थी। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप का भी फाइनल खेला। उसने इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीती। वानखेड़े स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के नाम पर पहले ही स्टैंड हो चुका है।

शेयर बाजार में सेंसेक्स 1578 अंक चढ़ा, 49 शेयर हरे निशान पर

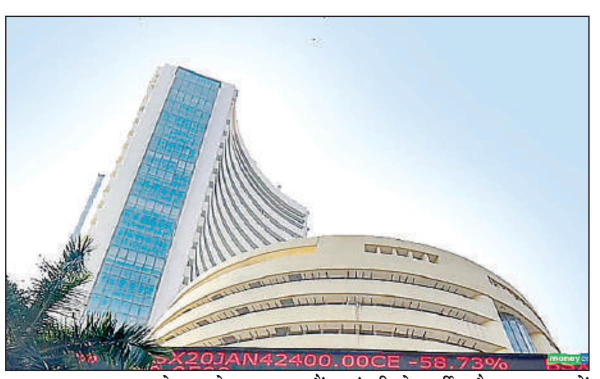

नई दिल्ली। भारतीय बाजार के बेंचमार्क सूचकांक तीन दिनों की छुट्टी के बाद मंगलवार को खुले तो निवेशकों की चांदी हो गई। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों पर शुल्क में कुछ ढील देने और वाहनों पर लगने वाले शुल्क में संशोधन का संकेत दिए जाने के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी दिखी। इसका फायदा भारत के सेंसेक्स और निफ्टी को भी मिला। आंकड़ों के अनुसार घरेलू बाजार में पिछले दो कारोबारी सत्रों के दौरान आई तेजी में निवेशकों को करीब 18.42 लाख करोड़ रुपये का मोटा फायदा हुआ है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी के साथ 1,577.63 अंक या 2.10 प्रतिशत उछलकर 76,734.89 अंक पर बंद हुआ। दो दिनों में बेंचमार्क सेंसेक्स 2,887.74 अंक या 3.91 प्रतिशत उछला है। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण दो दिनों में 18,42,028.91 करोड़ रुपये बढ़कर 4,12,24,362.13 करोड़ रुपये (4.81 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) हो गया। मंगलवार को निफ्टी भी 500.00 2.19प्रतिशत अंकों की बढ़त के साथ 23,328.55 के स्तर पर बंद हुआ।

बर्जर: बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, जो देश की दूसरी सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ रही पेंट कंपनी है, ने अपने नए होम कूलिंग पेंट्स लॉन्च किए हैं। इनमें वेदरकोट एंटी डस्ट कूल, रूफ कूल एंड सील और टैंक कूल पेंट्स शामिल हैं। कंपनी ने गर्मी और तापमान में लगातार बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुये ये पेंट बनाए हैं। लोगों को घर को ठंडा रखने के लिए अच्छे और पर्यावरण के अनुकूल समाधानों की जरूरत है। एमडी और सीईओ श्री अभिजीत रॉय ने कहा, हम आधुनिक जीवन की चुनौतियों को बखूबी समझते हैं। इसलिए, हम ऐसे समाधान देना अपनी जिम्मेदारी मानते हैं जो भविष्य को ध्यान में रखें और रोजमर्रा की जिंदगी के लिए उपयोगी हों।

सिग्निफाई: सिग्निफाई ने हर गाँव रोशन सीएसआर प्रोजेक्ट के अंतर्गत बहराईच, उत्तर प्रदेश के 300 से अधिक वन्य गाँवों को रोशन किया। कतरनियाघाट वन्यजीव मंडल में 5000 से अधिक सोलर और एलईडी लाइट्स की रोशनी फैलाई। यह प्रोजेक्ट एनजीओ, फिनिश सोसायटी के सहयोग से चलाया जा रहा है। इसके तहत 300 वन्य गाँवों में 5000 से अधिक उच्च क्वालिटी की एलईडी और सोलर स्ट्रीट लाइट्स लगाई जा रही हैं। उद्घाटन कार्यक्रम में कतरनियाघाट वन्यजीव मंडल, बहराईच के डिवीज़नल फॉरेस्ट ऑफिसर डीएफओ बी. शिव शंकर मौजूद थे। निखिल गुप्ता, हेड ऑफ मार्केटिंग, स्ट्रेट्जी, सरकारी मामले एवं सीएसआर, सिग्निफाई, ग्रेटर इंडिया ने कहा, ''सिग्नफाई में हम लोगों के जीवन में सुधार लाने के लिए लाइट की परिवर्तनकारी शक्ति में यकीन रखते हैं।

कामधेनु: टीएमटी बार निर्माता और विक्रेता कंपनी कामधेनु लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले में एक 'आर्किटेक्ट मीट'का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 आर्किटेक्ट्स शामिल हुए।

सोना फिर सर्वकालिक उच्च स्तर पर, चांदी 2500 रुपये चढ़ी

नई दिल्ली। मंगलवार को सोने का भाव 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी की कीमत 2,500 रुपए बढ़कर 97,500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई। दिल्ली में मंगलवार को सोने का भाव 50 रुपये बढ़कर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले सोमवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 50 रुपये की गिरावट के साथ 96,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 50 रुपए बढ़कर 96,000 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया जो इसका सर्वकालिक उच्चतम स्तर है। पिछले सत्र में यह 95,950 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

नवीनतम पेशकश: कलर्स के पसंदीदा ड्रामा मंगल लक्ष्मी ने समय और उथल-पुथल दोनों के मामले में एक साहसिक लीप लिया है। कहानी आगे बढ़ गई है, लेकिन अतीत के घाव अब भी ताज़ा हैं। सौम्या की वज़ह से मंगल और अदित का तलाक हो गया है, क्योंकि सौम्या के झूठ और चालाकी के जाल ने सबकुछ बर्बाद कर दिया है। तब से, मंगल और अदित ऐसी दुनिया में रह रहे हैं, जो भले ही एक हो लेकिन नदी के दो किनारों की तरह दूर भी है। उनकी मुलाकातें कुछ पलों की होती हैं, अनकही बातों और देर तक नज़र रखने वाली नज़रों से भरी हुई, लेकिन नसीब की कहानी बदल रही है।

पोर्टफोलियो पहल: अमेरिकन एक्सप्रेस ने 2025 ग्लोबल ट्रैवेल ट्रेंड्स रिपोर्ट जारी की है जिसमें यह खुलासा हुआ है कि भारतीय यात्री किस तरह से सोच समझकर यात्रा की योजना बना रहे हैं। इसमें स्थानीय और हाथ से बने सामानों की खरीदारी से लेकर लग्जरी वस्तुओं की खरीद के लिए विशेष यात्रा की तैयारी या कंसर्ट्स एवं खेल आयोजनों में शामिल होने की योजना शामिल है। इस रिपोर्ट में संकेत दिया गया है कि भारतीय यात्री 2025 में अनूठे अनुभवों को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिकन एक्सप्रेस बैंकिंग कॉर्प इंडिया के सीईओ और कंट्री मैनेजर संजय खन्ना ने कहा, ÷भारतीय पहले से कहीं अधिक जागरूक हैं और अपनी यात्रा के दौरान समग्र अनुभव चाहते हैं।

छह साल के निचले स्तर 3.34 प्रतिशत पर पहुंची

नई दिल्ली। खुदरा मुद्रास्फीति फरवरी के 3.61 प्रतिशत की तुलना में मार्च में मामूली रूप से घटकर 3.34 प्रतिशत रह गई। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई है। सब्जियों और प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी के कारण खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में मामूली रूप से घटकर लगभग छह साल के निचले स्तर 3.34 प्रतिशत पर आ गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 3.61 प्रतिशत और पिछले वर्ष मार्च में 4.85 प्रतिशत थी। मार्च 2025 में खुदरा महंगाई की दर अगस्त 2019 के बाद सबसे कम रही। उस समय यह 3.28 प्रतिशत थी।

श्रंखला विस्तार: फोनपे ने आज अपने ऐप पर यूपीआई सर्कल लांच करने की घोषणा की है, जिससे इसके यूजर एक सर्कल बना सकेंगे और अपने परिवार, मित्रों या भरोसेमंद कॉन्टैक्ट की ओर से पेमेंट कर सकेंगे। यूपीआई सर्कल यूजर किसी लिंक्ड बैंक अकाउंट के बिना अपना यूपीआई आईडी बना सकते हैं, जिससे डिजिटल वित्तीय सेवाओं तक सीमित पहुंच वाले लोगों के लिए एक सुरक्षित ऑनलाइन पेमेंट समाधान उपलब्ध हो जाता है। फोनपे पर यूपीआई सर्कल के साथ, यूपीआई खाताधारक (प्राइमरी यूजर), यूपीआई आईडी या क्यूआर कोड का उपयोग करके अपने परिवार/भरोसेमंद व्यक्तियों (सेकेंडरी यूजर) को अपने सर्कल में जोड़ सकते हैं और कहीं से भी उनके लिए पेमेंट को आसानी से ऑथराइज कर सकते हैं। फोनपे के कंज्यूमर पेमेंट की चीफ बिज़नेस ऑफिसर, सोनिका चंद्रा जी का कहना हैं, कि ÷यूपीआई सर्कल उन लोगों के लिए डिजिटल पेमेंट की आसानी और सुविधा को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिनके पास बैंकिंग की सुविधाएँ कम है और जो इस डिजिटल पेमेंट जगत में नए हैं।

व्यापार विस्तार: घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने सुपर कूलिंग डेज के 7वें संस्करण का एलान कर दिया है। यह फ्लिपकार्ट का सालाना सेल इवेंट है, जिसमें ग्राहकों को किफायती कीमत पर कूलिंग अप्लायंस मिलते हैं। इस साल यह सेल इवेंट 16 से 24 अप्रैल तक चलेगा। इसमें टॉप अप्लायंस ब्रांड व एक्साइटिंग डील्स के साथ शॉपिंग का सुगम अनुभव मिलेगा। इन खूबियों के साथ यह इवेंट इस सीजन में अपने जरूरी कूलिंग अप्लायंस को अपग्रेड करने के बारे में सोच रहे ग्राहकों के लिए बेहतरीन मौका है।

बीपीएल कार्ड और राशन कार्ड में काफी अंतर है

नई दिल्ली। राशन कार्ड एक सरकारी दस्तावेज है जो अपेक्षाकृत गरीब परिवारों को कम कीमत पर खाद्य सामग्री (जैसे- अनाज, चीनी, तेल आदि) उपलब्ध कराता है। मसलन, यह बीपीएल और एपीएल (गरीबी रेखा से ऊपर) दोनों श्रेणियों के व्यक्तियों को जारी किया जाता है।

क्या आपको पता है कि बीपीएल कार्ड और राशन कार्ड दोनों अलग-अलग चीजें हैं? यदि नहीं तो यह जान लीजिए कि जहां बीपीएल कार्ड गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की पहचान करता है, वहीं राशन कार्ड एक सरकारी दस्तावेज है जो गरीब परिवारों को कम कीमत पर राशन उपलब्ध कराता है। इसलिए आज यहां पर मैं आपलोगों को इसके बारे में विस्तारपूर्वक बता रहा हूँ कि बीपीएल या राशन कार्ड क्या है? इन दोनों में क्या अंतर है? इनकी उपलब्धता और उद्देश्यों पर उदाहरण सहित प्रकाश डालिए। बीपीएल का मतलब होता है गरीबी रेखा से नीचे जीवन जीवन यापन करने वाला व्यक्ति और उसका परिवार। मसलन, बीपीएल एक मानक है जो गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों की पहचान करता है। यही वजह है कि सरकार बीपीएल कार्ड धारकों को कतिपय सरकारी योजनाओं और सब्सिडी का लाभ देती आई है। बीपीएल राशन कार्ड धारकों को मुफ्त राशन, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन और अन्य लाभ मिलते हैं। राशन कार्ड एक सरकारी दस्तावेज है जो अपेक्षाकृत गरीब परिवारों को कम कीमत पर खाद्य सामग्री (जैसे- अनाज, चीनी, तेल आदि) उपलब्ध कराता है। मसलन, यह बीपीएल और एपीएल (गरीबी रेखा से ऊपर) दोनों श्रेणियों के व्यक्तियों को जारी किया जाता है। यह राशन कार्ड राष्टीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जारी किया जाता है। राशन कार्ड भी तीन प्रकार के होते हैं- पहला, एपीएल ये उन आम परिवारों के लिए हैं, जो गरीबी रेखा से ऊपर होते हैं। दूसरा, बीपीएल ये गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए बनाए जाते हैं।

भारतीय उत्पादों के निर्यात में पिछले साल की तुलना में मामूली इजाफा

नई दिल्ली। भारतीय वस्तुओं के निर्यात का आंकड़ा 2024-25 में 437.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। 2023-24 में यह आंकड़ा 437.07 बिलियन अमरीकी डॉलर था। इस तरह निर्यात में पिछले साल की तुलना में मामूली वृद्धि दिखी है। वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने मंगलवार को यह खुलासा किया। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार भारत का निर्यात चार महीने बाद मामूली रूप से बढ़ा है। देश का निर्यात मार्च महीने में 0.7 फीसदी की वृद्धि के साथ 41.97 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि, इस बीच हमारा व्यापार घाटा बढ़कर 21.54 अरब डॉलर हो गया। वित्तीय वर्ष 2024-25 (अप्रैल 2024 से मार्च 2025) की बात करें तो भारत का कुल निर्यात 0.08 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 437.42 अरब डॉलर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान देश का आयात 6.62 प्रतिशत बढ़कर 720.24 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिससे व्यापार घाटा बढ़कर 282.82 अरब डॉलर हो गया।

नवीनतम श्रृंखला: अमेज़न इंडिया ने आज अपने स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम का विस्तार टैबलेट्स कैटेगरी तक करने की घोषणा की। यह फैसला लैपटॉप कैटेगरी में इस प्रोग्राम की ज़बरदस्त सफलता के बाद लिया गया है। यह प्रोग्राम ग्राहकों की खास ज़रूरतों और इस्तेमाल की प्राथमिकताओं के आधार पर विशेषज्ञों द्वारा चुनी गई सिफारिशों के ज़रिए डिवाइस चुनना आसान बनाता है। टैबलेट्स अमेज़न इंडिया के लिए एक तेज़ी से बढ़ने वाली कैटेगरी है, जिसमें 2024 में 26 प्रतिशत सालाना की ग्रोथ दर्ज की गई है। ज़ेबा खान, डायरेक्टर, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, अमेज़न इंडिया ने कहा, स्मार्टच्वॉइस प्रोग्राम को ग्राहकों की ज़रूरतों को समझकर डिजाइन किया गया है, और इसने खरीदारी के अनुभव को काफी बेहतर बनाया है। इसकी स्पष्टता और सटीकता के लिए इसे ग्राहकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

अक्षय ऊर्जा आपूर्ति के लिए समझौता: सेरेंटिका रिन्यूएबल्स, भारत की अग्रणी नवीकरणीय ऊर्जा प्रदाता कंपनी, ने एनटीपीसी लिमिटेड के साथ 200 मेगावाट फर्म डिस्पैचेबल रिन्यूएबल एनर्जी उत्तर प्रदेश की वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) को आपूर्ति करने हेतु एक विद्युत खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह परियोजना देश के कई राज्यों में फैली हाइब्रिड सौर, पवन और बैटरी भंडारण संपत्तियों का उपयोग करेगी, ताकि राज्य के सुबह और शाम के पीक घंटों में मांग के अनुसार अक्षय ऊर्जा उपलब्ध कराई जा सके। सेरेंटिका रिन्यूएबल्स के सीईओ अक्षय हिरानंदानी ने कहा,यह समझौता विश्वसनीय और सतत अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जमीअत को नए कानून से वक्फ संपत्तियों के नुकसान की आशंका

कानूनी विशेषज्ञों, विद्वानों और बुद्धिजीवियों की आपात बैठक बुलाकर की गई सरकार से पुनर्विचार की मांग

नई दिल्ली, ब्यूरो। नए संशोधित वक्फ कानून को लेकर मुस्लिम समाज के काफी बड़े वर्ग के बीच केवल कानूनी नहीं बल्कि धार्मिक और सामाजिक नजरिए से भी व्यक्त की जा रही आशंकाओं को मुखर तरीके से अभिव्यक्त करने में जुटी जमीअत उलमा-ए-हिंद की अगुवाई में कई कानूनी विशेषज्ञों, इस्लामिक विद्वानों और मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने नए कानून से वक्फसंपत्तियों का लाभ मिलने की दलीलों को सिरे से खारिज करते हुए इससे वक्फ संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचने की चिंता जाहिर की है। इनका साफ तौर पर कहना है कि इस पूरे मसले की गंभीरता को देखते हुए देशभर में व्यापक जागरूकता और विरोध के साथ ही वक्फ संपत्तियों की रक्षा के लिए अब एक समन्वित राष्ट्रीय प्रयास की आवश्यकता है। नए कानून को वक्फ संपत्तियों के अस्तित्व के साथ ही धार्मिक भावनाओं व मान्यताओं और कानूनी सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा करार देते हुए सरकार से इस पर पुनर्विचार की मांग एक बार फिर दोहराते हुए कहा गया है कि वक्फ अधिनियम 2025 के वर्तमान स्वरूप को कानूनी, सामाजिक और सार्वजनिक यानी हर स्तर पर चुनौती दी जाएगी और इसके खिलाफ व्यापक जन आंदोलन चलाया जाएगा।

राजधानी दिल्ली स्थित मदनी हॉल में देशभर से आए प्रख्यात कानूनी विशेषज्ञों, विद्वानों, सामाजिक नेताओं और वक्फ संपत्तियों से जुड़े प्रतिनिधियों की जमीअत उलमा-ए-हिंद द्वारा आयोजित एक बैठक में उक्त बातें कही गईं। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जमीअत के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने कहा कि वक्फ एक धार्मिक और सामाजिक जिम्मेदारी है और इसकी रक्षा करना सभी का नैतिक कर्तव्य है। मौलाना मदनी ने सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि तमाम धार्मिक व कानूनी संस्थाओं की राय को नजरअंदाज कर यह अधिनियम तैयार किया गया है जो वक्फ की आत्मा के विपरीत है। बैठक में शामिल वरिष्ठ वक्फ विशेषज्ञ और पूर्व आईआरएस अधिकारी सैयद महमूद अख्तर ने कहा कि अधिनियम का मौजूदा ढांचा दिल्ली विकास प्राधिकरण जैसा प्रतीत होता है, जिसमें शरीयत सिद्धांतों की कोई भूमिका नहीं दिखती। इसी प्रकार सेंट्रल वक्फ काउंसिल के पूर्व सदस्य एम इकबाल ए शेख ने कहा कि अधिनियम की धारा 40 और 83 वक्फबोर्ड की स्वायत्तता को समाप्त कर सकती है और वक्फ संपत्तियों की वैधानिक स्थिति को कमजोर करती है। वहीं दरगाह हजरत निजामुद्दीन औलिया के सज्जादा नशीन एडवोकेट पीरजादा फरीद अहमद निजामी ने कहा कि धारा 3 और 3डी के तहत पांच साल के मुसलमान की शर्त या पुरातत्व महत्व की संपत्तियों को वक्फ से बाहर करना न केवल गैर-शरीअत संगत हैं बल्कि धार्मिक आस्थाओं का भी अपमान है। इस अवसर पर अफ्जाल मुहम्मद सफवी फारूकी (दरगाह सफीपुर), सैयद मुहम्मद अली हुसैनी (गेसू दराज), एडवोकेट एम आर शमशाद (सुप्रीम कोर्ट), एडवोकेट रऊफरहीम, एडवोकेट ताहिर हकीम (गुजरात), और पूर्व राजनयिक एमजे अकबर जैसे वक्ताओं ने इस अधिनियम पर गंभीर आपत्तियां जताईं। वक्ताओं ने इसे 'वक्फको खत्म कर ट्रस्ट संस्कृति को बढ़ावा देने की साजिश' करार दिया।

कार्यालय ग्रा0पं0-गौरा वि0ख0-हैदरगढ़ जनपद- बाराबंकी

पत्रांक– मेमो/ग्रा.पं.मनरेगा/राज्य वित्त/15 वां वित्त/2025–26 दिनांक 15.04.2025

वार्षिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत गौरा, विकास खण्ड–हैदरगढ़ में मनरेगा/राज्य वित्त/15 वां वित्त आयोग एवं स्वच्छ भारत मिशन, ठोस तरल अपशिष्ट प्रबंधन फेज–2 (एस. एल. डब्लू. एम) योजना व मुख्यमंत्री ग्राम पंचायत प्रोत्साहन राशि के अन्तर्गत कराये जाने वाले कार्य विज्ञान भवन सेंटर, स्मार्ट क्लासेज एवं जल प्रबंधन आदि समस्त योजनाओं के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य योजनाओं एवं आंगनवाडी केंद्र, अंतेष्टि स्थल, पंचायत भवन निर्माण, सामुदायिक शौचालय, कायाकल्प, ओपन जिम सामग्री, हयूम पाइप, पुस्तकालय स्थापना, मनरेगा से खेल का मैदान का निर्माण, अमृत सरोवर सौंदर्यीकरण, सीमेंटेड बेंच, अन्नपूर्णा गोदाम निर्माण, हैंडपम्प मरम्मत, पाइप पेयजल मरम्मत, हैंडपंप रिबोर, आफिस स्थापना, नाली निर्माण, खंडजा निर्माण व मरम्मत, इंटरलॉकिंग कार्य, सिटीजन इंफार्मेशन बोर्ड, सीसी रोड निर्माण/मरम्मत, घूर सफाई, पटरी भराई, स्कूल में जल निकासी व मिट्टी पटाई कार्य, समुदायिक शौचालय में सफाई हेतु साम्रगी, आफिस स्टेशनरी इत्यादि शासन द्वारा निर्धारित अन्य कार्यों हेतु निर्माण साम्रगी, जैसे ईंट प्रथम श्रेणी, सीधा खंजड़ ईंट, ईट गिट्टी, सीमेंट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, बायरिंग साम्रगी, दरवाजा, लोहा, सरिया, अलमारी, इंटरलॉकिंग ईंट, ट्रैक्टर ट्राली, स्टेशनरी सामग्री, झूला स्कूल में, टाइल्स, पुट्टी, व्हाइट सीमेंट, चूना, खिड़की, पल्ला, रूम पाइप, लोहे का गेट, कुर्सी मेज, कम्प्यूटर, एसेसरीज, प्रिंटर, फॉगिंग मशीन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, हैडपम्प की सामग्री, सेनीटाइजर, रिक्शा ट्राली, सोलर पैनल व बैटरी, सी.सी.टी.वी. कैमरा व ऐसेसरीज, पेयजल पाइप सामग्री, इत्यादि की पूर्ति हेतु निविदा वित्तीय वर्ष सत्र 2025–26 के लिए आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा **दिनांक16.04.2025 से 22.04.2025 तक** कार्यालय ग्राम पंचायत–गौरा में अपनी निविदा वांछित प्रपत्र के साथ बंद लिफाफे में रखकर जमा कर सकते है। निविदा **दिनांक 23.04.2025** को कमेटी द्वारा पुर्वान्ह 11 बजे खोली जायेगी। समस्त निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम प्रधान एवं पंचायत सचिव के पास निहित होगा। ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

नियम/शर्ते

1. आपूर्तिकर्ता का फर्म जीएसटी पंजीकृत होनी चाहिए। जिसके बैंक डिटेल के साथ प्रमाणित छायाप्रति संलग्न होनी चाहिए।
2. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्यों हेतु आपूर्ति आदेश ग्राम पंचायत द्वारा दिया जाएगा। समय से आपूर्ति ना कर पाने या विलंब करने पर आदेश निरस्त कर अन्य किसी फर्म को आपूर्ति आदेश देने के लिए स्वतंत्र होगी।
3. स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी रूप से गुणवत्ता प्रमाणित होने व मापन के उपरांत ही किया जायेगा।
4. ग्राम पंचायत वार्षिक कार्य योजना में पड़े अलग–अलग कार्यों के अनुसार फर्मों द्वारा अलग अलग कोटेशन देय होगा।
5. आपूर्तिकर्ता फर्म द्वारा इस आशय का शपथ पत्र भी प्रस्तुत करना होगा कि उपयुक्त फर्म किसी प्रकार से प्रधान, सचिव, ब्लॉक प्रमुख, या अन्य उच्च पद पर पदस्थ जनप्रतिनिधि या उनके रिश्तेदारों से सम्बंधित नहीं है।
6. निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा। निविदा/कोटेशन स्वीकृत/अस्वीकृत बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास सुरक्षित होगा।
7. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ता की मौजूदगी में निविदा खोला जायेगा।
8. प्रस्तुत दरें पीडब्ल्यूडी द्वारा स्वीकृत दरों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
9. आपूर्ति की गई सामग्री का भुगतान आपूर्तिकर्ता के बैंक खाते में पीएफएमएस के माध्यम से क्रेडिट किया जायेगा।

श्रीमती मीरा देवी
ग्राम प्रधान

उदय प्रकाश शुक्ला
ग्राम पंचायत सचिव

ग्राम पंचायत गौरा, विकास खंड–हैदरगढ़, जनपद–बाराबंकी

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड-अयोध्या

पता :– विकास भवन अयोध्या

पत्रांक– 68/ग्रा0अ0वि0/निविदा पत्राली/पत्रा0/अनु0सहा0/2025–26/ दिनांक: 07.04.2025

ई–प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

महामहिम श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड अयोध्या के द्वारा ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग उ0प्र0 में ए,बी,सी एवं डी श्रेणी में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। बिड डाक्यूमेन्ट के साथ संलग्न बिल ऑफ क्वान्टिटी के अंकित दरों में जी0एस0टी0 के अतिरिक्त अन्य सभी कर सम्मिलित है, जी0एस0टी0 का भुगतान सरकार के निर्देशानुसार नियमानुसार अलग से किया जायेगा। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य से सम्बंधित विवरण निम्नवत् है:–

क्र0 सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रू0 में) जी0एस0टी0 छोड़कर	बिड सिकुरिटि (इ0एम0डी0) (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य या निविदा फीस जी.एस.टी. सहित (यदि आवश्यक हो) (रू0में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षाऋतु सहित
1	2	3	4	5	6	7
पूर्वांचल विकास निधि–(जिलांश) विधान सभा क्षेत्र– अयोध्या						
1	अयोध्या	भदौली बुजुर्ग के पीठिया में डिब्बू निषाद के घर से हरीराम निषाद के घर तक एवं उमाशंकर के खेत तक जानकी के घर से मंशाराम के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य।	9.40	18800	500+500+ 180 = 1180	3 माह
2	अयोध्या	गंगौली में रामू के घर से तिलकराम के घर तक एवं मल्लू के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य।	9.60	19200	500+500+ 180 = 1180	3 माह
3	अयोध्या	देवकाली वार्ड में सुरेश निषाद के घर से विशाल वर्मा के घर तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य–सामान्य	11.52	23100	500+500+ 180 = 1180	6 माह
4	अयोध्या	ग्रामोदय इण्टर कालेज में पुरानी सी0सी0 से नरियॉ सं0मार्ग तक सी0सी0 रोड निर्माण–सामान्य।	16.73	33500	500+500+ 180 = 1180	3 माह
विधान सभा क्षेत्र– रूदौली						
5	अयोध्या	विकास खण्ड रूदौली के हॉड मऊ में पक्की सड़क से सहजराम लोधी के घर होते हुये सी0सी0 रोड तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	24.97	50000	500+500+ 180 = 1180	3 माह
6	अयोध्या	विकास खण्ड मवई ग्राम सभा जुनैदपुर में चन्द्रवती गौतम के घर के पास पक्की सड़क से राम सागर रावत के घर के पास तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	10.70	21400	500+500+ 180 = 1180	3 माह
7	अयोध्या	विकास खण्ड मवई के वजीराबाद में राम बहादुर के घर से दिनेश यादव के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	8.85	17700	500+500+ 180 = 1180	3 माह
8	अयोध्या	विकास खण्ड मवई के भवानीपुर में भवानीपुर पक्की सड़क से रिलायन्स टावर के पास तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	14.39	28800	500+500+ 180 = 1180	3 माह
9	अयोध्या	विकास खण्ड रूदौली के ग्राम सभा मत्था नेवादा में लोधन पुरवा में सालिकराम यादव के घर के पास पक्की सड़क से विक्रमा गौतम के घर तक इण्टर लाकिंग व नाली निर्माण कार्य–सामान्य	14.49	29000	500+500+ 180 = 1180	3 माह
10	अयोध्या	विकास खण्ड मवई के पूरे कामगार में अभिलाख यादव के घर के पास मोड़ से हरदेव बाबा मंदिर (सचिन जायसवाल के घर) तक इण्टर लाकिंग व नाली निर्माण कार्य–सामान्य	17.40	34800	500+500+ 180 = 1180	3 माह
11	अयोध्या	विकास खण्ड रूदौली के जरायल कला में बराती लाल शर्मा के घर से गंगा राम रावत के घर तक इण्टर लाकिंग व नाली निर्माण कार्य–एस0सी0पी0	10.64	21300	500+500+ 180 = 1180	3 माह
12	अयोध्या	विकास खण्ड रूदौली के भैसौली के सल्लाहपुर में राम बीरेन्द्र यादव के घर के पास से जगजीवन के घर होते हुये राम तीरथ के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–एस0सी0पी	9.15	18300	500+500+ 180 = 1180	3 माह
विधान सभा क्षेत्र– गोसाईगंज						
13	अयोध्या	विकास खण्ड पूरा बाजार में कामता सिंह बालिका इण्टर कालेज बाउण्ड्री एवं शौचालय निर्माण–सामान्य	26.58	53200	500+500+ 180 = 1180	3 माह
14	अयोध्या	विकास खण्ड बीकापुर के शिवतर में पक्की सड़क से रमाशंकर तिवारी के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य।	9.34	18700	500+500+ 180 = 1180	3 माह
15	अयोध्या	विकास खण्ड मया के मेदनीपुर में रजेश सिंह के घर से विवेक राहुल सिंह के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	13.03	26100	500+500+ 180 = 1180	3 माह
16	अयोध्या	विकास खण्ड बीकापुर के मऊ में गोसाई मठिया से वर्मा जी के घर तक खडण्जा निर्माण कार्य–सामान्य	10.64	21300	500+500+ 180 = 1180	3 माह
17	अयोध्या	विकास खण्ड मया के बेरा में नरेन्द्र सिंह के घर से संजय पासवान के फार्म तक इण्टर लाकिंग कार्य–एस0सी0पी0	9.43	18900	500+500+ 180 = 1180	3 माह
18	अयोध्या	विकास खण्ड तारून के सराय मनोधर में स्वार्थ के घर से रवि कोरी के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–एस0सी0पी0	8.69	17400	500+500+ 180 = 1180	3 माह
विधान सभा क्षेत्र– मिल्कीपुर						
19	अयोध्या	कुचेरा कीन्हू पुर प्रधानमंत्री सड़क से रामेन्द्र के खेत होते हुये अशोक सिंह के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	11.52	23100	500+500+ 180 = 1180	3 माह
20	अयोध्या	इनायत नगर कोटवा में मो0 अलीम के घर से सोनस गॉव तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	11.34	22700	500+500+ 180 = 1180	3 माह
21	अयोध्या	ग्राम सभा धनैचा में पक्की सड़क से हरिजन बस्ती तक सी0सी0 कार्य– समान्य	12.95	25900	500+500+ 180 = 1180	3 माह
22	अयोध्या	टिकटी शुकई सिंह के घर से श्याम लाल पाल के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	11.67	23400	500+500+ 180 = 1180	3 माह
23	अयोध्या	शिवदास मंगनी के घर से राज कुमार के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	8.92	17900	500+500+ 180 = 1180	3 माह
24	अयोध्या	अमरगंज मुर्तिहन भवानी संपर्क मार्ग से सहजनगऊ गॉव में बीरेन्द्र तिवार के घर तक सी0सी0 कार्य–सामान्य	13.43	26900	500+500+ 180 = 1180	3 माह
25	अयोध्या	ग्राम पंचायत रामपुर गौहनिया संपर्क मार्ग से छेदी लाल के दरवाजे तक सी0सी0 कार्य–एस0सी0पी0	19.18	38400	500+500+ 180 = 1180	3 माह
विधान सभा क्षेत्र– बीकापुर						
26	अयोध्या	पक्की सड़क से गोविन्द पुर ग्राम तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	10.24	20500	500+500+ 180 = 1180	3 माह
27	अयोध्या	बरवा ठेउँगा मार्ग से दुनिया का पुरवा में रामकेवल के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	12.54	25100	500+500+ 180 = 1180	3 माह
28	अयोध्या	ग्राम पंचायत अरथर के राजा मिश्र के पुरवा में पक्की सड़क से राम शंकर के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	9.20	18400	500+500+ 180 = 1180	3 माह
29	अयोध्या	ग्राम पंचायत मानापुर के ग्राम बैदौली में प्रा0वि0 से लल्लन के घर होते हुये परशुराम वर्मा के घर तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	13.33	26700	500+500+ 180 = 1180	3 माह
30	अयोध्या	मानापुर पक्की सड़क से आबादी होते हुये पंचायत भवन जाने वाली पक्की सड़क तक इण्टर लाकिंग कार्य–सामान्य	18.88	37800	500+500+ 180 = 1180	3 माह

2. वैब साइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि:– 19.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे से
3. बिड डाक्यूमेन्ट डाउन लोडिंग प्रारंभ करने की तिथि एवं समय:– 19.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे से
4. ई–निविदा के माध्यम से निविदा डालने की प्रारंभ तिथि/समय:– 19.04.2025 को दोपहर 12.00 बजे से
5. ई–निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अंतिम तिथि/समय:– 20.05.2025 को दोपहर 12:00 बजे तक
6. ई–निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि एवं समय:– 20.05.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे
7. टेण्डर प्रक्रिया से पूर्व का कोई भी शपथ पत्र मान्य नहीं होगा।
8. निविदा आन–लाईन वैब साइट https://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होगा एवं उसी साइट पर डाला जायेगा।
9. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज–9 के अनुसार परिशिष्ट/शुद्धि पत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई–निविदा पोर्टल पर निगरानी रखें।

अधिक जानकारी के लिए कृपया वैब साइट https://etender.up.nic.in पर लॉग इन करें तथा बिड डाक्यूमेन्ट को डाउनलोड करें।

सभी सम्भावित निविदादाता को सलाह है कि बिड सब्मिट करने से पूर्व बिड डाक्यूमेन्ट को भली भाँति पढ़ लें।

(मुनेश कुमार लोधी)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–अयोध्या
श्री राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से।

उ0प्र0 232307 दिनांक– 15.04.2025
Web.: www.upidadv.gov.in

प्राथमिक विद्यालय में आयोजित हुआ वार्षिक समारोह

चुनार (मिर्जापुर)। प्राथमिक विद्यालय चुनार का प्रथम वार्षिक समारोह के बतौर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक अनुराग सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं। इस दौरान उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे बच्चों की मासूम मुस्कान, उनके द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की ऊर्जा और शिक्षकों का समर्पण देखकर मन अत्यंत आनंदित हुआ। बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने यह सिद्ध कर दिया कि हमारा भविष्य सुनहरे हाथों में है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी। नृत्य, गीत, कविता पाठ और नाट्य प्रस्तुति, हर एक में समर्पण और मेहनत की झलक साफ़ दिखी। विद्यालय परिवार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है, वह सराहनीय और प्रेरणादायक है। इस कार्यक्रम में प्राथमिक शिक्षक संघ मिर्जापुर के जिला अध्यक्ष प्रभु नारायण सिंह नारायणपुर के बेसिक शिक्षा अधिकारी जयकुमार यादव,धीरज सिंह,चंद्रशेखर सिंह,अश्विनी द्विवेदी सभासद, विकास कुमार कश्यप, ज्योति सिंह, किशन मोदनवाल, बचाऊ लाल सेठ, विजय बहादुर सिंह, कंचन विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

गैस सिलेंडर फटने से एक की मौत, चार झुलसे

चुनार (मिर्जापुर)। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के चक गम्भीरा चौकी अंतर्गत मडफा गांव में खेत में समरसेबल लगवाने का काम चल रहा था। जिसमें मोबिल की आवश्यकता पर मोबिल को गैस सिलेंडर पर गर्म करते हुए गैस सिलेंडर फट गई। मड़ई में चिंगारी से 1.45 बजे आग लग गई।जिससे मडहे में आग लगने से ओमप्रकाश भारतीय (45) पुत्र स्वर्गीय जीतू हरिजन ग्राम सागर सेमरी थाना चुनार गंभीर रूप से जलने से घटनास्थल पर ओमप्रकाश की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल चौथी पाल, शिव आधार पाल, धर्मेंद्र पटेल पुत्र छेदी पटेल निवासी मडफा, उमेश कुमार पुत्र हीरामणि निवासी ग्राम सागर सेमरी गंभीर रूप के झुलस गए। जिसे चुनार के एपेक्स हॉस्पिटल में पहुंचाया गया इलाज चल रहा है।आग की घटना पर उप जिलाधिकारी राजेश कुमार वर्मा व चुनार इंस्पेक्टर रविंद्र भूषण मौर्य, क्राइम इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार यादव मय फोर्स पहुंचकर घटना का ज्यादा लिया।

बताया कि समरसेबल लगवाने का काम खेत में चल रहा था जिसमें मोबिल को गैस सिलेंडर पर गर्म किया जा रहा था। सिलेंडर फटने सेचिंगारी लगने से मडहे में भयंकर आग लग गई। इलाज के दौरान ओमप्रकाश भारती की मौत हो गई चार गंभीर रूप से झुलस कर घायल है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किराना की दुकान में लगी आग

चेतगंज (मिर्जापुर)। चील्ह थाना क्षेत्र के पुरजागीर बाजार के दुर्गाचौराहा पर स्थित संजय किराना स्टोर मेंसंदिग्धपरिस्थितियों में सोमवार की देर शाम को लगी आग मेंदुकान मेंरखा 25 हजार नकदी समेत तीन लाख रुपयेका सामान जल गया।

क्षेत्र के चेकसारी गांव निवासी संजय कुमार यादव की पुरजागीर बाजार के दुर्गाचौराहा पर संजय किराना स्टोर का दुकान है। संजयकुमार यादव प्रतिदिन की तरह सोमवार की रात्रि लगभग 9.30 बजेअपनी दुकान को बंद कर, अपनेघर चला गया। सोमवार रात्रिलगभग 11.30 बजेउनके किराना स्टोर की दुकान मेंसंदिग्ध परिस्थितियों में आग गई। दुकान मेंलगी आग की खबर दुकानदार को दी। घटना की जानकारी पर दुकान मालिक सहित आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचकर 112 पीआरबी पुलिस को सूचना देते हुए समरसेबल पंप के मदद सेस्थानीय लोगों नेजबतक आग पर काबूपाया। तब तक दुकान मेंरखा 25 हजार रुपया नकद सहितलगभग 3 लाख रुपए का किराना का सामान जलकर खाक हो गया।

घटना के संबंध मेंमंगलवार को संजय के बड़े भाई पिंटू नेचील्ह थाना मेंअज्ञात व्यक्ति द्वारा पेट्रोल डालकर किराना स्टोर की दुकान मेंआग लगानेकी तहरीर देकरकार्यवाही करनेकी मांगकिया है।

हमारा संविधान थीम पर पीएम श्री स्कूल के बच्चों ने निकाली प्रभातफेरी

हलिया (मिर्ज़ापुर)। क्षेत्र के हथेड़ा गांव स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के बच्चों ने मंगलवार को खंड शिक्षा अधिकारी प्रकाश चंद्र यादव के निर्देश पर संविधान निर्माता और भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती पर स्कूल परिसर से हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान थीम पर भव्य प्रभात फेरी निकाली गई। जिसे ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अधिवक्ता काशी प्रसाद मिश्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।प्रभात फेरी में पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने हाथों में तख्तियां लेकर संविधान, समानता, शिक्षा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अधिवक्ता काशी प्रसाद मिश्रा द्वारा बाबा साहब के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहब का जीवन समर्पण, संघर्ष और शिक्षा का प्रतीक है।प्रभात फेरी रैली थाना परिसर में पहुंची जंहा पर प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह स्कूली बच्चो के साथ प्रभात फेरी रैली में शामिल हुए प्रभात फेरी रैली स्कूल से होते हुए थाना परिसर से गुलाब तिराहा पर पहुंचकर वापस स्कूल पर प्रभात फेरी का समापन हुआ। इस दौरान पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश प्रसाद मिश्रा, अध्यापक उदित मिश्रा, आशीष मिश्रा, एसआई परमात्मा यादव आदि मौजूद रहे।

पोल सहित सोलर स्ट्रीट लाइट उखाड़ ले गए चोर

जिगना (मिर्जापुर)। विंध्याचल कोतवाली क्षेत्र के गैपुरा चौकी अंतर्गत आदर्शगांव रायपुर मेंबीती रात चोरों नेसड़क केकिनारेलगी 25 हजार कीमत की सोलर स्ट्रीट लाइट पोल सहित उखाड़ लेगए। पुलिस खुलासा करनेमेंजुटी हुई है। गांव निवासीकैलाश मौर्यापुत्र सोधाराम के घर के सामनेकटरा-पांडेयपुर मार्गकी पटरी पर एक वर्षपूर्वसोलर लाइट लगवाया गया था। प्रधानसंतोष तिवारी नेबताया कि मनबढ़ चोरों नेपोल सहित सोलर लाइट उड़ा लिया। सुबह सूचना मिलनेपर मौके पर जांच-पड़ताल केबाद तहरीर दिया गया। चौकी इंचार्जआनंद शंकर सिंह नेबताया कि शीघ्र ही चोरों का पता लगाया जाएगा। वहीं आम चर्चाहैकिशाम ढलतेही नशेड़ी तत्वों का जमावड़ा लग जाता है। नशेकी धुत में आए दिन चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

दो वर्ष से निर्माणाधीन स्कूल भवन नहीं हुआ पूर्ण

चुनार (मिर्जापुर)। क्षेत्र के जलालपुरमाफी गांव में दो वर्ष से कराया जा रहा विद्यालय भवन का निर्माण अधूरा पड़ा है। इससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है। खंड शिक्षा अधिकारी नरायनपुर जय कुमार यादव नेबताया कि प्राथमिक विद्यालय जलालपुरमाफी में पुराने जर्जर भवन को ध्वस्त कर नए बिल्डिंग भवन का निर्माण कराए जानेके लिए नामित कार्यदाई संस्था को ठेका दिया गया था। जिसको भुगतान भी कर दिया गया। दो वर्षों से विद्यालय भवन का निर्माण करवा रही कार्यदाई संस्था फरार हो गई। जिससे भवन का निर्माण कार्य अधूरा ही रह गया। जिससे दर्जनों बच्चों कि पढ़ाई बाधित हो रही है।

स्वतंत्र भारत
एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**
स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***
फोन : 0522-4043151
swatantrabharat77@gmail.com
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

ट्रंप के टैरिफ पर ड्रैगन का एक और पलटवार

चीन ने बोइंग विमान की खरीद पर लगाई रोक

बीजिंग। अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच चीन ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से विमानों की डिलीवरी लेने पर रोक लगा दी है। चीन ने अपनी एयरलाइंस को निर्देश दिया है कि वे अब बोइंग कंपनी से नए विमान न लें और न ही अमेरिका से विमान संबंधी उपकरण या कलपुर्जे खरीदें। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन से आयात होने वाले

कलपुर्जे भी नहीं खरीदे जाएंगे

सामानों पर 145 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने के फैसले के बाद उठाया गया है। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी उत्पादों पर 125 प्रतिशत का जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। नए शुल्कों के चलते अमेरिका से आयात होने वाले विमान और उनके कलपुर्जों की लागत दोगुनी से भी अधिक हो गई है, जिससे चीनी एयरलाइंस के लिए बोइंग विमान लेना मुश्किल हो गया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन अब उन एयरलाइंस की मदद के उपाय खोज रहा है जिन्होंने बोइंग विमान लीज पर लिए हैं और जो अब इन पर अधिक खर्च का सामना कर रही हैं। यह स्थिति बोइंग के लिए गंभीर चुनौती बन गई है, खासकर उस समय जब चीन वैश्विक विमान बाजार का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। अनुमान है कि आने वाले 20 वर्षों में चीन वैश्विक विमान मांग का 20 प्रतिशत हिस्सा रखेगा। वर्ष 2018 में बोइंग द्वारा बेचे गए कुल विमानों में से करीब 25 प्रतिशत चीन को भेजे गए थे। हालांकि, हाल के वर्षों में अमेरिका-चीन के बीच व्यापारिक तनाव और बोइंग के आंतरिक गुणवत्ता संबंधी मुद्दों के चलते चीन ने बोइंग से कोई बड़ा नया ऑर्डर नहीं दिया है। 2019 में जब दो घातक हादसों के बाद 737 मैक्स विमानों को ग्राउंड किया गया था, तब चीन पहला देश था जिसने यह फैसला लिया था। ट्रंप और बाइडेन, दोनों प्रशासन के दौरान व्यापारिक मतभेदों ने चीन को यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एयरबस एसई की ओर झुकाव बढ़ाने को मजबूर किया। इसके अलावा, 2024 की शुरुआत में बोइंग को एक और झटका लगा जब जनवरी में उड़ान के दौरान एक विमान का डोर प्लग (दरवाजे का हिस्सा) उड़ गया, जिससे कंपनी की गुणवत्ता पर फिर सवाल खड़े हो गए।

बूढ़ों का देश बना जापान, एक तिहाई 65 के पार

टोक्यो। जापान की आबादी में लगातार 14वें साल गिरावट दर्ज की गई है। जन्मदर की कमी के संकट से जूझ रहे जापान के लिए यह हालात चिंताजनक हैं। जापान की सरकार ने जन्मदर में इजाफे के लिए अलग से मंत्रालय तक का गठन किया है और युवाओं को संबंध बनाने एवं शादी करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसके बाद भी युवा वर्ग में परिवार बढ़ाने को लेकर उदासीनता की स्थिति है। 2024 के जो आंकड़े आए हैं, उसके मुताबिक देश में 65 साल से अधिक आयु के लोगों की संख्या 29.3 फीसदी है। जापान के गृह मंत्रालय की ओर से सोमवार को यह आंकड़ा जारी किया गया। अक्टूबर के आंकड़ों के अनुसार जापान की कुल आबादी जापानियों और वहां रहने वाले विदेशियों को मिलाकर 12.3 करोड़ है। यह आंकड़ा बीते साल के मुकाबले 5 लाख 50 हजार कम है। जापान की आबादी में 2011 के बाद से लगातार गिरावट का दौर जारी है। हर साल जापान की आबादी में कई लाख की कमी आ जाती है। जापान की आबादी 2008 में अपने टॉप पर थी। जापान के लिए मुश्किल स्थिति यह है कि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ रही है, जबकि युवा लोगों की आबादी में लगातार गिरावट हो रही है। हालात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि 15 साल से कम उम्र के लोगों की संख्या अब देश में 11 फीसदी ही बची है। यह आंकड़ा बीते साल के मुकाबले 3 लाख 43 हजार कम है। जापान में युवाओं की आबादी में 1975 से ही लगातार गिरावट चल रही है। दिलचस्प बात यह है कि जापान में बुजुर्गों की आबादी 36.23 मिलियन हो गई है। बीते साल के मुकाबले बूढ़ों की आबादी में 17 हजार का इजाफा हो गया है।

नाटो का हमला हुआ तो खाक होंगे पोलैंड व बाल्टिक देश, रूस ने खुलकर दी धमकी

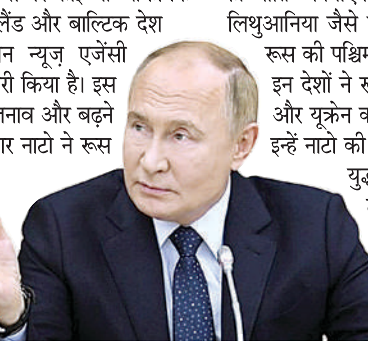

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध के बीच व्लादिमीर पुतिन के खास सिपहसलार और रूस की विदेशी खुफिया एजेंसी के प्रमुख सर्गेई नारिश्किन ने पश्चिमी देशों को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि यदि नाटो ने रूस या उसके करीबी सहयोगी बेलारूस पर कोई भी आक्रामक कार्रवाई की, तो सबसे पहले पोलैंड और बाल्टिक देश तबाह होंगे। यह बयान रशियन न्यूज़ एजेंसी आरआईए ने उनके हवाले से जारी किया है। इस बयान से क्षेत्र में भू-राजनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा, अगर नाटो ने रूस या बेलारूस के खिलाफ कोई भी सैन्य कार्रवाई की, तो इसका खामियाजा पूरे नाटो को भुगतना पड़ेगा। लेकिन सबसे पहले तबाही पोलैंड और बाल्टिक देशों पर टूटेगी। नारिश्किन पुतिन के बेहद करीबी और रूसी खुफिया विभाग के सबसे ताकतवर चेहरों में से एक माने जाते हैं। उनके बयान साफ संकेत है कि रूस पश्चिमी गठबंधन के किसी भी संभावित हस्तक्षेप के लिए तैयार है और प्रतिरोध की नीति अपनाएगा। पोलैंड और एस्टोनिया, लातविया, लिथुआनिया जैसे बाल्टिक देश नाटो के सदस्य हैं और रूस की पश्चिमी सीमा से सटे हुए हैं। हाल के वर्षों में इन देशों ने रूस के खिलाफ मुखर रुख अपनाया है और यूक्रेन को समर्थन देने में भी आगे रहे हैं। रूस इन्हें नाटो की अग्रिम चौकियां मानता है। रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते रूस और नाटो देशों के बीच टकराव बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन को आर्थिक, सैन्य और खुफिया मदद दे रहे हैं, जबकि रूस इसे सीधा नाटो का हस्तक्षेप मानता है।

नेशनल हेराल्ड केस, ईडी ने पहली चार्जशीट दाखिल की

सोनिया-राहुल और पित्रोदा पर मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप, कांग्रेस बोली- मोदी, शाह धमका रहे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में मंगलवार को पहली चार्जशीट दाखिल कर दी। इसमें सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे के नाम शामिल हैं। मामले की सुनवाई 25 अप्रैल को दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में होगी। कोर्ट ने ईडी से मामले की केस डायरी भी मांगी है। 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ इस मामले की शिकायत की थी। 12 अप्रैल 2025 को जांच के दौरान कुर्क संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई। ईडी ने दिल्ली, लखनऊ और मुंबई में 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को कब्जे में लेने के लिए नोटिस जारी किया था। इससे पहले, मंगलवार को ही सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा प्रवर्तन निदेशालय के ऑफिस पहुंचे। जहां उनसे गुरुग्राम के शिकोहपुर लैंड घोटाले में पूछताछ हुई। कांग्रेस ने इसे बदले की राजनीति बताया। जयराम रमेश ने लिखा, 'नेशनल हेराल्ड की संपत्ति जब्त करना कानून के शासन का मुखौटा पहने हुए राज्य प्रायोजित अपराध है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कुछ अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करना प्रधानमंत्री और गृह मंत्री की ओर से बदले की राजनीति और धमकी के अलावा कुछ नहीं है। हालांकि, कांग्रेस और उसका नेतृत्व चुप नहीं रहेगा। सत्यमेव जयते।'

एक नज़र

पाक में सड़क हादसा, 10 मरे

पेशावर। पश्चिमोत्तर पाकिस्तान में मंगलवार को एक ट्रक और यात्री बस के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में कम से कम दस लोगों की मौत हो गई और आठ घायल हो गए। '1122 रेस्क्यू' सेवा के प्रवक्ता ने यहां बताया कि यह दुर्घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के करक जिले में मुख्य सिंधु राजमार्ग पर लक्की घुंडा खेल के पास हुई। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के तुरंत बाद पांच एंबुलेंस और एक सहायता वाहन को घटनास्थल पर भेजा गया। बचाव दल ने सभी लोगों को बस से बाहर निकाल लिया।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का हमला, 40 की मौत

अबुजा। नाइजीरिया के राष्ट्रपति ने जानकारी दी कि मुसलमान बंदूकधारियों ने देश के उत्तर-मध्य हिस्से में एक ईसाई कृषक (किसान) समुदाय पर हमला किया, जिसमें चालीस लोग मारे गए। यह नाइजीरिया में बढ़ती हुई हिंसा की लहर में नया मामला है। राष्ट्रपति बोला टिनुबु ने रविवार की रात जीके समुदाय पर हुए हमले की जांच का आदेश दिया और पीड़ितों व उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताई। टिनुबु ने सोमवार रात एक बयान में कहा, मैंने सुरक्षा एजेंसियों को इस संकट की पूरी तरह से जांच करने और इन हिंसक कृत्यों को अंजाम देने वालों की पहचान करने का निर्देश दिया है।

नेपाल में लगे भूकंप के झटके

काठमांडू। भूकंप आने का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। अब भारत के पड़ोसी देश नेपाल में भी भूकंप आया जिससे वहां की धरती डोल गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर नेपाल में आए भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई है। ये भूकंप उस समय आया जब लोग सो रहे थे और उन्हें एहसास हुआ कि उनके पलंग हिल रहे हैं। एनसीएस के अनुसार, नेपाल में भूकंप 25 किमी की गहराई पर आया, जिस वजह से तेज झटके महसूस हुए। भूकंप सुबह 4.30 बजे आया।

परमाणु का सपना भूल जाए ईरान : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उसे परमाणु हथियार के अपने सपने को भूलना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो फिर हमले के लिए तैयार हो जाए। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब वॉशिंगटन और तेहरान के बीच परमाणु समझौते को लेकर एक चरण की वार्ता हो चुकी है और अगले चरण की इस शनिवार को होनी है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा, वे हमें बहका रहे हैं। ईरान जानबूझकर अमेरिका के साथ परमाणु समझौते में देरी कर रहा है। ईरान या तो परमाणु हथियार की तरफ एक भी कदम न बढ़ाए या फिर तेहरान के परमाणु ठिकानों पर सैन्य हमले के लिए तैयार हो जाए। ईरान को परमाणु हथियार का सपना भी नहीं देखना चाहिए और जो देखा है उसे भूलना होगा। उन्होंने कहा मैं चाहता हूं कि वे एक अमीर और महान देश बनें। लेकिन ये कट्टरपंथी लोग हैं और उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकता। उन्हें अमेरिका के सख्त रुख से बचने के लिए तेजी से कदम आगे बढ़ाने की जरूरत है क्योंकि वे परमाणु हथियार बनाने के काफी करीब हैं।

'राज्यों के अधिकारों का अतिक्रमण कर रहा केंद्र'

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर कड़ा हमला करते हुए उस पर राज्यों के अधिकारों का अतिक्रमण करने का आरोप लगाया। एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए स्टालिन ने राज्य विधानसभा में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति कुरियन जोसेफ की अध्यक्षता में एक समिति के गठन की घोषणा की। यह समिति संघवाद से जुड़े सभी पहलुओं का अध्ययन करेगी और तमिलनाडु के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए राज्य सरकार को एक व्यापक रिपोर्ट सौंपेगी। स्टालिन की घोषणा पूर्व सीएम एम करुणानिधि द्वारा 1969 में की गई इसी तरह की पहल की याद दिलाती है, जब विधानसभा में राज्य की स्वायत्तता पर एक प्रस्ताव पारित किया गया था और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को इस मुद्दे की जांच करने का काम सौंपा गया था। निष्कर्षों को बाद में 1974 में एक अन्य प्रस्ताव के माध्यम से अपनाया गया था। स्टालिन के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार ने कई प्रमुख मुद्दों पर मोदी सरकार के साथ बार-बार टकराव किया है, जिसमें नीट, भाषा नीति, कुलपतियों की नियुक्ति और परिसीमन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जबकि संविधान संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के माध्यम से जिम्मेदारियों के विभाजन को स्पष्ट रूप से परिभाषित करता है, वर्तमान केंद्र सरकार इन प्रावधानों की अवहेलना कर रही है और चिकित्सा शिक्षा, कानून और न्याय और राजस्व जैसे विषयों का उल्लंघन कर रही है।

दक्षिणी कैलिफोर्निया में शक्तिशाली भूकंप

कैलिफोर्निया। अमेरिका में भूकंप के तगड़े झटकों के कारण दक्षिणी कैलिफोर्निया में सड़कों पर पत्थर गिरने की खबर है। सैन डिएगो के बाहर ग्रामीण सड़कों पर पत्थरों के गिरने के अलावा लोगों के घरों के भीतर भी दहशत फैल गई। अलमारियों में रखे सामानों के अलावा दीवारों के हिलने से लोग सहम गए। अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल, किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (स्लर) के मुताबिक सैन डिएगो के पास स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10.08 बजे भूकंप के झटके लगे। यूएसजीएस के मुताबिक भूकंप का केंद्र सैन डिएगो काउंटी में था। इसका असर लॉस एंजिल्स काउंटी तक महसूस किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक 5.2 तीव्रता के भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए। सैन डिएगो काउंटी के पहाड़ी शहर जूलियन में भी भूकंप के झटके लगे।

बिल गेट्स से तलाक पर पहली बार बोलीं मेलिंडा

वैवाहिक जीवन में मूल्यों के साथ नहीं जी पा रही थी

लंदन। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की पूर्व पत्नी मेलिंडा फ्रेंच गेट्स ने आखिरकार 2021 में हुए तलाक पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने हालिया बयान में बताया कि आखिर बिल गेट्स के साथ उनका तलाक क्यों इतना आवश्यक हो गया था। मेलिंडा ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प खुलासे भी किए। मेलिंडा ने ब्रिटेन के प्रतिष्ठित अखबार द टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि उनका यह तलाक जरूरी था, क्योंकि वह उस रिश्ते में अपने मूल्यों के साथ जी नहीं पा रही थीं। यह बयान बिल गेट्स की उस टिप्पणी के कुछ ही हफ्ते बाद आया है जिसमें उन्होंने अपने और मेलिंडा के तलाक को अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती बताया था। मेलिंडा ने साफ कहा, अगर आप अपने सबसे करीबी रिश्ते में अपने मूल्यों के साथ नहीं जी पा रहे हैं, तो उस रिश्ते को छोड़ देना ही जरूरी होता है। हालांकि, उन्होंने बिल गेट्स के बयान पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया और कहा, मैं नहीं जानती कि उन्होंने वो बात किस अर्थ में कही थी, इसलिए मैं उस पर टिप्पणी नहीं कर सकती। इंटरव्यू में मेलिंडा ने ये भी खुलासा किया कि तलाक का दौर उनके लिए बेहद भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कैसे एक समय ऐसा आया जब उन्हें पैनिक अटैक तक होने लगे थे। यह सब तब शुरू हुआ जब 2014 में एक दोपहर के खाने के दौरान उन्होंने पहली बार इस बेचैनी को महसूस किया। इसके बाद उन्होंने थेरेपी लेना शुरू किया, जिससे उन्हें राहत मिली। शुरू में उन्हें संदेह था, लेकिन फिर उन्होंने समझा कि थेरेपी का मतलब टूटना नहीं, बल्कि जटिल भावनाओं को समझना होता है। मेलिंडा ने कहा, हम दोनों के अब अलग जीवन हैं और मैं अब बहुत खुश हूं। गौरतलब है कि बिल गेट्स ने इसी साल फरवरी में एनबीसी के एक शो में कहा था, बेशक तलाक एक अच्छी चीज नहीं थी, लेकिन हमारे तीन बेहतरीन बच्चे हैं। अगर मुझे ये पहले से पता भी होता कि यह रिश्ता नहीं टिकेगा, तब भी मैं इसे दोहराता। बिल और मेलिंडा के तीन बच्चे, फीबी (22), रॉरी (25) और जेनिफर (28) हैं, दोनों ने 27 साल साथ बिताए।

नासा ने भारतीय मूल की उच्च अधिकारी को हटाया

न्यूयॉर्क। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने भारतीय मूल की नीला राजेंद्र को उनके पद से हटा दिया है। वे नासा की डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन (डीईआई) प्रमुख थीं। यह कार्रवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस कार्यकारी आदेश के तहत की गई है जिसमें देशभर में सभी डाइवर्सिटी प्रोग्राम बंद करने और इस तरह की नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने का निर्देश दिया गया है। नासा ने नीला राजेंद्र को बचाने की कोशिश में उनकी पदवी बदलकर 'हेड ऑफ ऑफिस ऑफ टीम एक्सीलेंस एंड इंप्लॉई सक्सेस' कर दी थी। हालांकि, उनकी भूमिका पहले जैसी ही बनी रही। मार्च में नासा ने अपने डाइवर्सिटी विभाग को बंद कर दिया था, लेकिन नीला राजेंद्र इस कार्रवाई से उस समय बच गई थीं। उनके लिए अलग से एक नया विभाग बनाया गया था।

गाजा में खून-खराबे से तंग आ गई इजरायली फौज

तेल अवीव। गाजा में खून-खराबे के बीच इजरायली सेना अपनी ही सरकार के खिलाफ बगावत पर उतर आई है। दरअसल, गाजा में लड़ रहे सैनिक छह महीने से जारी खून-

नेतन्याहू पर फिर फूटा गुस्सा, बगावत का ऐलान

खराबे और बंधकों की घर वापसी में हो रही देरी को लेकर नेतन्याहू सरकार से तंग आ चुके हैं। एक चौंकाने वाली पहल में इजरायल की नामी गोलानी ब्रिगेड ने खुला पत्र जारी कर सरकार से कहा है, अब इस युद्ध को खत्म करो और अपने लोगों को घर वापस लाओ! उधर, अपने सैनिकों के इस कदम से बौखलाई नेतन्याहू सरकार ने सख्ती अपनाने की चेतावनी दी है। पत्र लिखकर युद्ध रोकने की धमकी देने और सरकार को सलाह के लिए सैनिकों को नौकरी से बर्खास्त किया जा सकता है। अलजजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा में विरोध की यह आग केवल गोलानी ब्रिगेड तक सीमित नहीं है। इससे पहले इजरायली एयरफोर्स के 1000 रिजर्व पायलट, 200 मिलिट्री डॉक्टर, नौसेना और आर्मर्ड कोर के सैकड़ों अफसरों ने भी ऐसे ही पत्रों पर दस्तखत किए हैं। सेना के भीतर बढ़ती इस असहमति ने नेतन्याहू सरकार की नींद उड़ा दी है।

सिंगापुर में तीन मई को आम चुनाव

सिंगापुर। सिंगापुर में 14वें आम चुनावों का एलान हो गया है। चुनाव विभाग ने तारीखों का एलान करते हुए कहा कि देशभर में तीन मई को मतदान होगा। जबकि नामांकन 23 अप्रैल से शुरू होंगे। इससे पहले राष्ट्रपति थर्मन शानमुगरत्नम ने प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सलाह पर संसद को भंग कर दिया। राजनीतिक दलों ने भी चुनाव को लेकर कमर कस ली। यहां मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ पीएपी और विपक्षी वर्कर्स पार्टी के बीच है। सिंगापुर की सत्ता पर 1965 से कायम पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के नेतृत्व में अपना किला बचाने का प्रयास कर रही है। वोंग ने पिछले साल मई में सिंगापुर के चौथे नेता के रूप में शपथ ली थी।

'अपने ही देश में बन गए रिफ्यूजी, सब कुछ जल गया'

मालदा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों से संबंधित कथित झड़पों के कारण

मुर्शिदाबाद हिंसा में प्रभावित लोगों का दर्द

एक पिता और पुत्र सहित तीन लोगों की जान चली गई। हिंसा के बाद मुर्शिदाबाद के समसेरगंज-धुलियान से पलायन करने वाले लोगों के लिए मालदा के पार लालपुर में एक राहत शिविर स्थापित किया गया है। राहत शिविर में रह रहे केशव मंडल ने कहा कि हम शनिवार 12 अप्रैल को यहां आए थे। हमारे घर का सब कुछ जल गया। हमें नहीं पता कि स्थिति कब सामान्य होगी और हम वापस कब जा पाएंगे। हमारे आस-पास के गांवों से लोग आज ही यहां आए हैं। राहत शिविर में रह रही रूपा मंडल ने कहा कि हमें यहां आए हुए 4 दिन हो गए हैं। हमारा पूरा घर आग के हवाले कर दिया गया। हम दोपहर का खाना खा रहे थे और अचानक कुछ लोग अंदर घुस आए और लूटपाट और हमला करना शुरू कर दिया। बीएसएफ के जवान हमें यहां राहत शिविर में ले गए। हमें अपने घर के लिए मुआवजा चाहिए। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, लगभग 400 से 500 लोग 60 किलोमीटर पैदल या गंगा पार करके स्कूल में शरण ले चुके हैं। विस्थापित परिवारों को अनिश्चित भविष्य का सामना करना पड़ रहा है, उन्हें यकीन नहीं है कि वे कभी घर लौट पाएंगे या नहीं। स्कूल में शरण लेने वाली 24 वर्षीय सपमी मंडल ने अपनी परेशानी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें अपने ही देश में शरणार्थी जैसा महसूस हो रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे एक भीड़ ने उनके पड़ोसी के घर को आग लगा दी और उनके घर पर पत्थर फेंके। वह और उनके माता-पिता भीड़ के जाने तक अंदर छिपे रहे, और बाद में बीएसएफ की मदद से उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

भारत के हर स्मारक में छुपी है एक कहानी!

वर्ल्ड हेरिटेज डे को 'अंतरराष्ट्रीय स्मारक एवं स्थल दिवस' या 'इंटरनेशनल डे फॉर मॉन्युमेंट्स एंड साइट्स' के रूप में भी जाना जाता है। हर साल 18 अप्रैल को वर्ल्ड हेरिटेज डे के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को हमारी सांस्कृतिक विरासत की संपदा के प्रति जागरूक करना और उन्हें इसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखने की जरूरत को समझाना है। नीता मोहिंद्रा उर्फ 'भीमा' की कैलाशा बुआ ने कहा, ''भारत की सांस्कृतिक खूबसूरती इसकी जीवंत और समृद्ध ऐतिहासिक विरासत में रची-बसी है, और इसे भारत के धरोहर शहरों में सबसे खूबसूरती से अनुभव किया जा सकता है। मुझे जयपुर जाने का सौभाग्य मिला और वहां की समय से परे सुंदरता ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया। योगेश त्रिपाठी उर्फ 'हप्पू' की उलटन पलटन' के दरोगा हप्पू सिंह ने कहा, '' भारत का हर स्मारक एक कहानी कहता है, और उन्हें देखना मानो इतिहास के पन्नों पर चलने जैसा अनुभव है। मेरे जीवन का सबसे यादगार अनुभव आगरा स्थित ताजमहल की यात्रा का रहा। सात अजूबों में शामिल ताजमहल सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि सदियों तक अमर रहने वाले प्रेम की एक बेमिसाल कहानी है। ताजमहल सिर्फ एक स्मारक नहीं, यह कला, प्रेम और भारत की मुग़ल विरासत का प्रतीक है।'' शुभांगी अत्रे उर्फ 'भाबीजी घर पर हैं' की अंगूरी भाबी ने कहा, ''आध्यात्म और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होने के कारण, मेरी वाराणसी यात्रा मेरे लिए बेहद खास और भावुक अनुभव रही। वाराणसी को दुनिया के सबसे पुराने जीवित शहरों में से एक माना जाता है।

छोटा पर्दा

एक्ट्रेस बनने के बारे में नहीं सोचा था- आर्ची सचदेवा

भारतीय टेलीविज़न की तेज़ रफ्तार और जबर्दस्त कॉम्पिटिशन वाली दुनिया में जहां अनगिनत सपने एक ब्रेक के इंतज़ार में रहते हैं, वहीं लोकप्रिय शो 'कुमकुम भाग्य' की पायल यानी आर्ची सचदेवा की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं लगती। ये टैलेंटेड एक्ट्रेस कभी कैमरे के सामने नहीं, बल्कि आसमान में उड़ान भरने की तैयारी में थीं। कैमरे का सामना करने से बहुत पहले, आर्ची एक बिल्कुल अलग उड़ान के लिए तैयार हो रही थीं। उनकी एविएशन ट्रेनिंग लगभग पूरी हो चुकी थी और वो बतौर केबिन क्रू आसमान में उड़ने के सपने देख रही थीं। अपनी मां से प्रेरित होकर उन्होंने एक ऑडिशन देने का अचानक लिया गया फैसला कर लिया, और बस वहीं से उनकी ज़िंदगी की दिशा बदल गई। उस एक कदम ने उन्हें कई नए मौकों के दरवाज़े खोलकर दिए। देखते ही देखते आर्ची टेलीविज़न की रंगीन दुनिया में उतर गईं। एविएशन का सपना पीछे छूट गया और दिल की आवाज़ को सुनते हुए उन्होंने एक के बाद एक कई टीवी शोज़ में काम किया। हर शो ने उन्हें कुछ नया सिखाया और अभिनय के प्रति उनका प्यार और गहरा होता चला गया। ये सफर तब एक अहम मोड़ पर पहुंचा जब उन्हें कुमकुम भाग्य में अपनी भूमिका मिली। आज जब वो इस आइकॉनिक शो का हिस्सा हैं, तो खुद को बेहद सौभाग्यशाली मानती हैं। आर्ची कहती हैं, ''मैं एक ऐसे परिवार से आती हूं, जिसका एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से कोई नाता नहीं रहा। मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन मैं एक्ट्रेस बनूंगी। स्कूल में आर्ट टीचर भी रही, फिर एविएशन जॉइन करने का मन बना लिया।

बाजार दर्पण

AWPL
परिवार का हिस्सा बनें और बनें निरोग खुद भी जियें औरों को भी जीना सिखायें
सुख और समृद्धि दोनो पायें
आयुर्वेद अपनाये जीवन और पैसा दोनो बचायें
जय किशन यादव

फ्रेंचाइजी विनायक एसोसिएट
पता:- 6/2 कटरा माधोकुंज, प्रयागराज
मो. 9935657889

उत्सव लॉन्स
गोरखपुर में
शादी-विवाह एवं अन्य शुभ आयोजनों हेतु।
अलहदादपुर, गोरखपुर
फोन:- 0551-2338099
+918400085593

विश्वास नेत्र एवं लेज़र सेन्टर

डॉ. विश्वास वर्मा
नेत्र सर्जन
मेडिक्लेम सुविधा उपलब्ध
विराम खण्ड, राम भवन के सामने गोमती नगर लखनऊ
मोबाइल: 9415016089